हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 मार्च, 2006

खण्ड–2, अंक–5

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 23 मार्च, 2006

	पृष्ठ संख्या
शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह तथा उनके साथियों को श्रद्धांजली	(5)1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(5)7
वाक आउट	(5)22
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(5)22
वाक आउट	(5)25
तारांकित प्रश्न एव उत्तर (पुनरारम्भ)	(5)27
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(5)30
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं	(5)46
वाक आउट	(5)48
गैर सरकारी संकल्प— निजी क्षेत्र की तुलना मे सरकारी क्षेत्र के अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं की अपर्याप्त उपलब्धता पर गहरी चिन्ता व्यक्त करने सम्बन्धी	(5)49

मूल्य : 80

HVS/Lib/①

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 23 मार्च, 2006

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह तथा उसके साथियों को श्रद्धांजलि

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the Hon'ble Chief Minister will move a resolution.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, आज का दिवस हमारे देश के इतिहास में सदैव-सदैव लिखा जाएगा। जो उस समय के ब्रिटिश साम्राज्य के शासक थे उनके इतिहास में यह दिवस सदैव काला दिवस रहेगा। आज के दिन हमारे अमर शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु को फांसी के फंदे पर चढ़ाया गया था लेकिन इस दिवस ने आजादी की नींव रख दी थी। इसके बाद पूरे देश में क्रांति की लहर आई थी और 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश आजाद हुआ। आज पूरा देश इस दिवस को शहीदी दिवस के रूप में एवं अमर शहीदों की कुर्बानी के रूप में याद कर रहा है। देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ने वाले इन शहीदों को यह सदन श्रद्धांजलि अर्पित करता है और आज के दिन को शहीदी दिवस के रूप में मनाता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय सदस्यों के समक्ष इस बारे में एक प्रस्ताव है कि —

''यह सदन भारत माँ के महान सपूतों अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को नमन करता है।''

आज इन महान देशभक्तों के बलिदान को 75 वर्ष हो चुके हैं। उनका बलिदान हमारे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। इन महान देशभक्तों ने देश की आजादी के लिए जो त्याग और संघर्ष किया तथा कुर्बानी दी, उसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव तक हिलाकर रख दी और देशवासियों के सोये स्वाभिमान को जगा दिया। इसके फलस्वरूप सभी धर्मों, जातियों और वर्गों के लोग कंधे से कंधा मिलाकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।

हमारा स्वाधीनता संग्राम एक ऐसा संग्राम था, जो दुनिया के इतिहास में पहली बार त्याग, बलिदान और अहिंसा के बल पर लड़ा गया। एक तरफ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]
अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए आजादी की लड़ाई लड़ी गई तो दूसरी ओर अनेक क्रांतिकारियों ने हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूमकर अपने प्राणों का बलिदान दिया।

साईमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन में लाला लाजपतराय के नेतृत्व में सरदार भगत सिंह द्वारा गठित नौजवान भारत सभा सबसे आगे थी। इस विरोध प्रदर्शन के कारण अंग्रेजी हुकूमत के घातक लाठियों के प्रहार से लाला लाजपतराय जी वीरगति को प्राप्त हुए। इससे हमारे देशभक्त नौजवानों के दिलों को और भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंची। भगत सिंह ने उसी समय ब्रिटिश हुकूमत से बदला लेने का प्रण ले लिया।

हिन्दुस्तान की सैंट्रल असैम्बली में जब दो कानून पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिसप्यूट्स बिल हिन्दुस्तानियों के कड़े विरोध के बावजूद वायसराय ने पास करवाने का फैसला किया तो इसे रोकने के लिए अमर शहीद भगत सिंह और श्री बी.के.दत्त ने दो बम असैम्बली में फैंके और इन्कलाब जिन्दाबाद का नारा लगाया। भगत सिंह ने सिंह गर्जना करते हुए कहा था कि उन्होंने यह बम ब्रिटिश हुकूमत के बहरे कानों तक देशवासियों की आवाज पहुँचाने के लिए फैंके हैं। ब्रिटिश हुकूमत ने नैतिकता तथा कानून के सभी मानदण्डों को एक तरफ रखते हुए निर्धारित समय से पूर्व 23 मार्च, 1931 की रात को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी लेकिन देश की जनता ने क्रांति के अग्रदूतों के इस बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया और आखिरकार 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। जैसा कि मैंने पिछले शहीदी दिवस पर कहा था कि मुझे गर्व है लाला लाजपत राय पर और शहीद भगत सिंह पर क्योंकि उनके परिवार के साथ मेरे परिवार के घनिष्ट सम्बन्ध थे। मेरे दादा जी और शहीद भगत सिंह जी के चाचा जी को एक ही दिन काले पानी की सजा हुई थी जोकि बाद में इम्पलीमैंट नहीं हो सकी थी। इस आजादी को पाने के लिए अनेक देशवासियों ने कुर्बानियां दीं। इन अमर शहीदों के संघर्ष और बलिदान की गौरवगाथा हमें सदा राष्ट्र प्रेम व देश के नव-निर्माण के लिए प्रेरित करती रहेगी। अध्यक्ष महोदय, उनके सपनों को साकार करना ही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डॉ० सुशील इंदौरा (ऐलनाबाद, एस०सी०) : माननीय अध्यक्ष जी,आज सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी जो प्रस्ताव लाए हैं वह वाकई में काबिले तारीफ है क्योंकि कोई भी कौम जब तक शहीदों को याद नहीं करेगी, कोई देश और प्रदेश अपने शहीदों को याद नहीं करेगा, उनके किए हुए कामों को यदि हम अपने दिलों में नहीं बसाएंगे तो हमारा भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। मैं मुख्यमंत्री जी की तारीफ करता हूँ कि उन्होंने यह अच्छा कार्य किया है। आज शहीदी दिवस है आज के दिन हमारे जिन क्रांतिकारी वीरों को फांसी दी गई थी उनमें भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव शामिल थे। इसके अलावा भी ऐसे कई शहीद थे जिन्होंने देश के लिए अपनी कुर्बानी दीं। उन्होंने देश के लिए लाठियां खाईं। वे जेल भी गए और उन्होंने आजादी की लड़ाई भी लड़ी लेकिन उनका आजादी की लड़ाई में कहीं पर भी नाम नहीं आया। परन्तु वे आज भी हमारे लिए प्रेरणा स्रोत हैं। कुछ स्वतंत्रा सेनानी आज भी जीवित हैं। जिन्होंने उस वक्त के जमाने में आजादी की लड़ाई लड़ी। स्वयं माननीय मुख्यमंत्री जी के पिता जी भी उस आन्दोलन में हिस्सेदार थे। उसी प्रकार चौधरी देवीलाल जी भी शहीद भगत सिंह के साथ एक कोठरी में बन्द रहे। उन पर रेड

भी करवाई गई थी क्योंकि वे कद काठी से शहीद भगत सिंह से मिलते थे। उन लोगों ने अपने शरीर पर कष्ट सहकर इस देश को आजादी दिलाई। वह आजादी चाहे अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए महात्मा गांधी जी ने दिलाई, चाहे हमारे क्रांति वीरों ने लड़ाई लड़कर दिलाई लेकिन योगदान सबका रहा था। मैं पार्लियामैंट में भी रहा हूँ इसलिए वहां का जिक्र जरूर करना चाहूँगा। जिस पिल्लर पर शहीद भगत सिंह जी ने बम फैंका था उस पिल्लर पर आज भी उसके निशान हैं और वह निशानी आज भी प्रोपर रखी हुई है कि वहां पर बम फोड़ा गया था। ऐसा करके उन्होंने अंग्रेजी सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया था कि अगर अंग्रेजी हुकूमत ने शान्ति से उनकी बात नहीं सुनी तो वे क्रांति से भी अपनी बात उनसे मनवा सकते हैं। इस प्रस्ताव का अनुमोदन करते हुए मैं तो यही कहूँगा कि हमें आज उन क्रांतिकारी वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। हमारी आने वाली भावी पीढ़ी भी उन्हीं प्रेरणाओं को लेते हुए इस देश की सुरक्षा का, सामाजिक समानता का और जो भी हमारे संविधान निर्माताओं ने हमें मोटो दिया है उसको आगे बढ़ाने का काम करेंगे, धन्यवाद।

श्री नरेश यादव (अटेली) : अध्यक्ष जी, आज माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में जो प्रस्ताव लाए हैं मैं उसका समर्थन करता हूँ। आज पूरे देश में शहीदी दिवस मनाया जा रहा है। हमारे देश के शहीद चन्द्रशेखर आजाद, राजगुरु, सुखदेव ने देश की आजादी के लिए अपनी कुर्बानियां दीं और भगत सिंह जिन्होंने एसैम्बली हाल में बम फैंककर यह बता दिया था कि बहरों को सुनाने के लिए धमाकों की भी जरूरत होती है। आज हम आजाद आसमान के नीचे उन शहीदों की बदौलत बैठे हुए हैं। उन देश भक्तों और शहीदों को सुख-समृद्धि, धन, कामिनी, कंचन की आवश्यकता नहीं होती थी, उनकी तो एक ही इच्छा होती थी देश का गौरव और देश का सम्मान। आज हम महसूस कर रहे हैं कि हमारी युवा पीढ़ी में देश के प्रति देश भक्ति की भावना कम होती जा रही है। आज हम अकर्मण्य और आलसी हो गए हैं और देश के प्रति जिम्मेवारियों से विमुख हो गए हैं। आज विधान सभा और विधान सभा से बाहर हमें इस बात की जागरुकता लाने की जरूरत है कि जब तक हमारी देश के प्रति जागरुकता नहीं रहेगी या भावना नहीं रहेगी तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकेंगे और अगर हम निजी स्वार्थ की भावना से काम करेंगे तो हम पीछे हो जाएंगे तथा हमारा देश तरक्की नहीं कर पाएगा। हमें हजारों सालों की गुलामी के बाद इन शहीदों की कुर्बानी से आजादी मिली है। मुझे याद है जब मैं 8वीं कक्षा में पढ़ता था उस समय हमारे अध्यापक ने बताया था कि चन्द्रशेखर आजाद 14 साल की छोटी सी उम्र में आजादी की लड़ाई में कूद पड़ा था। जब चन्द्रशेखर आजाद 14 साल की उम्र का था उस समय नारे लगा रहा था कि **अंग्रेजों भारत छोड़ो, महात्मा गांधी की जय।** अंग्रेजी पुलिस में जो भारतीय सिपाही थे उन्होंने चन्द्रशेखर आजाद को पकड़कर मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किया तो मैजिस्ट्रेट के द्वारा उनका नाम पूछने पर चन्द्रशेखर आजाद ने अपना नाम आजाद बताया। मैजिस्ट्रेट ने झुंझलाकर कहा कि तुम्हारे बाप का क्या नाम है, चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि मेरे बाप का नाम स्वतंत्रता है। मैजिस्ट्रेट ने फिर से झुंझलाकर पूछा कि तुम्हारा घर कहां है तो चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि जेलखाना मेरा घर है। उस समय मैजिस्ट्रेट ने चन्द्रशेखर आजाद को 14 कोड़ों की सजा सुनाई थी। एक-एक कोड़े के साथ उनकी आवाज निकल रही थी कि **अंग्रेजों भारत छोड़ो, महात्मा**

[श्री नरेश यादव]

गांधी की जय। तभी से उनका नाम आजाद रखा गया। एक दिन चन्द्रशेखर आजाद ने अंग्रेजों के हाथ न लगने की कसम खाई थी। जब चन्द्रशेखर आजाद अहमदाबाद के अलफ्रट पार्क में था तो किसी ने अंग्रेजों को सूचना दे दी थी कि चन्द्रशेखर आजाद अलफर्ट पार्क में है आप उसे गिरफ्तार कर लो। चन्द्रशेखर आजाद को गिरफ्तार करने के लिए अंग्रेजी पुलिस आ गई थी। उसमें कमांडेंट तो अंग्रेजी था और जो सिपाही थे वे भारतीय मूल के थे। दोनों तरफ से दनादन गोलियां चल रही थीं तब चन्द्रशेखर ने कहा था कि सिपाहियों तुम तो भारतीय मूल के हो क्यों दनादन गोलियां चला रहे हो। मेरा टार्गेट तो अंग्रेजी कमांडेंट है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह की भावना उस समय के देशभक्तों में होती थी। लेकिन आज के नौजवानों में देश भक्ति की भावना खत्म होती जा रही है। मुझे याद है जब भगत सिंह जी को फांसी की सजा हो गई थी तब उनकी माँ उनसे जेल में मिलने गई थी तो उनसे यह पूछने पर कि तुम कैसा महसूस कर रही हो तो उन्होंने यही कहा था कि भगवान ने मुझे दो बेटे क्यों नहीं दिए, दो और बेटे होते तो वे भी दोनों बेटे देश के काम आते। उस समय माताओं में भी देश भक्ति की भावना बहुत थी। अध्यक्ष महोदय, मैं देश के शहीदों को इस सदन के माध्यम से श्रद्धांजलि देता हूँ और मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव रखा है उसका समर्थन करता हूँ। अंत में मैं सदन के माध्यम से युवा पीढ़ी को कहना चाहूँगा कि उनके अंदर जो देश भक्ति की भावना खत्म हो गई है वह पैदा करनी बहुत जरूरी है। धन्यवाद।

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए जो महत्वपूर्ण प्रस्ताव लेकर आये हैं मैं उसका समर्थन करता हूँ और कहना चाहता हूँ कि शहीद भगत सिंह और उनके साथी जो थे वे आतंकवादी नहीं थे जैसा कि अंग्रेजों ने उन्हें आतंकवादी कहने की कोशिश की। अगर वे आतंकवादी होते तो असैम्बली में बम फैंकने की बजाए वे उन लोगों पर भी फैंक सकते थे जो अंग्रेजों के साथ थे। उन्होंने असैम्बली में बम इसलिए फैंका था कि अंग्रेजी हुकूमत उनकी आवाज सुने। उस समय धर्म निरपेक्ष और समाजवादी दोनों ने एक पार्टी बनाई थी, एक ग्रुप बनाया था। उसके मुख्य ऐम थे भारत को आज़ादी दिलवाना और देश में धर्मनिरपेक्षता तथा समाजवादिता को कायम करना और गरीब लोगों की मदद करना। इस तरह का देश वे भारत को बनाना चाहते थे। यह बात सबको जाहिर है, यह बात बहुत उजागर नहीं की जा रही है। उस वक्त भी बहुत से लोग थे, आज भी बहुत सी पार्टियां हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई तो लड़ी नहीं और देश के आजाद होने के बाद देश को जात-पात और धर्म के आधार पर बांटने में लगे हुए हैं और उसी पर राजनीति कर रहे हैं। वे लोग ऐसा करके उन वीरों के सपने को तोड़ रहे हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपनी जान दी है। अध्यक्ष महोदय, सरदार भगत सिंह को जिस जज ने फांसी की सजा सुनाई उस जज ने यह लिखा कि चूंकि उन्होंने उस वक्त की सरकार के खिलाफ जंग की है, ब्रिटिश सरकार के खिलाफ उन्होंने लड़ाई लड़ी है और सरकार के खिलाफ उन्होंने लड़ाई का ऐलान किया है इसलिए उनको फांसी दी जाए। भगत सिंह ने उस वक्त के गवर्नर को चिट्ठी लिखी थी जिसमें यह लिखा था कि उसने देश की हुकूमत के खिलाफ उस वक्त की सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है इसलिए उनको फांसी नहीं दी जानी चाहिए। आप आर्मी को हुक्म दीजिए कि वे हमें गोली से उड़ाएं। जैसे कि कहा गया है कि हम

वार क्रिमिनल्ज हैं साधारण अपराधी नहीं हैं। जो जजमैंट में भी लिखा है उसके अनुसार फांसी का सवाल ही नहीं है, हमने सरकार के खिलाफ बगावत की है इसलिए हमें गोली से उड़ाया जाए। उन लोगों के ऐसे जज्बात थे जिन पर देश आज भी गर्व करता है। इस प्रकार के जज्बातों ने उस वक्त पूरे देश के नौजवानों को पूरी तरह से झिंझोड़ा और उनमें बड़ी भारी देशभक्ति की भावना पैदा की। अपने विचारों तथा अपनी कुर्बानियों से उन्होंने देश में एक नई चेतना फूंकी। उनका उस वक्त जो ऐम था उस ऐम को हासिल करने के लिए देशभक्ति के लिए उन्होंने अपनी जान दी थी। उनकी देशभक्ति और कुर्बानियों की बदौलत ही देश आजाद हुआ। अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई संदेह नहीं कि महात्मा गांधी जी ने शांति के द्वारा असहयोग आन्दोलन के जरिए देश को आजाद कराने की जो मूवमैंट चलाई थी उस मूवमैंट में और भगत सिंह तथा उनके साथी इन्कलाबियों द्वारा चलाई गई मूवमैंट में कोई अन्तर्द्वन्द्व नहीं था। ये दोनों मूवमैंट देश में जागृति पैदा करने के लिए थे। इस जागृति ने देश के नौजवानों में एक तरफ इन्कलाबी जज्बा पैदा करने में और इस देश को ओर्गेनाईज्ड तरीके से तथा दूसरी तरफ अहिंसात्मक ढंग से देश को आजाद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। हम अंग्रेजों के खिलाफ हथियारों की लड़ाई लड़ कर जीत नहीं सकते थे लेकिन एक जोश और जज्बा जरूरी था। ये दोनों मूवमैंट एक दूसरे के सहयोगी थे और दोनों मूवमैंट एक ही मकसद के लिए थे। उनका ऐम एक ही था इसलिए मैं समझता हूँ कि सरदार भगत सिंह तथा उसके जो भी इन्कलाबी साथी थे चाहे सुभाष चन्द्र बोस थे अथवा और जो भी इन्कलाबी थे उनको सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हमें एक बार फिर से यह प्रण करना चाहिए कि हम जात–पात की राजनीति नहीं करेंगे, हम आपस में लोगों को मजहब के नाम पर नहीं लड़ाएंगे, न केवल सरकार को बल्कि समाज तथा इस देश को धर्म निरपेक्ष बनाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि हम न केवल सरकार की कार्यशैली में बल्कि समाज में देशभक्ति का जज्बा पैदा करेंगे। इन शहीदों तथा स्वतंत्रता सेनानियों की कमिटमैंट थी कि हमें देश में समाजवाद लेकर आना है। इस ऐम को हासिल करने के लिए सारी पार्टियों को, सभी राजनैतिक लोगों को यह कमिटमैंट देनी चाहिए और यह वचन देना चाहिए कि इस देश में गरीबी खत्म करना, समानता पैदा करना, बराबरी लाना ही सच्ची आजादी होगी और शहीदों को यही सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अपनी ओर से उन शहीदों को श्रद्धांजलि पेश करता हूँ। धन्यवाद।

श्री रामकुमार गौतम (नारनौंद) : अध्यक्ष महोदय, जो कौम अपने शहीदों को याद नहीं करती उनका नाम–ओ–निशान नहीं रहता है और वे कौमें मिट जाया करती हैं। अपने शहीदों पर आज भी हमें गर्व है। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों में शहीद–ऐ–आजम भगत सिंह इस देश के मुकुट थे और आज उन्हीं की बदौलत हम आजाद हैं और खुली हवा में साँस ले रहे हैं। उन्हीं के कारण देश आजाद हुआ है और आज देश में डैमोक्रेसी है। शहीद–ऐ–आजम भगत सिंह, चन्द्रशेखर आज़ाद, राजगुरु, बिस्मिल, सुभाष चन्द्र बोस और उनके सारे साथियों के हम कर्जदार हैं। जो हमारे दूसरे महापुरुष हुए हैं उनके प्रति भी हम नतमस्तक हैं। हमारे दस गुरु हुए हैं। विशेष तौर पर गुरू गोबिन्द सिंह, जिन्होंने अपने बच्चों को दीवारों में चिनवा कर देश तथा धर्म के लिए कुर्बानी दी। धर्म की रक्षा के लिए गुरू तेग बहादुर जी, महाराणा प्रताप, शिवा जी और अनेकों

[श्री रामकुमार गौतम]

महान स्वतन्त्रता सेनानियों ने अनेकों प्रकार के कष्ट सहे और अनकों कुर्बानियां दीं। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई भी देता हूँ कि इन्होंने शहीदों का सम्मान किया, इन्होंने फ्रीडम फाईटरों की पैंशन बढ़ाई उसके लिए भी मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। मैं तो केवल इतना ही कह सकता हूँ कि जितने भी हमारे शहीदों के जन्मदिन और शहीदी दिवस हैं उनको त्योहार की तरह बढ़िया तरीके से मनाया जाए, उनको पूरा सम्मान दिया जाए। अगर ऐसा होगा तो मैं सोचता हूँ कि इस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकेगा और दुनिया में हमारा ऊँचा स्थान होगा। अध्यक्ष महोदय, जो भ्रष्टाचार है वह दीमक की तरह समाज को खा रहा है उससे हमें लड़ाई लड़नी है। हमारे समाज में ऊँच-नीच, भेद-भाव और जातिवाद बहुत है और यह हमारे माथे पर कलंक का टीका है। हमें इसको खत्म करने के लिए कोई कदम उठाने की जरूरत है। धन्यवाद।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन अमर शहीदों की अमर गाथा इतनी है कि हम जितना उनके बारे में कहें वह कम होगा। अध्यक्ष महोदय, समय के अभाव को देखते हुए मैं इतना ही कहती हूँ और जैसा कि हमारे कई माननीय सदस्यों ने भी कहा है कि हम उन दिनों को याद करें कि क्यों हम गुलाम हुए थे और उस गुलामी से आजादी लेने के लिए कितने ही जाने और अनजाने शहीदों ने अपनी जान की कुर्बानियां दी थीं। आज देश को बचाने का संकल्प हमारे सामने है। इसलिए उनकी शहीदी से हमें प्रेरणा लेना अत्यन्त आवश्यक है। एक कवि ने कहा है कि —

प्रेरणा शहीदों से यदि हम न लेंगे तो आजादी की ढलती शाम हो जाएगी।
पूजा वीरों की यदि हम न करेंगे तो वीरता मानों बांझ हो जाएगी।

अगर कोई वीरता दिखाता है और उसको हम शाबाशी नहीं देंगे तो उस तरफ कोई नहीं बढ़ेगा। बड़े दुर्भाग्य की बात यह है कि कुछ तो भगत सिंह जैसे नौजवान देश की आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे, उस वक्त भी कुछ लोग ऐसे थे जो अंग्रेजों की चापलूसी कर रहे थे और उनको बता रहे थे कि कब कहां पर क्या होने वाला है। मैं अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के इस शहीदी दिन पर कहूँगी कि सच्ची श्रद्धांजलि हम सभी की तरफ से यही होगी कि हम उनके लक्ष्य को याद करें। जैसा कि हमारे भाई शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने बताया है कि उन्होंने एक एसोसिएशन बनाई थी और उसका नाम था सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन। इससे जाहिर होता है कि वे किस तरफ जाना चाहते थे। लेकिन कुछ लोग उनके नाम आतंकवाद और हिंसात्मक बातों के साथ जोड़ना चाहते थे। उन्होंने असैम्बली में जब बम फैंका था और उसको फैंकने के बाद यह कहा था कि हमने यह बम्ब किसी को मारने के लिए नहीं फैंका था हमारा मकसद तो सिर्फ इस बहरी सरकार के कानों तक हिन्दुस्तान की जनता की आवाज को पहुंचाना था कि अब हम आपके काले कानून का पालन नहीं करेंगे और अपने देश को आजाद करवाएंगे। उनके जीवन की बातें प्रेरणा लायक हैं। जिससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। मुझे इस बात को कहते हुए गर्व है कि जब भगत सिंह जी को फांसी दी गई थी उस वक्त आदरणीय मुख्यमंत्री जी के दादा हिसार में सिविल सर्जन लगे हुए थे और जब उनको इस बारे में पता लगा तो उन्होंने उस पद से त्याग पत्र दे दिया था कि मैं ऐसी सरकार की नौकरी नहीं कर सकता हूँ। मैं तो यह कहूँगी

कि शहीद भगत सिंह जी से लेकर राजीव गांधी तक बहुत से स्वतन्त्रता सेनानी आज हमारे बीच से चले गए हैं। इस बारे में सदन में यह भी बताना चाहूँगी कि उन सब शहीदों के परिवार छोटे नहीं थे लेकिन वे पूरे देश को अपना परिवार मानते थे। इस बारे में किसी ने कहा है कि कर चले हम फिदा जान-ओ-तन साथियों, अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों। इसलिए हमें सबको यह सोचना चाहिए कि उन्होंने यह कहा है कि हमसे जो बना हमने किया और आगे आपको देश को संभालना है। भारत को कमजोर करने के लिए फिर से गुलाम बनाने के सपने कुछ लोग देख रहे होंगे। लेकिन इन शहीदों की दिलाई हुई आजादी को कायम करने के लिए आईये हम सब आज इस शहीदी दिवस के दिन संकल्प करें कि उन्होंने जो रास्ता हमें दिखाया है कि चाहे कितने ही कष्ट आयें, कितनी विघ्न बाधा आयें, हम उस रास्ते पर चलते ही जाएंगे और जैसा वह चाहते थे वैसा ही देश को एक सैक्युलर और समाजवादी देश बनाएंगे और देश को मजबूत बनाकर ही चैन लेंगे। जैसा पहले कहते थे कि भारत किसी समय दुनिया का गुरु था तो वैसा ही भारत हम बनाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं सभी शहीदों को नमन् करती हूँ और सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है उसका हृदय से श्रद्धांजलि देकर समर्थन करती हूँ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन में व्यक्त की गई भावनाओं के साथ अपने आप को सम्मिलित करता हूँ। आज बलिदानों का एक महान दिन है। इस दिन शहीदों के सरताज सरदार भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु ने हमारे देश की स्वतन्त्रता के लिए अपने जीवन बलिदान किए थे। इन महान देशभक्तों के बलिदानों से और महात्मा गांधी तथा उनके अनुयायियों द्वारा किए गए प्रयासों से ब्रिटिश साम्राज्य से हम आजादी प्राप्त करने में सफल हुए। उस समय दो दल थे एक अहिंसा में विश्वास रखता था तथा दूसरा अपने बलिदानों से स्वतन्त्रता के उद्देश्यों की प्राप्ति करने में विश्वास रखता था। जिस प्रकार से इन महान देशभक्तों ने अपने जीवन बलिदान किए, उसे हम कभी भी नहीं भुला सकते हैं। आज का भारत ऐसे महान स्वतन्त्रता सेनानियों तथा देशभक्तों द्वारा किए गए महान बलिदानों के कारण ही कायम है। इन देशभक्तों को श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम ढंग यही है कि हम अपने देश को पूर्ण निष्ठा एवं निश्चय के साथ आन्तरिक एवं बाहरी ताकतों से सुरक्षित करें। देश की अखंडता की रक्षा केवल निस्वार्थ सेवा से ही की जा सकती है। मुझे आशा है कि हम सभी बलिदान की भावना का अनुकरण करेंगे। अन्त में मैं इन महान देशभक्तों को पुनः श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी सदस्यगणों से अनुरोध करता हूँ कि भारत के इन महान सपूतों के सम्मान के रूप में दो मिनट का मौन धारण करने के लिए वे कृपया अपने स्थानों पर खड़े हो जाएं। **(इस समय सदन ने देशभक्तों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण किया।)**

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Setting up of SEZ

***358 @Sh. Karan Singh Dalal :**

Sh. S.S. Surjewala : Will the Minister for industries be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Special Economic Zone in the State, if so, the details and location thereof ?

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : Yes, Sir ! At present 24 proposals for setting up of Special Economic Zones in the State are under consideration of Government, the details and location of these Special Economic Zones are as under :—

Sr. No.	Name & Address of Special Economic Zone Developer	Location
1.	By HSIDC, Panchkula.	Garhi Harsaru (Gurgaon)
2.	By MGF Developments Ltd. MGF House, 17-B, Asaf Ali Road, New Delhi.	Distt. Gurgaon.
3.	By. M/s Haryana Technology Park Ltd. 25, Community Centre East Kailash, New Delhi.	Faridabad
4.	By M/s Orient Crafts Infrastructure Ltd., 7-D, Maruti Industrial Complex. Sector-18, Gurgaon.	Distt. Gurgaon
5.	By M/s DLF Cyber City, DLF Centre, Sansad Marg, New Delhi.	Sector 24,25 & 25-A, Gurgaon
6.	By M/s DLF Commercial Developers Ltd. DLF Centre, Sansad Marg, New Delhi.	Distt. Gurgaon
7.	By M/s IST. Ltd. Dundahera, Distt. Gurgaon.	Dundahera
8.	By M/s Pioneer Profin Ltd., Green Park, Arbindo Marg, New Delhi.	Distt. Gurgaon
9.	By M/s Unitech Realty Project Ltd., Block-L, South City, Gurgaon	Distt. Gurgaon.
10.	By M/s SRM Infrastructure (P) Ltd., D-146, Saket New Delhi.	Disst. Mewat.
11.	By M/s Unitech Commercial Developers Ltd., 6 Community Centre, Saket, New Delhi.	Rai (Sonipat)
12.	By M/s DLF Universal Ltd., DLF Centre, Sansad Marg, New Delhi.	Distt. Gurgaon
13.	SEZ for Gems & Jewellary by HSIDC, Panchkula.	Gurgaon.

@ Put by Sh. Karan Singh Dalal.

Sr. No.	Name & Address of Special Economic Zone Developer	Location
14.	By M/s Uppal Housing (P) Ltd., S-39A, Panchsheel Park New Delhi.	Distt. Gurgaon.
15.	By M/s DS Constructions Ltd., C-66, South Extension-II, New Delhi.	Ballabgarh/ Palwal
16.	By M/s Luxor Cyber City, Pvt.Ltd.,229-Okhla, Industrial Estate, Phase-III, New Delhi.	Distt. Gurgaon.
17.	By Sunwise Properties Pvt. Ltd., 28 Bara Khamba Road, New Delhi.	Distt. Gurgaon.
18.	By M/s DLF Universal Ltd., DLF Centre, Sansad Marg, New Delhi.	Ambala
19.	By M/s Raheja Developers Pvt. Ltd., E-6, Saket, New Delhi	Dharuhera
20.	By M/s Natasha Housing and Urban Development Ltd., E-71, South Extension, New Delhi.	Panipat
21.	By M/s Orion Infrastructure (P) Ltd., 70, Golf Links New Delhi.	Distt. Gurgaon.
22.	By M/s DLF Universal Ltd., DLF Centre, Sansad Marg, New Delhi.	Panchkula
23.	By M/s Reliance Industries Ltd., 28, Bara Khamba Road, New Delhi.	Distt. Gurgaon. & Jhajjar.
24.	By M/s Vipul Ltd., Mehrauli-Gurgaon Road, Gurgaon.	Distt. Gurgaon.

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अगर आप चाहें तो मैं इन नामों को पढ़ भी सकता हूँ वैसे ये सब रिप्लाई में लिखे हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : ठीक है। दलाल साहब, अब आप अपनी सप्लीमैंटरी पूछिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो स्पेशल इकोनोमिक जोन बिल विधान सभा में आया था और गवर्नर साहब ने उसकी इजाजत भी दी थी तथा इसके बाद वह एक्ट बना। इसके प्रावधान के मुताबिक और इस बिल पर डिस्कशन के दौरान जो बात सदन में आई थी उसमें मुख्यमंत्री जी ने एक बहुत ही अच्छा आश्वासन सदन को दिया था। उन्होंने प्रदेश के लोगों के लिए एस०ई०जैड० लाकर दिए हैं लेकिन मंत्री जी द्वारा जो जानकारी सदन के पटल पर रखी गई है उससे प्रतीत होता है कि रिप्लाई में जो एस०ई०जैड० के लिए नाम दर्शाए गए हैं और जिन्होंने दरखास्त लगाई है ये शायद वे लोग नहीं हैं जिन्होंने प्रदेश के अंदर

10-00 बजे

[श्री कर्ण सिंह दलाल]
औद्योगकि यूनिट लगाने हैं या औद्योगिक ईकाइयां लगानी हैं जिससे प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलना है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपकी सप्लीमैंटरी क्या है?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि एस.ई.जैड के लिए क्या ये कोई शैड्यूल बनाने पर विचार करेंगे कि जिसने औद्योगिक इकाई लगानी है वह एक्सपोर्ट औरियन्टिड यूनिट हों और जिनसे प्रदेश के अंदर रोजगार स्थापित हों? क्या उनको लाईसैंस देने पर विचार करेंगे? जो एस.ई.जैड. में बहुत सी सुविधाएं सरकार ने प्रदान करनी हैं, क्योंकि लैण्ड डिवैल्पर से कोई प्रोडैक्टिव काम नहीं होना है, इसलिए क्या इन लैण्ड डिवैल्पर को लाईसैंस नहीं देने पर सरकार विचार करेगी, क्या ऐसा आश्वासन मंत्री जी देंगे?

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक आदरणीय साथी ने सवाल किया है मैं उनको बताना चाहता हूँ कि जो ये एस.ई.जैड. हम बनाने जा रहे हैं, इसके लिए हर तरह के साधन होंगे, सभी प्रकार की दुकानें होंगी, कैरिज होंगे, ट्रक होंगे, मजदूर होंगे। सभी तरह के लोगों को रोजगार मिलेगा। स्पैशली हम अपने व्यापार को बढ़ावा देने के लिए और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए खासतौर से सभी तरह के लोगों को रोजगार देने के लिए यह काम कर रहे हैं उसमें काफी लोगों को रोजगार मिलेगा और सभी प्रकार के लोगों को एकोमोडेट किया जाएगा।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो कहा है उसके लिए एक बात सदन की जानकारी के लिए मैं कहना चाहूँगा कि जो नई औद्योगिक नीति श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली सरकार लाई है उसके बाद 8000 करोड़ रुपये की लागत की इण्डस्ट्रीज हरियाणा में आई हैं जिनमें से 841 इण्डस्ट्रियल यूनिट्स से 472.54 करोड़ रुपये की आमदनी स्टेट को हुई है जिनमें 14 हजार नये लोगों को रोजगार मिला है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, हम मंत्री जी को सुनना नहीं चाहते क्योंकि इनका नाम वोल्कर रिपोर्ट से जुड़ा हुआ है।

Mr. Speaker : Indora ji, you very well understand the parliamentary norms. Parliamentary Affairs Minister can give the reply. आप अच्छी तरह से हाउस के नार्म्स को समझते हैं प्लीज हाउस की सीरियसनैस को समझें। क्वैश्चन आवर की सीरियसनैस को समझें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी जो बोल रहे हैं इनकी कोई बात रिकॉर्ड न की जाए।

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, इस तरह से बोलना इनकी आदत है।

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : अरोड़ा जी, आप इनको हरी घास वाली मिसाल सुना दें। डॉ० साहब, आप लोगों ने शायद अरोड़ा जी की मिसाल सुनी नहीं है।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, ****

Mr. Speaker: Please take your seat. Nothing to be recorded.

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जो इन्होंने एस.ई.जैड.की लिस्ट दी है। इन सभी के अभी प्रपोजल्स आए हैं। अभी तक 24 के प्रपोजल्स आए हैं। इसके बारे में मैं मंत्री जी से क्लैरिफिकेशन चाहूँगा कि इनकी लोकेशन कहां पर होंगी, इन सभी को ये साईट मिलेंगी या नहीं क्योंकि सरकार ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है? कुछ इसके बारे में नार्म्स भी सरकार बनाएगी। ऐसा तो नहीं है कि जो भी एप्लाई करेगा उसको ये साईट मिल जाएगी। इनमें ज्यादातर ने गुड़गांव के लिए ही रिक्वैस्ट की है। इस प्रकार से तो गुड़गांव में इतना ज्यादा विस्तार हो जाएगा कि वहां पर एक इंच भी जमीन खेती के लायक और किसी और बात के लिए नहीं रहेगी। मैं मंत्री जी से यह आश्वासन चाहता हूँ कि क्या सरकार इस बारे विचार करेगी कि बैकवर्ड एरिया में इन एस.ई.जैड. की लोकेशन की जाए ताकि वहां पर भी इण्डस्ट्रीज लग सकें और वहां के लोगों को रोजगार मिल सके। दूसरा, मैं सरकार से यह आश्वासन चाहूँगा कि उस एरिया में बसने वाले जिन लोगों की जमीनें, मकान, घर एस.ई.जैड. में चले जाएंगे क्या उन लोगों को इन एस.ई.जैड. में नौकरियों में रिजर्वेशन दी जाएगी? बहुत सी बातें इस बारे में डिसकस हो चुकी हैं, सरकार जब इस बारे में नीति बनाएगी तो क्या उसमें इन बातों का प्रावधान करेगी?

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय साथी ने जो बात कही है कि स्पैशल इकोनोमिक जोन के लिए जिन लोगों की जमीन एक्वायर की जाएगी क्या उनको बसाने के लिए सरकार कोई कोशिश करेगी। मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि सरकार इसके लिए प्लानिंग कर रही है, किसी को भी उजाड़ा नहीं जाएगा। जहां तक मेरे साथी ने बैकवर्ड या एडवांस एरिया में एस.ई.जैड. लगाने के बारे में सवाल किया है तो इसके बारे में मैं इनको बताना चाहूँगा कि जहां भी जमीन एवेलेबल होगी वहां ये एस.ई.जैड. स्थापित किए जाएंगे।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से, मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने जो यह लिस्ट दी है ये सारे के सारे बड़े-बड़े ईस्टेट डिवैल्पर्स हैं। जाहिर है कि ये प्रोफिट के लिए ही पंचकूला और गुड़गांव में जाना चाहेंगे क्योंकि वहां वैल्यू बहुत ज्यादा है। इसलिए मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या कोई ऐसे प्रावधान इस एस.ई.जैड. में किए जाएंगे कि इनको लाईसैंस देने के बाद ये स्वयं किसानों से जमीन खरीदें और जो प्रोफिट इनको मिलेगा उसका शेयर उन किसानों को भी मिले जिनकी जमीन ली जाएगी और क्या उनके बच्चों को नौकरियां दिलाने का प्रावधान भी किया जाएगा? मेरी नॉलेज के हिसाब से जितनी भी इण्डस्ट्रीज गुड़गांव में हैं they shy away employing people from Gurgaon.

श्री लछमण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ये उद्योग जहां भी लगेंगे बड़े-बड़े उद्योग

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

होंगे। इसमें पहली शर्त उनके साथ यह है कि डोमीसाईल हरियाणा के लोगों का होगा और मैक्सीमम जोब्स हरियाणा के लोगों को ही दी जाएंगी। जहां तक बड़े आदमियों की बात है, बड़े उद्योग तो बड़े पैसे वाले ही लगाएंगे आम आदमी कहां से लगाएंगे।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, यह जो सवाल कर्ण सिंह जी ने उठाया है इस पर काफी सदस्यों ने सवाल किए हैं। इसमें दो मुद्दे सामने उभर कर आए हैं। एक तो इण्डस्ट्रीज की बात कही गई है। मैं बताना चाहूँगा कि कोई भी मल्टी प्रोजैक्ट एस.ई.जैड. पास होता है तो उसमें 30 प्रतिशत इण्डस्ट्रीज लगाना अनिवार्य होता है। इसमें कॉमर्स मिनिस्ट्री से क्लीयरैंस लेनी होती है और दूसरी सभी सुविधाएं कॉमर्स मिनिस्ट्री की तरफ से दी जाती हैं चाहे इन्कम टैक्स की सुविधा हो, चाहे एक्साईज की सुविधा हो। जो बातें मान साहब और शमशेर सिंह जी ने कहीं हैं कि एस.ई.जैड. के लिए जमीन का सवाल है, जो बहुत सारी एप्लीकेशंज अब तक हमारे पास आई हैं वे स्वयं अपनी जमीन परपोज करेंगे और अपनी जमीन खरीदेंगे। हरियाणा सरकार तो फैसिलीटेटर होगी ताकि हमारे प्रदेश का विकास हो और जो अनस्किल्ड लेबर लगेगी उसकी नीति हम निर्धारित कर रहे हैं। सरकार विचार कर रही है कि इसकी हम प्रतिशतता फिक्स करें कि मिनिमम इतने कर्मचारी इन इण्डस्ट्रीज में हरियाणा प्रदेश से जरूर लगेंगे।

Releasing of Electricity Connections to Tubewells

***440. Shri Dharam Pal Singh Malik :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) The total number of electricity connections for tubewells released to the farmers of Sonepat district during the period from 2001 to 2005;

(b) The total number of applications for tubewells connections lying pending in the said district at present togetherwith the time by which the said connections are likely to be released to the applicants ?

Power Minister (Shri Vinod Kumar Sharma) :

(a) 2052 Nos. tubewell connections were released to the farmers of Sonepat District during the year 2001 to 2005.

(b) As on 28.2.06, 3856 consumers have applied for tubewell connections in the District. Out of these, 142 applications are pending who have deposited the full amount. These connections will be released within two months.

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बताना चाहूँगा कि इस सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी बिल्कुल नहीं है कनैक्शन देने के लिए ऑर्डर तो हो जाते हैं लेकिन

बिजली विभाग के अधिकारी किसानों से चक्कर कटवाते रहते हैं। इसलिए मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूँ कि जिस दिन कनैक्शन रिलीज करने के ऑर्डर होते हैं उसके कितने समय के बाद मौके पर जाकर उन ऑर्डर्ज की इम्पलीमैंटेशन होनी चाहिए। क्या इसके लिए कोई स्पैसीफिक टाईम फिक्स किया गया है। इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि जिस तरह से सरकारी राशन की दुकान पर बाहर बोर्ड पर लिखा होता है कि कौन-कौन सा राशन अवेलेबल है उसी तरह बिजली विभाग में भी होना चाहिए कि ये-2 सामान एवेलेबल है। लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी तो हमेशा कहते रहते हैं कि हमारे पास सामान उपलब्ध नहीं है। इसलिए कनैक्शन कहां से दें। अध्यक्ष महोदय, ऑर्डरर्ज तो कर दिए जाते हैं कि कनैक्शन दे दो मैटीरियल है या नहीं वे उसकी परवाह नहीं करते और कह देते हैं कि मैटीरियल नहीं है। जब उनकी सेवा पानी कर दी जाती है तो सारा मैटीरियल उपलब्ध हो जाता है वरना बहुत बार वे यह कह देते हैं कि मैटीरियल बाजार से लाईये। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि मंत्री जी इस बात का जवाब दें कि क्या वे इस पर सोच विचार करने जा रहे हैं कि हर दफ्तर में बाकायदा ढंग से यह डिस्पले किया जाए कि आज दफ्तर में कितना मैटीरियल है? जैसे कि राशन की दुकानों पर राशन कार्ड धारकों के लिए स्टॉक डिस्पले होता है, क्या वैसे ही प्रतिदिन की सिचुऐशन डिस्पले की जाएगी?

श्री विनोद कुमार शर्मा : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जो पूछा है इसका मतलब यह है कि ट्रांसपेरेंसी नहीं है। अगर किसी जगह पर उनके नोटिस में ऐसी कोई बात आती है अथवा किसी अधिकारी के खिलाफ यह समझते हैं कि ऐसा कुछ मामला है तो उसके बारे में बताएं। अगर इस प्रकार की कोई शिकायत की जाएगी तो उसकी हम इन्वैस्टीगेशन करवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने दूसरा सवाल पूछा है कि कुछ लोगों को पैसे देने के बावजूद बिजली का कनैक्शन नहीं मिलता है। इसका एक सिस्टम है और 20 हजार रुपये एक कनैक्शन के लिए भरने पड़ते हैं, टैस्ट रिपोर्ट देनी पड़ती है और दूरी को देखते हुए उसके बाद सात हजार रुपये एक स्पैन के लिए भरने पड़ते हैं। इतनी फारमैलिटीज पूरी कर देते हैं तो उसके बाद कनैक्शन दिया जाता है। बशर्ते कि वहां पर सारा सामान उपलब्ध हो। अध्यक्ष महोदय, कभी दिक्कत भी आ जाती है, कभी ट्रांसफार्मर नहीं है और कभी और कोई दिक्कत आ जाती है कि हाई टैंशन वायरज नहीं हैं या कण्डक्टरज नहीं है। माननीय साथी ने जो सुझाव रखा है कि वहां पर डिपो होल्डर के पास राशन कार्ड की तरह स्टोर में जो-जो सामान पड़ा है उसको डिस्पले किया जाए तो हम इसको दिखवा लेंगे लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहूँगा कि यह इतना आसान नहीं है। पूरे हरियाणा में सर्कल्ज के हिसाब से सामान होता है किसी पर्टीकुलर एक ही जगह पर सारा सामान नहीं रखा जाता है। एक-एक जिले में एक-एक सर्कल है कई जगहों पर दो-दो जिलों का एक सर्कल भी होता है। कई-कई जगहों पर सामान पड़ा रहता है, कितने गोडाउन्ज हैं इन सबकी डिटेल डिस्पले करना थोड़ा सम्भव प्रतीत नहीं होता। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की इस बात से मैं सहमत हूँ लेकिन अगर कहीं से कोई स्पैसिफिक शिकायत मिली है तो उसके बारे में हमें बताएं हम उसकी इन्वैस्टीगेशन करवाएंगे।

चौ० धर्म पाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मेरी दूसरी सप्लीमैंटरी का माननीय मंत्री जी ने जो जवाब दिया है मैं उनके जवाब से सैटिस्फाईड नहीं हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि बहुत

[चौ० धर्म पाल सिंह मलिक]

सारे दफ्तर हैं। एक-एक शहर में 20-20 राशन की दुकानें होती हैं और राशन कार्ड धारकों के लिए दुकानों पर स्टॉक डिस्पले होता है, गेहूं के एक-एक दाने का हिसाब होता है। यह मैटीरियल कोई छोटी-छोटी चीजें नहीं हैं इनकी बाकायदा डिस्पले होनी चाहिए। यह आम लोगों और किसानों के इन्ट्रस्ट में है और इसमें करप्शन की किसी भी तरह की भी गुंजाईश नहीं रहेगी और कोई भी अधिकारी इसमें कोई गड़बड़ी नहीं कर सकेगा। एस०डी०ओ० ऑफिस के स्टॉक को रोजाना डिस्पले करें रोजाना उनको बताया जाए कि आज कितना सामान स्टॉक में है। स्पीकर सर, 28.2.2006 तक जो कनैक्शन पैंडिंग हैं 3856 उस में से केवल 142 लोगों को कनैक्शन्ज रिलीज किए गए हैं, यह कनैक्शन्ज भी दो महीने के अन्दर दिए हैं। मैं माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि इसके लिए क्या क्राईटेरिया है, फस्ट कम फस्ट सर्व बेसिस पर कनैक्शन्ज रिलीज करते हैं या कोई और क्राईटेरिया है अथवा मैटीरियल की उपलब्धता का आधार होता है? क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जो कनैक्शन बाकी रह गए हैं वे कितने दिन के अन्दर दे देंगे?

Shri Vinod Kumar Sharma : Sir, mimber of applicants who have deposited Rs. 2000/- as initial amount as on 28th February, 2006 are 3,124. Total number of applicants who deposited full amount to release tubewell connections as on 28th February, 2006 are 2401. Connections released as on 28th February, 2006 since October, 2001 are 2259. Tubewell connections pending against full amount as on 28th February, 2006 are 142. इससे यह बड़ा क्लीयर है कि जिन लोगों ने पैसे पूरे जमा करवा दिए हैं उनमें से सिर्फ 142 लोगों के कनैक्शन रहते हैं क्योंकि 2401 में से 2259 को कनैक्शन्ज रिलीज कर दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का यह कहना है कि कनैक्शन्ज नहीं मिले इससे मेल नहीं खाता है। माननीय सदस्य ने फिर कहा है कि एस०डी०ओ० के दफ्तर में इस बात का पता होना चाहिए कि स्टॉक में क्या मैटीरियल है इसके बारे में मैं इनको यह बताना चाहता हूँ कि मैटीरियल इन्टरचेंजेबल है और एस०डी०ओ० का सिर्फ अपना मैटीरियल नहीं होता। एस.डी.ओ. के दफ्तर में जितना भी मैटीरियल पड़ा है कोई भी मैटीरियल वहां से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। किसी पर्टिकुलर ऐरिया में ट्रांसफारमर की कमी है और किसी दूसरे एस.डी.ओ. के ऐरिया में ट्रांसफारमर हो और वहां पर स्पेयर हो तो वह ट्रांसफारमर दूसरी जगह मंगवा सकते हैं और वहां पर लगवा सकते हैं। हम यह मानकर नहीं चल सकते कि किसी एस.डी.ओ. हैडक्वार्टर पर जो मैटीरियल होगा वह उसी के ऐरिया में लगा सकते हैं। प्रदेश में कहीं पर भी मैटीरियल की जरूरत हो और दूसरी जगह पर अगर वह फालतू है तो उसको दूसरी जगह पर लगाया जा सकता है

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि इन्होंने जो कंडीशन ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन के बारे में बताई है कि 20 हजार रुपये सिक्योरिटी के और साढ़े 7 हजार रुपये पर पोल के हिसाब से लिए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, आज किसानों की अर्थ व्यवस्था ठीक नहीं है। बहुत ही कम किसान हैं जो इतनी अमाउंट का बोझ उठा सकते

हैं। क्या सरकार के पास इस बारे में ऐसी कोई प्रपोजल है कि इस सिक्योरिटी और फीस को कम करेंगे?

श्री विनोद कुमार शर्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी ऐसी कोई प्रपोजल नहीं है।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में विचार करने की बहुत जरूरत है। आज डीजल के रेट इतने ज्यादा हो गए हैं जिसको किसान अफोर्ड नहीं कर पा रहा है। इसलिए सरकार को और मंत्री जी को इस बारे में विचार करना चाहिए।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। पिछले दिनों में जो 1600 करोड़ रुपये किसानों और गरीबों के बिजली के बकाया बिलों के माफ किए गए हैं, वह इतिहास में किसी भी सरकार ने नहीं किया है। यह सब किसानों के हक के लिए किया गया है। आने वाले समय में भी किसानों के हित के लिए जो भी फैसला होगा हम उस बारे में चर्चा करेंगे।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई शक नहीं है कि किसानों और गरीब आदमियों के 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बकाया बिल इस सरकार ने माफ किए हैं यह एक ऐतिहासिक फैसला है। लेकिन मैंने जो ट्यूबवैल कनैक्शन, पोल्ज के बारे में बात करी है वह बहुत ही जरूरी है। आज गरीब किसान को कनैक्शन देना बहुत ही जरूरी है ताकि वह खेती कर सके।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह इनका सुझाव है और हम इस पर गौर करेंगे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यही सवाल पूछना चाहता हूँ जो कि आनन्द सिंह डांगी जी ने पूछा है। मंत्री जी ने यह बताया कि ओम प्रकाश चौटाला के राज में 20 हजार रुपये की सिक्योरिटी और साढ़े 7 हजार रुपये पोल के लिए जमा करने के लिए कहा गया था। मैंने इस बारे में पता किया है और उस बारे में हिसाब किताब लगाया है कि पोल के लिए जो साढ़े सात हजार रुपये वसूल किए जाते हैं वह बहुत ज्यादा हैं। अध्यक्ष महोदय, एक पोल 900 रुपये का आता है और जो एक खम्बे से दूसरे खम्बे के बीच में कंडक्टर लगते हैं वे मीटर के हिसाब से लगते हैं। वह भी 17 रुपये पर मीटर के रेट से मिलता है। इसको टोटल करें तो 3 हजार रुपये के करीब का खर्चा आता है। इसलिए मेरा निवेदन है कि आप किसानों से उसके लिए साढ़े तीन हजार रुपये वसूल करें तो ठीक रहेगा। इसके अलावा जो 20 हजार रुपये की सिक्योरिटी ली जाती है उसके बारे में कहीं कुछ मैंशन नहीं है कि वह सिक्योरिटी किस लिए ली जाती है। इस बारे में हम अंदाजा लगा सकते हैं कि वह ट्रांसफार्मर के लिए ही ली जाती होगी। क्या मंत्री जी साढ़े सात हजार रुपये जो पोल के लिए लिए जाते हैं उसको साढ़े तीन हजार रुपये करने के बारे में विचार करेंगे?

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य जी को यह कहना चाहता हूँ कि कंडक्टर्ज के रेट वैरी करते रहते हैं और उनकी कीमतें बढ़ती रहती हैं। पिछले एक साल में कंडक्टर्ज के रेट इंक्रीज हुए हैं। इस बारे में मैंने पहले भी कहा है और जो सुझाव आनन्द सिंह डांगी जी ने भी दिया उस पर गौर करेंगे।

चौ० अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूँगा और मलिक साहब ने जो भी अपनी बात रखी है कि जिन्होंने सिक्योरिटी जमा करवा रखी है उनको न तो वह सिक्योरिटी वापिस मिली है और न ही उनको कनैक्शन मिला है। क्या मंत्री जी उन लोगों को जिन्होंने सिक्योरिटी जमा करवाई हुई है जल्द से जल्द खम्बे लगाकर उनको कनैक्शन देने का प्रावधान करेंगे? सालों साल हो गए और पैसे भी भर दिए लेकिन उनके कनैक्शन नहीं लगे। जब इस बारे में एस.डी.ओ. के पास जाते हैं तो उनका कहना होता है कि उनके पास सामान नहीं है। स्पीकर साहब, जो पैसा देते हैं उनका कनैक्शन लगा देते हैं और जो पैसा नहीं देते हैं उनका कनैक्शन नहीं लगाते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछिए।

चौ० अर्जन सिंह : स्पीकर सर, मेरा सवाल यह है कि जिन लोगों के पास पैसा नहीं है क्या उनको भी बिजली के कनैक्शन दिए जाएंगे? जैसे सरकार ने गरीब आदमी के बिजली के बिल्ज में माफी दी है तो क्या यह माफी केवल घरों के बिजली के बिल्ज के लिए है या जो ट्यूबवैल्ज हैं उनके बिलों के लिए भी है—अगर घरों के लिए भी है तो स्पीकर साहब, आप हमारे घरों की इंक्वायरी करवा लें। एस.डी.ओ. ने एक घर के लिए भी गौर नहीं की है।

श्री अध्यक्ष : अर्जन सिंह जी, आप इसके लिए सैपरेट क्वैश्चन देकर पूछ लें।

Setting up of Gas Based Power Plant

*398. **Shri Naresh Yadav :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Gas Based Power Plant or any other kind of power plant in district Mahendergarh ; and

(b) whether there is any specific scheme under consideration of the Government for providing the adequate power in the said district in case of not commissioning of the above said power plant; if so, the details thereof ?

Power Minister (Shri Vinod Kumar Sharma) :

(a) No, Sir.

(b) The State Govt. is taking concrete steps to add sufficient power generation capacity during the 11th Plan period. The setting up of these new power plants shall improve the power situation in Haryana including Mahendergarh Distt.

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने प्रश्न के उत्तर में जवाब दे दिया ''नो सर''। सरकार तो पहले ही मान रही है कि पानी की सप्लाई में अभी टाईम लगेगा।

Mr. Speaker : Ask your specific supplementary.

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष जी, मेरा मंत्री जी से क्वैश्चन यही है कि अभी जैसे गैस बेस्ड पावर प्लांट तो बनने से रुक गए हैं इसलिए कोयले पर आधारित पावर जैनरेशन प्लांट्स हरियाणा में कई जगह पर लगाए जा रहे हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या कोई पावर जैनरेशन प्लांट डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ़ में जहां पर पानी की सबसे ज्यादा किल्लत है, लगाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री अध्यक्ष : यादव जी, इसका जवाब तो पहले ही दे दिया गया है कि नो कंसीड्रेशन।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष जी, अगर कोई प्राइवेट पार्टी हम इस काम के लिए तैयार कर लें तो क्या मुख्यमंत्री जी उसको इजाजत देंगे?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने सवाल उठाया है मैं इनको बताना चाहूँगा कि अभी सरकार पालीगोठड़ा में थर्मल पावर प्लांट लगाने पर विचार कर रही है।

Number of Model Schools in the State

***452 Dr. Sushil Indora :** Will the Minister for Education be pleased to state the number of Model Schools opened during the current financial year 2005-06 togethewith the number of Model Schools which are functioning smoothly ?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana) : There is one Model School running in the State of Haryana i.e. Govt. Model Senior Secondary School (Sarthak) Sector 12 A, Panchkula. So far as the opening of the Model Schools in the current financial year 2005-06 is concerned, the matter is under active consideration with the Govt. and the same will be finalized before 31.03.2006.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, पिछले बजट में सरकार की एक कमिटमैंट थी कि हम 18 मॉडल स्कूल एक साल में खोलेंगे। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या ये मॉडल स्कूल नए होंगे या किसी डिस्ट्रिक्ट स्कूल को अपग्रेड करके उसको फैसेलिटीज देकर मॉडल स्कूल का नाम दे दिया जाएगा?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, 18 नहीं बल्कि हमारे जिले बीस हैं और हर जिले में एक मॉडल स्कूल खोलेंगे तथा इसका क्राईटेरिया यह होगा कि या तो ऐसे स्कूल हों जिनमें इन्फ्रास्ट्रक्चर बहुत अच्छा हो या जो स्कूल नया बना हो या जो हुडा द्वारा अभी बनाए गए हों या दूसरे 10+2 स्कूल ऐसे हों जिनका इन्फ्रास्ट्रक्चर अच्छा हो ताकि जो पैसा 50 लाख रुपये दिया जा रहा है उससे उस स्कूल को इतना अच्छा बना दिया जाए कि वह मॉडल स्कूल बन जाए।

डॉ० सुशील कुमार इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं सैकिण्ड सप्लीमैंटरी पूछना चाहता हूँ। मैं शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि इस बजट के प्लान एक्सपैंडीचर के प्रोविजन में

[डॉ० सुशील कुमार इन्दौरा]
यह जिक्र आया था कि सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल की स्थापना की जा रही है। क्या वे सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल इन मॉडल स्कूल जैसे होंगे या इनसे अलग हटकर होंगे और क्या ये सरकार द्वारा बनाए जाएंगे या किसी प्राइवेट एजेन्सी के द्वारा बनाए जाएंगे या कोई रजिस्टर्ड सोसायटी इनको बनाएगी? मंत्री जी यह भी बताएं कि उनका अनुमानित खर्चा क्या होगा?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल का तो बजट में कोई प्रावधान नहीं है, हाँ सांस्कृतिक एकैडमी का प्रावधान जरूर है।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहती हूँ कि पिछले बजट में हर जिले में जो मॉडल स्कूल बनाने का प्रावधान किया गया था वह स्कूल जिले के किस हिस्से में दिया जाएगा और उसके लिए क्या क्राईटेरिया फिक्स किया गया है? उस समय मेरे हल्के कलायत के गाँव बाता के लिए भी एक मॉडल स्कूल खोलने को कहा गया था। उसके बारे में पंचायत की रिक्वैस्ट माननीय मंत्री जी को भेज दी गई थी। मैं पूछना चाहती हूँ कि क्या वहां पर मॉडल स्कूल बनाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने पहले मॉडल स्कूल खोलने के क्राईटेरिया के बारे में बताया कि या तो हुडा जैसी संस्था ने किसी जगह नया स्कूल बनाया हो, या किसी 10+2 स्कूल में ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर हो कि वहां पर यह मॉडल स्कूल खोले जा सकें। अगर ऐसा होगा तो उस स्कूल को हम और ऐडिशनल फण्ड देंगे ताकि वहां पर एक अच्छा मॉडल स्कूल बनाया जा सके। यह स्कूल जिले के ऐसे स्थान पर ही होगा जिसकी हवा सारे जिले में ये मैसेज लेकर जाए कि सरकार ने जो मॉडल स्कूल खोला है वह ऐसा मॉडल स्कूल है जो दूसरे प्राईवेट स्कूलों से कहीं बेहतर है। इन्होंने गाँव बाता में स्कूल खोलने के बारे में पूछा है उसके बारे मामला सरकार के विचाराधीन है।

श्री खैराती लाल शर्मा : पिछले बजट में दो करोड़ अस्सी लाख रुपये 20 मॉडल स्कूलों के लिए रखे गए थे। उस समय डिटेल दी गई थी और कहा गया था कि यह बजट हर मॉडल स्कूल के लिए और वहां पर प्रयोग होने वाले कम्प्यूट्राईजेशन के लिए और फर्नीचर के लिए काफी है। लेकिन इसके बाद बजट में डिटेल यह आई कि यह खर्चा कम है और इसको सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल नाम से चेंज कर दिया गया है। मंत्री महोदय बताएं कि क्या इन दोनों स्कूलों में कोई फर्क है? जो खर्चा पहले कम रखा गया और अब ज्यादा रखा गया है उसमें क्या फर्क है?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई फर्क नहीं है they are the same and there is no difference between Model and Sanskritik Schools. And it is also true that 2 करोड़ 80 लाख रुपये पिछले बजट में इन स्कूलों के लिए रखा गया था उस समय 10 लाख रुपये प्रति स्कूल खर्च करने का प्रावधान रखा गया था। उसके बाद सरकार ने यह निर्णय किया कि दस लाख रुपये कम हैं। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि हम इन स्कूलों के लिए 50 लाख रुपये प्रति स्कूल को देंगे to develop Physics

Laboratory, Chemistry Laboratory, Biological Laboratory, Math Laboratory, i.e. a new concept of Geography Laboratory, Functional English Lab., Computer Lab., Libray, Counselling Corner, Sports Activities, Teaching and Learning Environment, Extracurricular activities, upgradation of staff room, providing of audio-visual equipment, multi-media equipments, providing solar parks and solar power set-up, additional rooms. If required, repair and maintenance of the school building, electrification, drinking water facilities, school stationery such as student diaries, identity cards, provisions of furniture, connectivity of internet and other miscellaneous expenditure will also be met out with this amount. इन सभी के लिए हम 50 लाख रुपये प्रति स्कूल पर खर्च करेंगे।

प्रो० छत्तरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री महोदय ने अभी कहा कि हम मॉडल स्कूल ऐसी जगह पर बनाना चाहते हैं जिससे यह फिज़ा फैले की पूरे जिले के अंदर प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले एक अच्छा स्कूल सरकार ने बनवाया है। क्या माननीय शिक्षा मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह फिज़ा खराब होने के क्या कारण हैं और क्या इस माहौल का ठीक करने के लिए सरकार हर जिले में मॉडल स्कूल बनवा रही है। इसके अतिरिक्त मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार सभी स्कूलों को अच्छा स्कूल बनाने के लिए कोई विचार कर रही है।

श्री फूलचंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, बहुत अहम् सवाल प्रो० छत्तरपाल सिंह जी ने उठाया है। मैं इनको बताना चाहूँगा कि पिछले सात साल के दौरान पिछली सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र को टोटली डैमोलिश कर दिया था। हर सरकारी स्कूल में स्टॉफ की कमी थी, किसी भी स्कूल में पढ़ाई का ठीक माहौल नहीं था। पिछली सरकार के ऐसे-ऐसे केस सामने आ रहे हैं कि उन्होंने बहुत से अध्यापकों का करैक्टर वैरीफिकेशन नहीं करवाया। यही कारण है कि पिछले सात सालों के दौरान सरकारी स्कूलों की बहुत फिज़ा खराब हुई है। अध्यक्ष महोदय, अब हुड्डा साहब की सरकार ने सोचा है कि शिक्षा एक अहम् क्षेत्र है और हमारे जो स्कूल और कॉलेज हैं उनमें शिक्षा का सुधार करना है। हर जिले में एक-एक मॉडल स्कूल इसलिए चुना है ताकि लोगों को पता चले कि हमारी सरकार प्राईवेट स्कूलों से बेहतर शिक्षा देना चाहती है।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, भिवानी एजूकेशन बोर्ड के प्रीमिसिज में स्कूल के लिए बहुत सुंदर बिल्डिंग बनाई गई है। लेकिन वहां पर स्कूल अभी तक शुरू नहीं हुआ है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि वहां कब तक स्कूल चालू हो जाएगा।

श्री फूल चन्द मुलाना: अध्यक्ष महोदय, मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे कि वह स्कूल चालू क्यों नहीं हुआ है।

श्री खैराती लाल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री जी ने बताया कि मॉडल स्कूल स्थापित करने का क्राइटेरिया बदला गया है। पहले सिर्फ कम्प्यूटर की ही सुविधा देनी थी अब उसके साथ-साथ दूसरी और भी सुविधाएं देनी हैं जिसके कारण समय लग रहा है। अध्यक्ष महोदय, बजट अभिभाषण में लिखा हुआ है कि दो-तीन मॉडल स्कूल बनाए गए हैं इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जो ये दो-तीन मॉडल स्कूल बनाये गये हैं क्या इनमें सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं और इन पर टोटल कितना खर्चा आया है?

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जवाब दें। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, कोई भी सदस्य सवाल पूछे विपक्ष के साथी इन्दौरा जी ऐसे ही बीच में खड़े हो जाते हैं। आप इनको बताओ कि यह विधान सभा है कोई इनकी पार्टी इण्डियन नैशनल लोकदल का पार्टी कार्यालय नहीं है।

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, हमें सवाल पूछना होगा तो हम खड़े तो होंगे ही।

श्री अध्यक्ष : आपके कौन से सवाल का जवाब नहीं आया।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी का सांस्कृतिक स्कूल से संबंधित सवाल है।

श्री अध्यक्ष : डॉक्टर साहब, आप किसकी परमीशन लेकर बोल रहे हैं। आप सीनियर पार्लियामैंटेरियन हैं। Indora ji, you are making irrelevant statements. You are a seasoned parliamentarian. Please understand the seriousness of the question hour. (Interruptions). You are making unnecessarily running commentaries. If you have relevant point, please ask the question. Don't make the irrelevant statement. (Interruptions)

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय शर्मा जी ने पूछा है कि तीन स्कूलों का फैसला हुआ है। मैं इनको बताना चाहूँगा कि मैंने अपने जवाब में कहा है कि 31 मार्च, 2006 तक निर्णय होना है अभी यह साल बकाया है।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि क्या मॉडल स्कूल और सांस्कृतिक स्कूल एक ही बात है, क्या मॉडल स्कूलों में संस्कृति नहीं सिखाई जाएगी और अगर सिखाई जाएगी तो फिर नाम बदलने का क्या औचित्य है? मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या एक मॉडल स्कूल बना कर सरकार अपना पल्ला झाड़ लेगी या दूसरे जिलों के स्कूलों में भी ऐसा कुछ किया जाएगा?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि सांस्कृतिक उत्थान भी इस सरकार का उद्देश्य है। इस बजट सत्र से आगे जो हमारा शैक्षणिक सत्र चलेगा उसमें हम प्रेयर के बाद एक जीरो पीरियड रखेंगे और उस जीरो पीरियड में सांस्कृतिक बातें भी सिखाई जाएंगी और योगा भी सिखाया जाएगा। जो मैम्बर क्लास में आना चाहें उनका भी वैल्कम होगा। अध्यक्ष महोदय, दूसरे माननीय साथी ने कहा है कि क्या सरकार एक मॉडल स्कूल बना कर अपना पल्ला झाड़ लेगी तो मैं उनको यह बताना चाहूँगा कि सरकार का ऐसा कोई प्रोग्राम नहीं है कि केवल एक ही मॉडल स्कूल बनाएंगे, हम एक मॉडल सैट करना चाहते हैं उसके बाद धीरे-धीरे और स्कूलों को भी इसमें कवर करेंगे।

Untraced Murder Cases

***379 Shri Tejendra Pal Singh Mann :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of murder lying untraced in Kaithal district at present and since when these are lying pending ; and

(b) whether any complaint has been received by the Government regarding untraced murders in village Nand Karan Majra in Kaithal district; if so, what is the present position thereof ?

Chief Minister (Sh. Bhupinder Singh Hooda) : Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The number of cases of murder lying untraced in Kaithal District at present and since when they are lying pending.

Year	No. of cases registered	Lying untraced	Still under investigation
1999	32	3	—
2000	26	4	1
2001	33	4	1
2002	26	7	—
2003	18	4	—
2004	26	—	1
2005	19	1	6

The number of cases shown untraced have been filed in the Courts as untraced.

(b) whether any complaint has been received by the Government regarding untraced murder cases of village Nand Karan Majra in Kaithal District; if so, present position thereof.

Yes, one complaint submitted by Sh. Tejendra Pal Singh Mann, MLA addressed to Hon'ble Chief Minister, Haryana was received upon which investigation of below mentioned two murder cases were re-opened and were entrusted to Crime Branch (CID).

(1) Case FIR No. 18 dated 4.3.2000 u/s 302 IPC, PS Rajaund, District Kaithal and

(2) Case FIR No. 78 dated 10.5.2001 u/s 302/201 IPC PS Rajaund district Kaithal.

Both these cases are under investigation with the Crime Branch since 19.9.2005.

वाक आउट

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के कई माननीय सदस्य खड़े होकर बोलने लगे)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, *** **** *** ***

श्री अध्यक्ष : आप सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, *************

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) यह क्वैश्चन आवर है। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी लोग चेयर की परमीशन के बिना बोल रहे हैं इसलिये आपने जो बोला है वह रिकॉर्ड नहीं किया जायेगा। Nothing to be recorded (interruptions).

डॉ० सुशील इन्दौरा: अध्यक्ष महोदय, परिवहन मंत्री का नाम बोल्कर समिति की रिपोर्ट के साथ उजागर हुआ है इसलिये हम इनका विरोध कर रहे हैं और इनको सुनना नहीं चाहते हैं (शोर एवं व्यवधान) हम पहले से ही इनका विरोध कर रहे हैं इसलिये हम अब भी हाउस से वाक आउट करते हैं। **(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के हाउस में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये)**

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : स्पीकर साहब, सदन के पटल पर जो आंकड़े आये हैं इनके लिये मैं सरकार का धन्यवाद करता हूँ लेकिन मेरी स्वयं की एक कम्पलेंट थी। नंदकरण माजरा गाँव में दो घिनौने कत्ल हुये थे और यह पिछली सरकार के वक्त का प्रचलन था। उसी गाँव के विधायक उस वक्त के पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी थे और उन्होंने उसी गाँव में चार घिनौने कत्ल करवाये थे जिनमें से दो कत्लों को आत्महत्या की संज्ञा दी गई थी क्योंकि उस वक्त के पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी पावरफुल थे इसलिये उन्होंने कोई केस दर्ज नहीं होने दिया। इत्तेफाक से इन दो केसों की एफ.आई.आर. दर्ज हो गई थी। दोनों में से एक लाश पराली के अन्दर दबी हुई मिली । यह लाश उनके परिवार में से ही थी और उनका कुछ जमीन का तकाजा था। यह वारदात 2001 में हुई इसमें एक बच्चे की हत्या हुई थी जो एक गरीब अबला का इकलौता बच्चा था।

श्री अध्यक्ष : मान साहब, आप सप्लीमैंट्री पूछें (विघ्न) There is no need of background.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : उस बच्चे के कत्ल हो जाने के बाद पुलिस ने कहा कि सपेरे उसे उठा कर ले गये हैं लेकिन कुछ दिन के बाद उसकी लाश ट्रेस हो गई। वारिसों ने बड़ी कोशिश की और एफ०आई०आर० में उन्होंने नाम लिखवाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने वे नाम नहीं लिखे क्योंकि उस वक्त मन्त्री प्रशासन पर हावी था और वे ऐसा नहीं चाहते थे। अब

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

हमने एफ०आई०आर० के बाद ऐफिडैविट और ब्यान वगैरह दिए हैं। आदरणीय मुख्यमन्त्री जी की मेहरबानी से यह केस रि–ओपन हुआ है। पुलिस ने तो यह केस अनट्रेस करके कोर्ट में फाईल कर दिया था लेकिन मुख्यमन्त्री जी ने इन्टरवीन करके केस दोबारा चालू करवाया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास दरख्वास्त है जो घिनौने और इरादाबन्द कत्ल करवाए गए हैं उनमें लोग भी आईडैंटिफाई हो गए हैं। मेरे जैसे आदमी पर उस समय यू.पी. में मर्डर का केस बना कर 120 बी धारा लगाई गई थी। अध्यक्ष महोदय, धारा 120–बी लगाने की इन लोगों की आदत सी है। इसमें बाकायदा 120–बी और सारी धारा लगाने का प्रावधान करते हुए इसको जल्दी से जल्दी ट्रेस करवाने की मेहरबानी करें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र में चार कत्ल हुए हैं इस बारे में इन्होंने सदन में कहा है। अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि हरियाणा प्रान्त ने एक काला युग देखा है यहां पर अपराधियों को सरकारी संरक्षण दिया जाता था। जिस केस के बारे में माननीय सदस्य ने कहा है उसके बारे में क्राईम ब्रांच को इन्वैस्टीगेशन दे दी गई है और क्राईम ब्रांच के एस०पी० लेवल के आफिसर उस गांव में 7 मार्च को जाकर आये हैं और वे इस मामले में कार्यवाही कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हम कोशिश करेंगे कि इस केस में एक भी दोषी बचकर न जा पाए, वे दोषी किसी भी पद पर आसीन हों या किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़े हुए हों हम उनके खिलाफ जरूर कार्यवाही करेंगे।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि जहां पर यह केस हुआ है उस एरिये को कैथल का थाना नहीं लगता है, यह मामला राजौंद थाने से सम्बन्धित था और उस अबला को कैथल थाने के राक्षस थानेदार ने थाने में ले जाकर अल्फ नंगा रखा था। यह इसलिए किया था क्योंकि इस केस में उसने राम पाल माजरा का नाम लेना था वह घबरा कर उसका नाम न ले ले और उस केस को वापिस ले ले। अध्यक्ष महोदय, रिवासा कांड बहुत ही चर्चित कांड है और उसके बारे में सबको याद है लेकिन यह कांड उससे भी बड़ा है।

श्री अध्यक्ष : मान साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। इस बारे में डिटेल रिप्लाई मंत्री जी का आ चुका है।

Opening a Treasury at Behal

***410. Shri Somvir Singh :** Will the Minister for Finance be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a treasury at Behal in district Bhiwani, if so, the time limit up-to which it will be opened ?

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : जी हाँ, बहल जिला भिवानी में उप–खजाना खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। उप–खजाना खोलने से पूर्व काफी औपचारिकताएं उदाहरणतः महालेखाकार हरियाणा की नया उप–खजाना खोलने के लिए सहमति, भारतीय रिजर्व

[श्री बीरेन्द्र सिंह]
बैंक को किसी बैंक को सरकारी लेन-देन करने बारे प्राधिकृत करने बारे सहमति, उप-खजाना के लिए भवन का प्रबंध, उप-खजाना के लिये नये अमला की स्वीकृति आदि पूर्ण करनी होती हैं। बहल में उप-खजाना खोलने के लिए सभी संबंधित प्राधिकारियों की सहमति /अनुमोदन प्रदान करने हेतु पहले ही लिखा हुआ है। सभी संबंधित प्राधिकारियों से सहमति / अनुमोदन प्राप्त होने के उपरान्त बहल में तुरन्त उप-खजाना खोल दिया जायेगा। अतः इस बारे में कोई समय सीमा निर्धारण नहीं की जा सकती।

श्री सोमवीर सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ कि इन्होंने हाँ में जवाब दिया है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि इन्होंने केस को रिजर्व बैंक की अनुमति के लिए भेजा हुआ है। इसमें रिजर्व बैंक से संबंधित एक ही फारमैलिटी है, बाकी तो स्टेट गवर्नमैंट की फारमैलिटीज हैं। क्या रिजर्व बैंक को इस बारे में दोबारा कोई रिमाईंडर भेजा गया है? मंत्री जी, बहल के अंदर पंजाब नैशनल बैंक और स्टेट बैंक ऑफ पटियाला हैं। मंत्री जी यह बताएं कि आप स्टेट गवर्नमैंट की इन फारमैलिटीज को कब तक पूरा कर देंगे?

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी जी को बताना चाहूँगा कि हमें रिजर्व बैंक से अनुमति लेनी पड़ती है। वह इसलिए लेनी पड़ती है कि वहां पर जो ट्रांजैक्शन होगी वह किस बैंक के माध्यम से होगी। इसके साथ ही यह भी देखना होता है कि जिस बैंक से ट्रांजैक्शन होगी उसके पास बिल्डिंग हो, स्ट्रांग रूम हो ताकि वहां पर ट्रेज़री के पेपर्ज और टिकट्स रख सकें। अध्यक्ष महोदय, यह सारी की सारी कार्यवाही इन प्रोसैस है। मैंने इनको कहा है कि जल्दी ही सब-ट्रेजरी खोल दी जाएगी। अध्यक्ष महोदय, बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो फाइनल हो चुकी हैं और कुछ फाइनल स्टेज पर हैं।

Canal based Water Supply

***427 Shri Rakesh Kamboj :** Will the Minister for Public Health be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct canal-based water supply scheme out of Augmentation Canal and Western Jamuna Canal in the area falling in Indri Assembly Constituency, district Karnal ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :

(a) No, Sir,

(b) Not applicable.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ***** **(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन की वैल में आ गए।)**

श्री अध्यक्ष : ये जो भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकॉर्ड नहीं किया जाए। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : *********

डॉ० सीता राम : ********

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, यह कोई विधानसभा का माहौल है? इन्होंने तो विधानसभा को तमाशा ही बना दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ****** (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Kamboj Sahib, what is your supplementary ?

चौ० राकेश कम्बोज : स्पीकर सर, मेरा सवाल सिंचाई मंत्री जी से है न कि जन स्वास्थ्य मंत्री जी से।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, यह सैपरेट सवाल लिखकर सिंचाई मंत्री जी को भेज दें।

वाक आउट

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, **** (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप बैठिए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर जिनका नाम खोल्कर रिपोर्ट के संबंध में आया है, की बात सुनना नहीं चाहते हैं इसलिए हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं। **(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल लोकदल के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)**

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, सच्ची बात यह है कि इनके लीडर को मैंने तीन-तीन बार रगड़ा लगवाकर घिस्सी लगवा दी है इसलिए वह एक साल से आज तक विधान सभा में नहीं घुसे हैं। स्पीकर साहब, डॉ० साहब तो भले आदमी हैं इनका कोई कसूर नहीं है। लेकिन इनके लीडर ओम प्रकाश चौटाला बतौर मुख्यमंत्री यह कहा करते थे कि मैं तो पूरी जिन्दगी जिऊंगा और जहां पर भूपेन्द्र सिंह हुड्डा बैठे हैं उस कुर्सी पर पूरी जिंदगी बैठूँगा। अध्यक्ष महोदय, आप भी उस समय सामने की सीट पर बैठते थे। ओम प्रकाश चौटाला हिन्दुस्तान के इतिहास में पहले ऐसे मुख्यमंत्री रहे जोकि पूरी सरकार का दम्भ भरते थे लेकिन

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

उनको खुद को नाको चने चबाने पड़े। वे यह कहा करते थे कि मैं फलाने को ले बैठूँगा, फलाने को ले बैठूँगा लेकिन हरियाणा की जनता उसको ले बैठी। रणदीप सिंह सुरजेवाला से ओम प्रकाश चौटाला नहीं हारा बल्कि वह तो अपने कुकृत्यों से और काले कारनामों की वजह से हारा और उसकी सरकार भी गयी। हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि ओम प्रकाश चौटाला को बतौर मुख्यमंत्री होते हुए शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। स्पीकर साहब, मेरे से वह दो-तीन बार हार चुका है। मेरे ऊपर तो नरवाना के लोगों का आशीर्वाद है, हरियाणा की जनता का आशीर्वाद है तथा कुछ उसके कुकृत्यों और काले कारनामों की कृपा है। अध्यक्ष महोदय, इसीलिए इनको यह बात हज्म नहीं हो रही है। इनके पास हर रोज अमरीका से उसका टेलीफोन आता है कि अगर तुमने वाक आउट नहीं किया तो तुम्हारी टांगे तोड़ दी जाएंगी। जैसा कल अरोड़ा साहब ने बकरी को हरी घास खिलाने वाली बात सुनायी थी तो इनके साथ भी वही हो रहा है। वे इनसे कहते हैं कि अगर तुमने वाक आउट नहीं किया तो न केवल तुम्हें पार्टी से निकाला जाएगा बल्कि जैसे कल मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इन्हें हवाई जहाज में ले जाकर तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर पिटाई भी की जाएगी। इसलिए उस पिटाई से डरते हुए ये हाउस की कार्यवाही में व्यवधान डालते हैं।

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर कह रहे थे कि ये इसलिए डरते हैं कि इनको दोबारा हवाई जहाज में ले जाकर पिटाई करेंगे। ओम प्रकाश चौटाला तो ऐसा कंजूस आदमी है कि अगर हवाई जहाज के टिकट कोई और खरीदकर दे देगा तो ही वह इनको ले जाएगा वरना बिल्कुल भी नहीं ले जाएगा।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात इन भाइयों को और सारे सदन को सुनाना चाहता हूँ क्योंकि इस समय ओफिसर्ज भी और पत्रकार भी बैठे हैं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। स्पीकर साहब, मैंने अनुरोध किया था कि एस०सीज० और बैकवर्ड क्लासिज के भाइयों के लिए चालीस करोड़ रुपये का बजट कम है इसको ज्यादा कर दो, उसके बाद मुख्यमंत्री जी ने इस बजट को चालीस करोड़ रुपये से बढ़ाकर 80 करोड़ रुपये कर दिया। मैं मुख्यमंत्री जी को इसके लिए बधाई देता हूँ। हालांकि यह बजट भी बहुत कम है। इसके अलावा उन्होंने पांच लाख रुपये इन भाइयों को जमीन खरीदने के लिए भी दिए और पचास हजार रुपये की सबसिडी दी, मैं इसके लिए भी मुख्यमंत्री जी को फिर बधाई देता हूँ क्योंकि यह बहुत अच्छा फैसला है। लेकिन मुख्यमंत्री जी, यह बजट भी कम है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात का जवाब दे देता हूँ। वित्त मंत्री जी ने कल जवाब देते हुए कहा था कि इसको डबल तो कर दिया है फिर भी हम इस मामले में कोई भी कमी नहीं आने देंगे।

श्री राम कुमार गौतम : ठीक है, अगर आप यह पांच लाख रुपये से दस लाख रुपये कर देते और अगर आप 99 साला का इनका पट्टा कर देते और कह देते कि भाइयो आप 99 सालों में यह पैसा दे देना तो और ज्यादा अच्छा रहता। स्पीकर सर, मैं एक और महत्वपूर्ण बात हमारे इन भाइयों को सुनाना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, जब नौवीं पंचवर्षीय योजना का समय

था उस समय चौटाला साहब ने टेक ओवर किया था उस समय वेल्फेयर ऑफ शैड्यूल कास्ट्स और बैकवर्ड क्लासिज के लिए 3 करोड़ 77 लाख रुपये का बजट था और चौटाला जी ने आते ही उस बजट को घटाकर एक करोड़ रुपया कर दिया था। अगर अब ये भाई इस बारे में चिल्लाते हैं यह तो डूबकर मरने की बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक सैकिण्ड में खत्म करता हूँ। मैं तो यह कहता हूँ कि हमें तो अपने बुजुर्गों का अहसानमंद होना चाहिए जिन्होंने 20 प्रतिशत नौकरियों में एस०सीज० और एस०टीज० के लिए रिजर्वेशन कर दी हालांकि उसमें बहुत सी खामियां रह गयी थीं। मण्डल कमीशन ने 27 प्रतिशत अदर बैकवर्ड क्लासिज के लिए रिजर्वेशन किया था। हमें श्री वी०पी० सिंह का अहसानमंद होना चाहिए कि उन्होंने मण्डल कमीशन की रिपोर्टस को लागू किया। हालांकि इसमें भी कुछ तगड़ी कौम के लिए रिजर्वेशन का प्रावधान किया गया था। अगर उसमें संख्या के आधार पर रिजर्वेशन करते तो असली बैकवर्ड लोगों को इसका लाभ मिलता और माशाअल्लाह यह फैसला भी होता। इस प्रकार इस मण्डल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने के बाद कुल 53 प्रतिशत नौकरियां बच गई। यह एक रिकॉर्ड की बात है। अगर यह रिजर्वेशन नहीं होती और ओम प्रकाश चौटाला एक भी भर्ती नहीं करता तो इनका तो यह बीज ही मार देता। अगर यह रिजर्वेशन नहीं होती तो पिछले पांच साल में चौटाला साहब के समय में जो रिक्रूटमैंट हुई थी उसमें एक भी रिजर्वड कैटेगरी से भर्ती नहीं होती। यह नहीं कि वह जाटों से प्यार करता है। चौटाला जो अपंग आदमी था जाटों को ढाल बनाकर मार्शल कौम को मारकर दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति बनना चाहता था। अध्यक्ष महोदय, बाकी फिर बताऊंगा क्योंकि वे भाई सुन नहीं रहे हैं।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

चौ० राकेश कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ।

Mr. Speaker : Kamboj Sahib, what is your supplementary pertaining to Q. No. 427.

चौ० राकेश कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के इन्द्री में दो नहरें गुजरती हैं उनमें एक तो पश्चिमी यमुना नहर है और दूसरी आवर्धन। लेकिन आज तक इन नहरों में पानी डालने के लिए कोई योजना नहीं बनी है और किसी गांव को नहरी पानी देने की कोई सुविधा नहीं दी गई है। मैं आपके माध्यम से सिंचाई मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार की इन नहरों में पानी डालने की कोई योजना है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्रश्न सिंचाई मंत्री से जुड़ा हुआ है फिर भी मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगा कि वे इस विषय में लिखकर दे दें और सिंचाई मंत्री जी से मिल लें। इस समस्या को देखकर वे उनकी मदद अवश्य करेंगे।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि कलायत हल्के में जो कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम हैं जिसमें चार गांवों पिन्जपुरा,

[श्रीमती गीता भुक्कल]
बड़सीखरी, रामगढ़ और एक गांव और है, उनके लिए प्रपोजल बनी हुई है, उस स्कीम को कब तक लागू कर दिया जायेगा? इसके अलावा पिछली सरकार के दौरान जो घोटाले हुए हैं क्या उनकी भी जाँच करवायी जायेगी? जो गांवों में डिग्गियां हैं वे खण्डहर हालात में हैं जबकि उनके लिए पैसा भी आया होगा तो क्या उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जायेगी जिन्होंने इस मामले में गड़बड़ की है?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी बहन जी ने वाजिब सवाल उठाया है। हमारा विधान सभा क्षेत्र और इनका इलाका एक ही है। पहली बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली सरकार ने कलायत के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपया पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए मंजूर किया है। बाकी जो बातें माननीय सदस्या ने बताई हैं अगर उनके बारे में ये लिखकर भिजवा दें तो इसी करण्ट ईयर में उनको मंजूर कर दिया जायेगा।

श्री रणधीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में चार गांवों के लिए बूस्टिंग स्टेशन अप्रूव किए गए थे। लेकिन वह पैसा अब तक रिलीज नहीं किया गया है, मैं मंत्री महोदय से आश्वासन चाहूँगा कि वह पैसा कब तक रिलीज कर दिया जायेगा?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हालांकि माननीय सदस्य का यह सवाल मेन प्रश्न से संबंधित नहीं है। फिर भी मैं इनको आश्वस्त करना चाहूँगा कि जो मांगें माननीय सदस्य ने लिखवा कर भिजवाई थीं वे सब हमने मन्जूर कर दी हैं और जब भी स्टेट सैनीटरी बोर्ड की बैठक होगी और जब भी पैसे की उपलब्धता होगी तो इनके इलाके को प्राथमिकता के आधार पर पैसा दे दिया जायेगा।

Opening of Vocational Training Centre

***464 Shri Mahender Partap Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Vocational Training Centres of the villages of Jasana, Kheri Kalan, Mewla Maharajpur of district Faridabad had been closed ; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to re-open the above said training centres togetherwith upto what time these are likely to be re-opened ?

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) :

(a) It is a fact that Vocational Training Centres of villages of Jasana and Kheri Kalan were closed. However, it is clarified that no Vocational Training centre was ever started at Mewla Maharajpur.

(b) Vocational Education Institution in Village Kheri Kalan can be re-opened, if the Gram Panchayat fulfils the conditions meant for

opening an Institute. However, there is no proposal to re-open the Vocational Education Institute in villages of Jasana and Mewla Maharajpur.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने माना है कि पिछली सरकार के समय में जसाना व खेड़ी कलां दोनों गांवों के व्यवसायिक शिक्षण संस्थान बंद कर दिये गये थे। दूसरा मंत्री जी ने कहा है कि गांव खेड़ी कलां में व्यवसायिक शिक्षा संस्थान खोला जा सकता है यदि ग्राम पंचायत नए संस्थान खोलने की शर्तें पूरी करती हो और गांव जसाना व मेवला महाराजपुर में व्यवसायिक संस्थान खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जहां पर संस्थान के लिए पहले से ही बिल्डिंग बनी हुई है और सरकार का करोड़ों रुपया उस बिल्डिंग पर लगा हुआ है। वहां के बारे में भी मंत्री जी कह रहे हैं कि संस्थान खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है तथा खेड़ी कलां के लिए कह रहे हैं कि वहां की ग्राम पंचायत प्रस्ताव दे तब सरकार विचार करेगी। अध्यक्ष महोदय, जहां पर सरकार का करोड़ों रुपया लगा हुआ है और संस्थान पहले चल रहे थे। पिछली सरकार ने ये संस्थान जान बूझकर बंद कर दिये थे। क्या उनके लिए भी दोबारा से प्रस्ताव देने की जरूरत है। मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि ये दोनों संस्थान कब तक चालू किए जाएंगे क्योंकि इन संस्थानों के आसपास 50 गांव हैं जहां से बच्चे इन संस्थानों में पढ़ने के लिए आते हैं।

श्री लछमण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक माननीय साथी ने जसाना का सवाल किया है उसके बारे में मैं बताना चाहूँगा कि वहाँ पर पूरे एडमीशन नहीं आ रहे थे। केवल 15-20 बच्चों के एडमीशन हो रहे थे इसलिए मजबूरन सरकार को वह बंद करना पड़ा था। जहां तक खेड़ी कलां की बात है वहां भी एडमीशन कम थे जिसके कारण वह भी बंद करना पड़ा।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उस विषय में मैं ज्यादा नहीं कहना चाहता। ये दोनों संस्थान पिछली सरकार के दौरान जान बूझकर बंद किए गए थे। जहां लाखों करोड़ों रुपये बिल्डिंग पर लगे हुए हैं वहाँ एडमीशन की कोई कमी नहीं है। उन एरियाज में तकरीबन 50 मिडल और हाई स्कूल हैं। मैं समझता हूँ कि वहां एडमीशन की कोई कमी नहीं थी। खेड़ी कलां में क्लासें चली भी थी और वहां के लोगों ने जमीन दी हुई है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा भी की थी कि इन दोनों संस्थानों को चालू कर दिया जायेगा इसलिए मैं मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहता हूँ कि कृपा करके ये संस्थान इस सत्र में चालू किए जायें।

श्री लछमण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी खेड़ी कलां के लिए घोषणा करके आये हैं और उसका प्रोसैस जारी है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री दोनों जगह की घोषणा करके आये हैं।

श्री लछमण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, ठीक है। हम इन दोनों संस्थानों के बारे में ही एग्जामिन करवा लेंगे।

श्री अध्यक्ष : Question hour is over.

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Inclusion of Chandnagar in Municipal Committee.

***465 Sh. Bupinder Chaudhary :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to include village Chandnagar of Farukhnagar Block in the Municipal Committee because at present this village is neither in Municipal Committee limit nor in Panchayat jurisdiction ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्रीमती सवित्री जिंदल) :

(क) हाँ, श्रीमान जी।

(ख) नगरपालिका, फर्रूखनगर के पुनर्गठन की अधिसूचना विचाराधीन है। यह अधिसूचना एक मास के अन्दर जारी होने की सम्भावना है।

Pardon of Convicted Persons

***349 Sh. Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the names and addresses of the convicted persons in the State of Haryana who have been pardoned by the State Government during the years from April, 2000 to till date ; and

(b) the offences under which the persons referred to in part (a) above were convicted by the competent courts and the quantum of sentence awarded to them ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) :

(क) अप्रैल, 2000 से अब तक के वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा माफ किए गए '9' सिद्धदोषियों के नामों तथा पतों का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है (पताका-क)।

(ख) अपराध जिनके अधीन उपरोक्त भाग (क) में निर्दिष्ट सिद्धदोषियों को सिद्धदोष किया गया था तथा उनको दी गई सजा का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है (पताका-ख)।

पताका - क

"9" सिद्धदोष व्यक्तियों के नाम तथा पते

क्र०सं०	बन्दी का नाम/पिता का नाम	पता
1.	हिम्मत सिंह पुत्र भाग सिंह	गांव कान्हा खेड़ा, थाना नरवाना, जिला जींद
2.	मिट्ठू पुत्र मुकन्द सिंह	गांव थिराज, थाना रोड़ी, जिला सिरसा
3.	निर्मल उर्फ मनवीर पुत्र रुलिया राम	गांव बुढ़ाखेड़ा, थाना सफीदों, जिला जींद
4.	महेन्द्र पुत्र चौथू	गांव इन्द्रा नगर, फतेहाबाद, थाना सदन फतेहाबाद, जिला फतेहाबाद
5.	सतीश पुत्र रामजी दास	गांव उकलाना मण्डी, थाना उकलाना मण्डी, जिला हिसार
6.	करनैल पुत्र हीरा सिंह	गांव दाता सिंह वाला, थाना गढ़ी, जिला जींद
7.	सर्वजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह	गांव नकोरोल, थाना रानियाँ, जिला सिरसा
8.	श्रीयांश कुमार जैन पुत्र रामचन्द्र	मकान नं. 57/17, नजदीक आदर्श थियेटर, हाँसी, थाना शहर हाँसी, जिला हिसार
9.	रामनाथ भूमला पुत्र साहब दयाल	गांव सूरापुर, थाना कैथगढ़, जिला नवांशहर (पंजाब)

पताका - ख

अपराध जिसके तहत सिद्धदोष व्यक्तियों को सक्षम न्यायालय द्वारा दी गई सजा

क्रम संख्या	बन्दी का नाम/पिता का नाम	धारा जिसके अन्तर्गत सजा दी गई	कुल सजा
1.	हिम्मत सिंह पुत्र भाग सिंह	326/34, भा०द०स०	5 साल
2.	मिट्ठू पुत्र मुकन्द सिंह	302/34, भा०द०स०	आजीवन कारावास
3.	निर्मल उर्फ मनवीर पुत्र रुलिया राम	302/307, भा०द०स०	आजीवन कारावास
4.	महेन्द्र पुत्र चौथू	302, भा०द०स०	आजीवन कारावास
5.	सतीश पुत्र रामजी दास	302, भा०द०स०	आजीवन कारावास
6.	करनैल पुत्र हीरा सिंह	302, भा०द०स०	आजीवन कारावास
7.	सर्वजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह	304-बी/498, भा०द०स०	आजीवन कारावास
8.	श्रीयांश कुमार जैन पुत्र रामचन्द्र	302/392, भा०द०स०	आजीवन कारावास
9.	रामनाथ भूमला पुत्र साहब दयाल	302/392, भा०द०स०	आजीवन कारावास

———

Setting up of Industries in State

***365. Shri Dharam Pal Singh Malik :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether some proposals for setting up of industries been received by State Government from some noted industrialists of the country and NRIs ; and

(b) if so, what are the details thereof ?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा) : सूचना सदन के पटल पर रखी गई है।

सूचना

(क) जी हाँ, श्रीमान! राज्य सरकार को काफी मात्रा में प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

(ख) ब्यौरा नीचे उपलब्ध है :—

प्रमुख प्रोजैक्टस / उद्योगों का ब्यौरा

(अ) 30 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत के प्रतिष्ठित प्रोजैक्ट

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
1.	मै० एशियन कलर कोटिड इस्पात लि० जी०सी० बावल	वाइडर साइज कोलड रोलड स्टरिपज, कायलज गैलवीनाइजिंग लाइन व कलर कोटिड लाइन	13126.00
2.	मै० टेलबरोज आटोमोटिव कम्पोनैन्टस लि० जह०सी० बावल	स्टील फारजिंग प्लांट	3370.00
3.	मै० मितसुई माईनिंग व स्मैल्टिंग को लि०ए०जी०सी० बावल	कैटेलाइसट फार एक्सहास्ट गैस	1991.00
4.	मै० लिबरटी ग्रुप आफ कम्पनीज, जी०सी० बावल	औटोमोटिव कम्पोनैन्टस	4000.00
5.	मै० लास एंजल्स कैंडी लि०जी०सी० बावल	स्टेट आफ आर्ट, वर्ड क्लास फुली आटोमैटिक जरमन बिल्ट कैंडी प्लांट	5225.00
6.	मै० ग्रोइंदी इन्जी० वर्कस, जी०सी० बावल	आटो पार्टस (सी०एल०सी०) मशीन सैंटर	5697.00
7.	मै० सायरा कारपोरेशन लि०	आटो पार्टस	4650.00
8.	मै० यूरोथरन हेमा रेडियटर्ज इंडिया लि० जी०सी० बावल	सैनीटरी व हीटिंग सिस्टम्ज	3928.45

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
9.	मै० असाही इंडिया गलास लि० जी०सी० बावल	ओटोमोटिव सेफ्टी ग्लास यूनिट	3097.00
10.	मै० एटलस स्टील टयूब इंडस्ट्रीज जी०सी० बावल	इ०आर०डबल्यू० स्टील टयूब्ज ए०सी०ई० डबल्यू फ्यूल पाइप व स्किन पास मिल प्रोजैक्ट	5659.00
11.	मै० उषा फैबज प्रा०लि० जी०सी० बावल	एम्ब्रायडरी यूनिट	4327.00
12.	मै० एस०डबल्यू०डी० इंडिया, जी०सी० बावल	एलुमीनियम व पी०वी०सी० विनायल डोरस व विंडोज	3055.00
13.	मै० शताब्दी एक्सपोर्टस प्रा०लि० बारही० इण्ड० एस्टेट		3539.86
14.	मै० सुपर सकरयुज प्रा० लि० जी०सी० बावल	नट बोल्टस सकरयुज, वायर व शीट मैटल, फैबरीकेशन	3484.56
15.	मै० स्टैलको इंडिया प्रा०लि० जी०सी० आवल	कोलड रोलड स्टील कायल्ज तथा सी०डी०डबल्यू टयूब्ज	4499.97
16.	मै० सरस्वती इंडस्ट्रियल सिंडीकेट लि० जी०सी० बावल	शीट मैटल वर्किंग मशीनरी	3419.00
17.	मै० सीजनज टैक्सटाईल लि० इंड० एस्टेट, बारही	सैटिंग आफ आफ अलटरा मार्डन टैक्सटाईल	3250.00
18.	मै० बोटीक इंटरनैशनल ए पेस सिटी फेस-2, गुड़गांवा	स्वैटर व रैडीमेड गारमैंटस	3291.28
19.	मै० इस्टरन मैडीकिट लि० पेस सिटी-2, गुड़गांव	मैडीकल डिसपोजएबल व संबंधित प्रोडक्टज	3200.00
20.	मै० अरावली एक्सपोर्टस प्रा०लि० पेस सिटी-2, सैक्टर 37, गुड़गांव	सारीज व ड्रेस मैटीरियल फार लेडीज	3630.14
21.	मै० रिचा ग्लोबल एक्सपोर्टस प्रा० लि० जी०सी० बावल	इनटैगरेटिड गारमैंटस मैन्यु० यूनिट	4345.88
22.	मै० निपो लीकलैस टेलब्रास प्रा० लि० जी०सी० बावल	गासकेट मैटीरियल	3302.43
23.	मै० मोडेलमा एक्सपोर्टस लि० जी०सी० बावल	मैन्युफै० तथ्सस एक्सपोर्ट आफ रेडिमेड गारमैंटस होम फरनिशिंग आदि	3773.00

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
24.	मै० री एग्रो लि०, जी०सी० बावल	श्राइस प्रोसैसिंग व पैकेजिंग प्लांट	3205.00
25.	मै० एडवांस प्रैस फारज लि० जी०सी० बावल	मार्डन प्रैस फारजिंग / सी०वी०सी० मशीनिंग टैक्नोलोजी यूनिट	3507.00
26.	मै० चार्ली क्रियेशनज प्रा० लि० पेस सिटी-2, सै०-37, गुड़गांव	कैजुयल व सैमी फारमल वियरज (डेनिम, जीन, काटन ट्राउसर, शर्टज व जैकेटज) लेडीज व किडज	4766.56
27.	मै० यूनीक कम्पोनैंटस प्रा०लि० जी०सी० बावल	कान्सटैंट वैलोसिटी जायन्टस/ कम्पोनैंटस फार आटोमोबाइलज	8483.00
28.	मै० कैपरो मारुति लि० जी०सी० बावल	इंजीनियरिंग इंड० फार आटोमोबाइलज	3380.00
29.	मै० सतीश विनायलस सै०-58, फरीदाबाद	मैन्युफै० पी०वी०सी०/पी०यू० सिथैंटिक लैदर	3619.00
30.	मै० परल गलोबल लि० जी०सी० बावल	मैन्युफै० आफ रेडीमेड गारमैंटस	3529.00
31.	मै० उकल फयूल सिसटमज लि० जी०सी० बावल	मैन्युफै० आफ आटो एनसिलरी कम्पोनैंटस	4720.00
32.	मै० रिलैक्सो फुटवीयर लि० सै०-17, बहादुरगढ़	मैन्युफै० आफ लाइटवेट हवाई फुटवीयर	3900.00
(ब) औद्योगिक उद्यमकर्ताओं का ज्ञापन			
1.	मै० असाही इंडिया गलास लि० गलोबल बिजनैस पार्क, गुड़गांव	टैम्परड सेफटी गलास	2519.79
2.	मै० असाही इंडिया गलास लि० बी०एम० लैबरू एंड एसोसियेट्स फरीदाबाद	प्रोसैसड गलास फार आर्चीटैक्चरल एप्लीकेशन	960.00
3.	मै० एशियन कलर कोटिड इस्पात लि० एन०आई०टी० गांव तफरपुर फरीदाबाद	कोलड रोल्ड स्टील	9875.00
4.	मै० सैनचुरी एलुमिनियम इंडस्ट्रीज पलवल, फरीदाबाद	एलुमिनियम अलायज	1921.00

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
5.	मै० जी०ई० मोटर इंडिया प्रा० लि० माडल टाउन, सैक्टर-11, फरीदाबाद	इलैक्ट्रिक मोटर व जैनरेटर/	1100.00
6.	मै० लक्ष्मी प्रैसिजन सकरयुज लि० गांव खरवाड़ दिल्ली रोड, रोहतक	हाई टैनसिल नट्ज व बोलट्ज	689.00
7.	मै० लयुमैक्स मैगना डानली आटोमोटिव मिररज प्रा० लि० आई०एम०टी० मानेसर	रियर वियु मिररज फार आटोमोबाइल	850.00
8.	मै० मिनडा इनवैस्टमैंट लि० गांव नाहरपुर कसन, गुड़गांव	इलैक्ट्रिकल लाइटिंग तथा सिगनलिंग एक्युपमैंटज जैसे हैड लैम्प/वेट पम्प	740.25
9.	मै० मिनडा टायर आटोमोटिव लि० गुड़गांव, गांव नाहपुर कसानी	–यथोपरि–	740.00
10.	मै० नैसले इंडिया लि० समालखा पानीपत	बेबी मिल्क फूड इनफैंट फारमूला	3164.44
11.	मै० ओसवाल इलैक्ट्रिकलज, सैक्टर-25, फरीदाबाद	पार्टज/एसैसरीज मोटर साईकल, स्कूटरज व थ्री-व्हीलरज	1000.00
12.	मै० स्टरलिंग टूलज लि० गांव पृथ्ला तहसील पलवल, फरीदाबाद	कोलड फोरज्ड हाई टैनसिल फासटनरज	3912.00
13.	मै० युनाइटिड राइसलैंड प्रा० लि० जी०टी० रोड, समाना बाहू करनाल	राइस	2160.24
14.	मै० युनाइटिड राइसलैंड प्रा०लि० खेरी दौला, गुड़गांव	राइस	11000.00
15.	मै० व्हील इंडिया लि० जी०सी० बावल, रिवाड़ी	स्कूटर, मोटरसाइकल के पुर्जे और असैसरीज़	1304.00
(स)	**अप्रवासी भारतीय**		
1.	मै० फलैक्स पैक टैक्नोलोजी प्रा० लि० जी०सी० बावल	फलैक्सिबल पैकेजिंग	766.00
2.	श्री हरिन्द्र सिंह औद्योगिक एस्टेट, बरवाला	कम्प्यूटर हार्डवेयर	22.00
3.	श्री अरूण कुमार जैन, इंडस्ट्रियल एस्टेट, राई	बेबी डायपरज/सैनीटरी पैडज	128.00

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
4.	श्री अमरीक सिंह इंड० एस्टेट० बरवाला	इटालियन फर्नीचर	30.00
5.	श्री मनोज चन्दोक तथा शैलेन्द्र चन्दोक (मै० अर्जुन ओवरसीज) पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	रेडीमेड कपड़े	160.00
6.	श्री पंकज कुमार वोहरा, पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	ई-कामर्स सर्विसिज	70.81
7.	श्रीमती आरथी कृष्णा, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	एक्सपोर्ट आफ रेडीमेड गारमैंट्ज	76.19
8.	श्री अनुपम बिरला और वरुण जाजू (मै०वी०ए० इन्टरप्राइजिज पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	आटो पार्टस	137.89
9.	श्री अरुन चोपड़ा, पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	रेडीमेड गारमैंट्ज	72.74
10.	श्री जसप्रीत सिंह साहनी पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	साफटवेयर डिवै० सर्विसिज सर्पोट सैंटर	73.55
11.	श्री तलविन्द्र सिंह हेडे, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	साड़ीज तथा ड्रैस मैटिरियल	1818.23
12.	श्री राजेश कुमार सिदोरिया, पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	भारतीय साड़ीज व सूट	46.22
13.	डॉ० सुगीत बवेजा, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	आटो स्पेयर पार्टज व कम्पोनैंटस	100.00
14.	श्री विमल सागर, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	एक्सपोर्ट आफ रेडीमेड गारमैंट्ज	210.00
15.	श्री अजय खन्डेलवाल, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	बिजनैस प्रोसैस आउटसोरसिंग	99.07
16.	श्री तेजपाल अलवाहन, ई०एच०टी०पी० सै०-37, गुड़गांव	खिलौने	101.75
17.	श्रीमती अर्पणा रवि शंकर, पेस सिटी-II सै०-37, गुड़गांव	रेडीमेड गारमैंट्स	58.15

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
18.	श्री अनुराग बिरला और श्रीमती राज श्री जाजू (मै० श्री इंटरप्राइजिज, पेस सिटी-II, सै०-37, गुड़गांव	प्लास्टिक प्रोडक्टस	117.89
19.	श्री परमिन्दर एस बीसला, पेस सिटी-II, सै० 37, गुड़गांव	इलैक्ट्रोनिक हार्डवेयर यूनिट	238.25
20.	श्री कुलदीप शर्मा, पेस सिटी-II, सै० 37, गुड़गांव	स्वैटरज एवं रेडीमेड गारमैंट्स	1623.88
21.	श्री राहुल लाल, पेस सिटी-II सै० 37, गुड़गांव	रोट आयरन फर्नीचर तथा हैंडीक्राफटस आईटम्ज	86.00
22.	श्री त्रिलोकी मेहता, पेस सिटी-II गुड़गांव	साफ्टवेयर डिवैल्प० तथा आई० टी० सर्विसिज	90.13
23.	मै० पराग कैजुयल वीयर प्रा० लि० पेस सिटी-II, सै० 37, गुड़गांव	रेडीमेड गारमैंट्ज	150.00
24.	श्री जोरावर सिंह डोड, पेस सिटी-II सै० 37, गुड़गांव	गारमैंट्ज तथा फैशन एसैसरीज	1304.00
25.	श्रीमती गीतिका भट्ट, इंड० एस्टेट, बरवाला	एक्सपोर्ट आफ रेडीमेड गारमैंट्ज	65.55
26.	श्री रोहित माथुर, इंड० एस्टेट राई	बी०पी०ओ० तथा आई०टी० सर्विसिज	326.97
27.	श्री परमिन्द्र सिंह राव, इंड०एस्टेट, कुंडली, फेस-4	आटो पार्टज	209.50
28.	श्री इकबाल सिंह ढालीवाल, जी०सी० बावल	डैकोरेटिव गलासिज	251.40
29.	श्री दीपक दयाल, जी०सी० बावल	आई०टी० सर्विसिज	819.54
30.	श्री अशोक भनोट, सै० 59, फरीदाबाद	आटो पार्टस	54.83
31.	श्री राकेश कुमार, इंड० एस्टेट, राई	फिनिशड शूज सोलस	161.44
32.	श्री सरीधारा आर सबेला, पेस सिटी-II गुड़गांवा	बी०पी०ओ०	1200.00
33.	श्रीमती रूबि चावला, उद्योग विहार, गुड़गांवा	प्लांटस तथा एक्युमैंट बिजनैस	31.95

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
34.	श्री महिम शर्मा, फरीदाबाद	आटोमोबाइल कम्पोनैंटस	85.00
35.	श्री राहुल धवन, फरीदाबाद	आटोमोबाइल कम्पोनैंटस	284.00
36.	श्री सतीश जोली, फरीदाबाद	रेडीमेड गारमैंट्स	203.24
37.	श्रीमती रोशी जोली, फरीदाबाद	रेडीमेड गारमैंट्स	85.25
38.	श्री अमित चुग, फरीदाबाद	इलैक्ट्रीकल/इलैक्ट्रो मैकेनिकल कम्पोनैंटस	180.00
39.	श्री गजिन्द्र पाल, फरीदाबाद	मैन्युफै० तथा एक्सपोर्ट ऑफ हाई फैशन गारमैंटस, बैगज व हैंडीक्राफटस	75.50
40.	श्री हरमीत और श्री सुभाष चन्द, फरीदाबाद	मैन्युफै० रेडीमेड गारमैंट्स	353.20
41.	मै० नाइस गारटैक्स प्रा० लि० फरीदाबाद	मैन्युफै० रेडीमेड गारमैंट्स	149.22
42.	मै० एस०एम०पी० आटो एसैसरीज प्रा०लि० फरीदाबाद	आटो एसैसरीज	172.00
43.	श्री पूनिया उमेश, फरीदाबाद	बी०पी०ओ०	195.00
44.	श्री प्रेम कुमार सै० 59, फरीदाबाद	आटो पार्टस	57.14
45.	श्री नरेन्द्र कौशल, गुड़गांवा	स्टील तथा वुडन फर्नीचर	70.02
46.	श्री संदीप कौशल, गुड़गांवा	बी०पी०ओ० काल सैंटर आई टीज तथा साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट	108.45
47.	मै० कुमार गारमैंटस, गुड़गांवा	रेडीमेड गारमैंटज	48.60
48.	मै० हाई-टैक आटोमेशन, गुड़गांवा	साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट फार मन्युफै० इंडस्ट्रीज	77.00
49.	मै० परफैक्ट ओवरसीज, गुड़गांवा	मैन्यु० आटो पार्टज, टाल्ज डाईज आदि	40.50
50.	श्री सतपाल चौहान और श्री सुधीर चौहान, बावल	रेडीमेड गारमैंटस	31.79
51.	मै० मैसो मैटल वेयरज प्रा०लि० बावल	स्टेनलैस स्टील किचन वेयर	487.00

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
52.	मिस रुपांगी सनून, बावल	अपरस फार फैशन फुटवीयरज	10.00
53.	श्री निखिल गुलिया, बावल	एक्सपोर्ट ऑफ आटोमोबाइल साईलैंसरज	37.87
54.	श्री नरिन्द्र कोहली, मै० एरोली टैक्नीकल वुड प्रा० लि० बावल	टैक्नीकल वुड, वुड प्लास्टिक मिक्स आदि	107.84
55.	श्री इन्द्रजीत सिंह, बावल	रेडीमेड गारमैंटस, ऑफ हाई फैशन	185.00
56.	श्री राकेश भार्गव, बावल	सकैफोल्डिंग गुडज जैसे कि प्रापज, जैक आदि	28.68
57.	श्री धनवन्त सिंह, बावल	पैकृड फूड यूनिट	75.00
58.	श्री सुनील डींगरा, बावल	साफ्टवेयर डिवै०	101.50
59.	श्रीमती मीनाक्षी माथुर, बावल	कम्प्यूटर साफ्टवेयर	98.90
60.	मै शाईन स्टार गारमैंटस प्रा० लि० बावल	रेडीमेड गारमैंटज	89.90
61.	श्रीमती सिम्मी वशिष्ठ, बावल	आटोमोटिव पार्टस	293.23
62.	श्री मनमोहन / जगमोहन सिंह भनोट, बावल	रीटरी वाटर टैंक तथा एल०एल०डी०आर० पोडर	124.39
63.	मिस बृज बाला कपूर, बावल	आटो पार्टस एसैसरीज व इंजीनियरिंग गुडज	1074.20
64.	श्री विमल वर्मा, बावल	मेन्युफै० गारमैंट्स	100.00
65.	मिस सरिता कम्बोज, बावल	मेन्युफै० गारमैंट्स	100.00
66.	श्री मनमोहन शर्मा, ई०पी०आई०पी० कुंडली	डिवै० एवं डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ आनलाइन लर्निंग सिस्टम	350.00
67.	श्री गगनप्रीत सिंह भाटिया, ई०पी०आई०पी० कुंडली	मैन्युफै० तथा एक्सपोर्ट ऑफ फिलटरज व स्ट्रेनरज	202.00
68.	श्री आर०बी०पोलीप्लास्ट, कुंडली	ई०वी०ए० तथा पोलीमर फुटवीयर एवं पार्टज	73.00
69.	श्री नविन्द्र सिंह, कुंडली	मैन्यु० सिलवर ज्यूलरी	65.35
70.	एस०आर०जी० हरबल प्रा० लि०	हरबल कासमैटिक प्रोडक्टस	185.75
71.	श्री दविन्द्र कुमार, बरवाला	कार्बन कोटिंग लाइन फैसिलिटीज फार कम्प्यूटर प्रिंटर रिबनज	44.50

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
72.	श्री प्रदीप हांडा, बरवाला	साफ्टवेयर यूनिट	18.66
73.	श्री गीतांजलि पाठक, बरवाला	प्लास्टिक मोल्डिंग बोटल्ज व कनटेनरज आदि	87.44
74.	श्री रविमोहन दया सागर, बरवाला	स्टील मोडुलर किचन एवं स्टील फर्नीचर	16.82
75.	श्रीमती अनु जैन, बरवाला	श्री वर्धमान मारबल्ज कटिंग व पोलिशिंग	28.50
76.	श्री रविन्द्र अरोड़ा, बरवाला	काल सैंटर	500.00
77.	श्री जसवन्त सिंह, बरवाला	डिप इरीगेशन पार्टज	100.72
78.	श्री पी०सी० भरारा, बरवाला	मैन्युफै० सकरसुज	45.80
79.	श्रीमती सविता रानी, बरवाला	एक्सपोर्ट आफ रेडीमेड गारमैंटज	117.75
80.	श्री राजा राम सेठी, बरवाला	आई०टी० सर्विसीज	61.00
81.	श्रीमती मोनिशा जैन	रेडीमेड गारमैंटस	201.00
82.	श्री मुकेश भाटिया, बरवाला	आटोमोटिव पार्टज	139.00
83.	श्रीमती मितलेश शर्मा और श्री आशुतोशक कुमार कौशिक, बरवाला	कोरुगेटिड बाकसिज	114.48
84.	श्रीमती कमलजीत कौर, बरवाला	मैन्युफै० गारमैंटस	118.02
85.	श्री राज बंगा, बरवाला	लैदर जैकेटस, पर्सिज, सोफा कवरज	60.15
86.	श्री तेजिन्द्र सिंह, बरवाला	प्लास्टिक आटो कम्पोनैंटस	49.88
87.	श्री सती हांडा, बरवाला	रेडीमेड गारमैंटस	184.24
88.	श्री अदिति कुमार कौशिक, बरवाला	मैन्युफै० ऑफ स्टील फैबरीकेटिड प्राडक्टस (डोरस/विंडोज)/ग्रिलज आदि	40.66
89.	मै० वी०बी० इंडस्ट्रीज, बरवाला	आटोमोबाइल कम्पोनैंटस	50.97
90.	श्री स्वर्णजीत सिंह और श्री नितिन मेहता, बरवाला	लेडीज वेयर	220.00

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
91.	श्री राजेन्द्र मरवाहा, बरवाला	प्लास्टिक आटो स्पेयर पार्टस व कम्पोनैंटस	50.52
92.	श्री अलोक गर्ग, बरवाला/पानीपत	प्लास्टिक आटो कम्पोनैंटस	97.80
93.	श्री हंस कुमार, राई	टैरी टावल कन्सयूमर प्राडक्टस	90.00
94.	श्री सुभाष कुमार गुप्ता, राई	पैकेजिंग मैटीरियल	80.00
95.	श्री अमित गर्ग, राई	साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट सैंटर	66.00
96.	मिस अनु जैन, राई	मरबल कटिंग व पालिशिंग	40.24
97.	श्री दविन्द्र सिंह, राई	रेडी टू वेयर एपरलज	336.93
98.	श्री सुरिन्द्र कुमार लोहन, बहादुरगढ़	मैन्युफै० आफ हरबल/ आयुर्वैदिक प्रोडक्टज	189.00
99.	श्री नीतेश असनानी, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ सोक्स	60.83
100.	श्री जवाहर लाल अलबानी, बहादुरगढ़	रैफ्रीजरेशन व ए०सी० एक्युपमैंट	731.17
101.	श्रीमती सोविन्द्र कौर, बहादुरगढ़	हाई टैनसिल फासटनरज व ट्रैक्टरज पार्टस	1253.89
102.	मै० प्रियंका भसीन, बहादुरगढ़	फारमैसीकल प्रिपेरेशन्ज	447.92
103.	श्री तरुण कुमार जोशी	इंजी० इंडस्ट्रीज	510.87
104.	श्रीमती रतिन्द्र पाल कौर, सी०न० 107, बहादुरगढ़	लैदर फुटवीयर	358.00
105.	श्रीमती वन्दना छाबड़ा, बहादुरगढ़	हाइजिन कैमीकल	35.00
106.	श्री तेग सिंह सन्धु, बहादुरगढ़	फूड प्रोसैसिंग कनफैक्शनरी	186.00
107.	श्री इन्द्रजीत सिंह जोहल, सी०न० 104, बहादुरगढ़	लैदन फुटवीयर	358.00
108.	श्री अजय कुमार देसल, बहादुरगढ़	बी०पी०ओ० व साफ्टवेयर	86.00
109.	श्री मनीश कपूर, बहादुरगढ़	डिजीटल वेरीएबल प्रिंटिंग	210.00
110.	श्री संजय जैन, बहादुरगढ़	रेडीमेड गारमैंटस	316.00
111.	श्री संजीव कुमार, बहादुरगढ़	एक्सपोर्ट ऑफ रेडीमेड गारमैंटस	121.84
112.	श्रीमती स्वाति अवध बीसन, बहादुरगढ़	हाइड्रालिक इन्जैक्शन माल्डिंग	243.43

[श्री लछमन दास अरोड़ा]

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
113.	मै० कुमार इम्पैकस, बहादुरगढ़	डिजाइन डिवैल्पमैंट तथा एक्सपोर्ट ऑफ साफ्टवेयर	451.85
114.	श्री सौरभ मल्होत्रा, बहादुरगढ़	ड्राप डाई स्टील फारगिंग ऑफ आटोमोबाइल	110.00
115.	श्रीमती किरन गुप्ता, बहादुरगढ़	डैंटल प्रैपरेशन्ज	82.59
116	श्री रमेश गुप्ता, बहादुरगढ़	आई०वी० सोलुशन्ज	116.57
117.	श्री विनोद गुप्ता, बहादुरगढ़	आई०वी० सोलुशन्ज	116.57
118.	श्री गुरप्रीत टूर और ईश्वरी सिंह, बहादुरगढ़	साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट	646.00
119.	श्री परमजीत सिंह बेदी, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ डायपर	80.00
120.	श्री विक्रम सिंह गोयल, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ	846.00
121.	श्री रणजीत सिंह, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ आटोमोबाइल	140.00
122.	श्री रशपाल सिंह, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ इंजी० गुडज	124.00
123.	श्रीमती गुरबक्ष कौर राय, बहादुरगढ़	हैंडीक्राफ्टस	334.19
124.	श्रीमती कमलेश आहलूवालिया और श्री रमेश आहलुवालिया, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ सैल्फ एंड फिलम्स व जैल कैंडलस	41.00
125.	श्री मयंक शर्मा, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ प्रीसीजन मशीन आटोमोबाइल व इंजी प्राडक्टस	77.28
126.	श्री गुरप्रीत सिंह सौंध, बहादुरगढ़	जाब वर्क ऑफ फैरस व नान फैरस डाईज व मोल्डज	50.00
127.	श्री राजीव चावला, बहादुरगढ़	सीमैंट कन्क्रीट प्री कास्ट प्राडक्टस	76.87
128.	श्री गौरव वच्चर, बहादुरगढ़	फाइनानशियल सर्विसज	1136.49
129.	श्री हरभजन सिंह, बहादुरगढ़	एक्सपोर्ट ऑफ गारमैंटस	30.55
130.	श्री प्रणव कुमार, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ डैर्सट कूलर, गीजर आदि	34.60
131.	श्री दलबीर सिन्धु, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ इंजी० गुडज	252.30
132.	श्री सुरिन्द्र कुमार बिशनोई, बहादुरगढ़	लैदर सैंडिल व चप्पल	100.00
133.	श्रीमती काजुई खुराना, बहादुरगढ़	सपाईसिज पैकिंग	50.55

क्र०सं०	इकाई का नाम व पता	आईटम का नाम	कीमत (रू० लाखों में)
134.	श्री राजीव अग्रवाल, बहादुरगढ़	फुटवीयर अपर मैन्युफै०	67.07
135.	श्री गीता बी० भट्ट, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ सोल एसैसरीज व थरमो प्लास्टिक रबड़ सोल	67.07
136.	श्री कंवल चौधरी, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ फुटवीयर	86.18
137.	मिस प्रफुल्ला जे० भट्ट, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ शू एसैसरीज	280.00
138.	श्री अनिरुद्ध सलूजा, बहादुरगढ़	मैन्युफै० ऑफ शू कम्पोनैंटस	35.54
139.	मै० आर०पी० इंटरप्राइजिज, बहादुरगढ़	मैन्युफै० आफ शू अपर	31.00
140.	श्री रविन्द्र सिंह	मैन्युफै० ऑफ गारमैंटस	249.90
141.	श्री राजेश कुमार, कुंडली	साफ्टवेयर डिवैल्पमैंट	196.15
142.	श्री परमजीत सिंह	एयर कंडीशनिंग	221.89

Introducing of Crop Insurance

***381. Shri Tejendra Pal Singh Mann :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce Crop Insurance scheme in the State ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

कृषि मंत्री (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) :

(क) तथा (ख) राज्य में राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना खरीफ 2004-05 से कार्यान्वित है।

Old Age Pension

***428. Shri Rakesh Kamboj :** Will the Minister for Social Justice and Empowerment be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to conduct a fresh survey in Indri Constituency for identifying the old age persons who have become eligible for old age pension ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid survey is likely to be conducted ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) :

(क) नहीं, श्रीमान।

(ख) नहीं श्रीमान।

Number of Beneficiaries of Unemployment Allowance Scheme

***454. Dr. Sushil Indora :** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the number of beneficiaries of unemployment allowance in the State during the year 2003-04 and upto 31st October, 2005 ; and

(b) whether any decrease in number of beneficiaries of unemployment allowances has been recorded during the period from 1st November, 2005 to-date ; if so, the reasons thereof ?

वित्त मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) :

(क) राज्य में 31.3.2004 को जिन प्रार्थियों को बेरोजगारी भत्ता वितरित किया गया उनकी संख्या 2,788 थी तथा मास अक्तूबर, 2005 में जिन प्रार्थियों को बेरोजगारी भत्ता वितरित किया गया उनकी संख्या 48,664 थी ; और

(ख) नहीं।

Black Marketing of Commodities of Public Distribution

***399. Sh. Naresh Yadav :** Will the Deputy Cheif Minister be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that kerosene oil and other commodities to be supplied to the consumers under the public distribution system in district Mahendergarh are being black marketed ; if so, what steps are being taken by the department to check the black marketing and to provide due benefit to the eligible consumers ; and

(b) the name of the agencies through which kerosene oil and food grain, (wheat, rice etc.) were distributed to the consumers during the year 2004 and 2005 in district Mahendergarh togetherwith the quantity thereof ?

उप मुख्यमंत्री (श्री चन्द्र मोहन) : विवरण सदन के पटल पर रखा है।

विवरण

(क) मिट्टी के तेल व खाद्यान के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत वितरण में हुई कालाबाजारी व अनाचार के संबंध में जनवरी, 2004 से 18 शिकायतें प्राप्त

हुई थी। इन शिकायतों में से 13 पर यथोचित कार्यवाही करते हुए उनका निपटान कर लिया गया है। 5 शिकायतों में अभी जांच-पड़ताल चल रही है। इसके अतिरिक्त मिट्टी के तेल व अन्य वस्तुओं का वितरण सुचारू रूप से वास्तविक लाभार्थियों को सुनिश्चित किये जाने व कालाबाजारी को रोकने के लिए निम्नलिखित पग उठाए गये हैं :—

(1) पंचायती राज संस्थाओं जैसे कि ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत वितरित की जाने वाली वस्तुओं की उपलब्धता एवं उनके सुचारू वितरण के संबंध में निरीक्षण तथा समीक्षा किये जाने का कार्य सौंपा गया है।

(2) मई, 2005 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत मिट्टी के तेल, गेहूं व चावल की प्राप्ति तथा वितरण पर कड़ी निगरानी रखने के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में निगरानी कमेटियों का पुनर्गठन किया गया है।

(3) अप्रैल, 2005 से आटे के स्थान पर गेहूं का वितरण किया जा रहा है।

(4) लाभार्थियों को महीने के अंदर-अंदर खाद्यान्नों की उपलब्धि सुनिश्चित किये जाने के लिए कॉन्फेड को हिदायतें जारी की हुई हैं कि वह खाद्यान्न की डिलीवरी उचित मूल्य की दुकानों पर प्रत्येक मास की 5 तारीख तक दें।

(5) जिले में मिट्टी के तेल के टैंकर की पहुंच उपायुक्त द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा प्रमाणित की जाती है तदोपरान्त विभाग के निरीक्षक तथा उप-निरीक्षक की उपस्थिति में उचित मूल्य की दुकानों पर इसकी डिलीवरी की जाती है।

(6) खाद्य एवं पूर्ति विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी अपने अधिकार क्षेत्र में उचित मूल्य की दुकानों का निरीक्षण करते हैं तथा मासिक डायरियां प्रस्तुत करते हैं। इन डायरियों में पाई गई कमियों के दृष्टिगत उचित कार्यवाही की जाती है।

(7) खाद्य एवं पूर्ति विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा उचित मूल्य की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया जाता है।

(8) उपायुक्तों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत वितरित की जा रही वस्तुओं जैसे कि गेहूँ, चावल, चीनी तथा मिट्टी के तेल के वितरण की मासिक समीक्षा की जाती है।

(ख) महेन्द्रगढ़ जिले में मिट्टी के तेल का वितरण भारतीय तेल निगम तथा भारत पेट्रोलियम निगम के रिवाड़ी ऑयल डिपो से 4 थोक विक्रेताओं के माध्यम से किया जाता है जबकि खाद्यान्न कॉन्फेड द्वारा उठाया जा रहा है और इनका वितरण लाभार्थियों को 377 उचित मूल्य की दुकानों द्वारा किया जा रहा है, जिनके मालिक

[श्री चन्द्र मोहन]

खाद्य एवं पूर्ति विभाग के लाइसैंसधारी हैं। वर्ष 2004 तथा 2005 में महेन्द्रगढ़ जिले में मिट्टी का तेल, गेहूँ, चावल तथा चीनी की वितरित की गई मात्रा के आंकड़े निम्न प्रकार से हैं :—

वस्तु का नाम	2004	2005
मिट्टी का तेल (किलो लीटर में)	8028	8196
गरीबी रेखा के नीचे के लाभार्थियों को गेहूँ तथा आटा (मीट्रिक टनों में)	6141	4097
अन्त्योदय लाभार्थियों के लिए गेहूँ (मीट्रिक टनों में)	1414	1451
गरीबी रेखा के नीचे के लाभार्थियों के लिए चावल (मीट्रिक टनों में)	—	138
गरीबी रेखा के नीचे के लाभार्थियों के लिए चीनी (अन्त्योदय लाभार्थियों सहित) (मीट्रिक टनों में)	42	334
गरीबी रेखा से ऊपर के लाभार्थियों के लिए गेहूँ (मीट्रिक टनों में)	13823	5480

Bus-stand at Farrukhnagar

***466. Shri Bhupinder Chaudhary :** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Bus-stand at Farrukhnagar ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) :

(क) तथा (ख) नहीं, श्रीमान जी।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएँ

Mr. Speaker : Hon'ble Members now a non-official resolution will take place.

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, नॉन आफिशियल रैजोल्यूशन टेक अप करने से पहले मैं आपके माध्यम से सदन के नोटिस में एक बात लाना चाहता

हूँ कि 6 मार्च, 1997 को आगरा कैनाल के बारे में नॉन ऑफिशियल रैजोल्यूशन पहले भी लाया गया था। उसके बाद 1997 से लेकर 2005 तक 8 साल के बाद 16 जून, 2005 को नॉन ऑफिशियल रैजोल्यूशन हमारी सरकार के समय में लाया गया था। आज फिर नॉन ऑफिशियल रैजोल्यूशन लाकर आप नई परम्पराओं की परिपाटी इस सदन में लेकर आये हैं, उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। विपक्ष के साथियों की सरकार 6 साल तक रही लेकिन इन्होंने एक बार भी वीरवार के दिन को नॉन ऑफिशियल डे नहीं रखा बल्कि ये लोग भाग जाया करते थे। एक नई परम्परा इस सदन के अन्दर आपने रखी है। पिछली बार भी आपने चर्चा करवाई थी और इस बार भी आप फिर चर्चा करवा रहे हैं। यह बहुत ही महत्त्वपूर्ण विषय है। अध्यक्ष महोदय, आपने इनका मोशन ऐडमिट किया है और यह यहां पर विरोध प्रकट कर रहे हैं। डॉ० इन्दौरा जी द्वारा जो नॉन ऑफिशियल रैजोल्यूशन आया है आप उसको इस सदन में चर्चा के लिए ला रहे हैं, ऐसा पहली बार हुआ है कि इनको इस पर भी ऐतराज है। स्पीकर सर, यह सदन और आप बधाई के पात्र हैं कि आपने वीरवार का दिन नॉन ऑफिशियल डे रखा है और खासतौर पर स्वास्थ्य जो एक महत्वपूर्ण विषय है उस पर आए प्रस्ताव को आपने चर्चा के लिए रखा है।

11.00 बजे

श्री धर्मवीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी सेवा में एक कॉलिंग अटेंशन मोशन regarding pollution in Gurgaon दिया था, उसका क्या फेट है?

Mr. Speaker : Gauba Ji, your calling attention motion regarding pollution in Gurgaon, has been admitted for tomorrow. (Interruptions)

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, I want to know the fate of my calling attention motion regarding dangerous effect of nitrogen oxide in NCR of Gurgaon. (Interruptions)

Mr. Speaker : Indora Ji, please take your seat. I will give you full details in this regard. (Interruptions) Your calling attention motion regarding dangerous effect of nitrogen oxide in NCR of Gurgaon has been admitted for tomorrow. (Interruptions)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं यह कहना चाहता हूँ कि जो कुख्यात उग्रवादी थे उनके साथ इन्दौरा जी और डॉ० सीता राम के सम्बन्ध रहे हैं। डिम्पी और मुख्तार अंसारी के जो आदमी थे उनके साथ इनके संबंध रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) सी०डी० में इनकी फोटो हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक और कॉलिंग अटेंशन मोशन regarding use of ground water for drinking in Haryana था, उसका क्या फेट है?

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) डॉ० साहब, आपने एक और कॉलिंग अटेंशन मोशन दिया है regarding use of ground water for drinking in Haryana, which is under consideration. Now, please take your seat. (Interruptions)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले जीरो आवर में मैं कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे उठाना चाहता हूँ। (Interruptions)

श्री नरेश यादव : सर, मैंने भी कॉलिंग अटैंशन मोशन regarding issuance of coupons by Deputy Commissioners and Revenue Officers for procurement of mustard from Rajasthan दिया है। सर, उसका फेट क्या है?

Mr. Speaker : Your calling attention notice regarding issuance of coupons by Deputy Commissioners and Revenue Officers for procurement of mustard from Rajasthan has been disallowed. (Interruptions)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात भी सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Indora Ji, don't try to get cheap popularity. It is a clear-cut case of cheap popularity (Interruptions). Please take your seats.

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, if Dr. Indora does not want to move his resolution, there is another resolution that may be taken up. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप इसे पढ़ें। (विघ्न एवं व्यवधान) अगर आप मूव नहीं करते तो I will move to another resolution.

वाक आउट

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हम विभिन्न विषयों को उठाना चाहते हैं लेकिन आप हमें इसकी इजाजत नहीं दे रहे हैं इसलिए हम विरोध स्वरूप सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के हाउस में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, इन्दौरा साहब सदन में खड़े हैं इनसे पूछिये कि क्या इन्होंने वाक आउट किया है या नहीं?

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं वाक आउट करके वापिस आया हूँ।

Mr. Speaker : Indora Ji, you do not understand the seriousness of the House. (Interruptions). I am giving you an opportunity for moving the resolution. Please move your resolution.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे रैजोल्यूशन को मूव करने का मौका दिया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस रैजोल्यूशन से पहले मैं आपके समक्ष यह बात दर्ज करवाना चाहता हूँ कि मैं वाक आउट के बाद वापिस आया हूँ। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यहां से देखने लग रहा हूँ कि ये यहां से गए ही नहीं है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सच बात तो यह है कि असत्य बोलना तो इनको

चौटाला साहब से विरासत में मिला है। (विघ्न) इन्दौरा जी, आप छल कपट से हमेशा सदन में असत्य बोलते रहते हो। (विघ्न) आपने अभी थोड़ी देर पहले कहा कि हम वाक आउट करते हैं जबकि आप बाहर गए ही नहीं और यहां पर खड़े-खड़े बोल रहे हो। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा रैजोल्यूशन हरियाणा प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के लिए है और यह बहुत ही अहम् मुद्दा है। मैं इस बारे में बोलने के लिए आपकी इजाजत से खड़ा हुआ हूँ।

Mr. Speaker : Indora Ji, Zero Hour has finished. Now, you move the resolution.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुझे कोई रैजोल्यूशन को मूव करने देगा तो ही तो मूव करूंगा। (विघ्न) यह भय और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने वाली सरकार हमारे में रोज कोई न कोई भय बढ़ा देती है। हमें कोई न कोई बात कह देती है और हम पर दबाव बढ़ा देती है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये दलित विधायकों को दबाना चाहते हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह दलितों पर अत्याचार है कि हमें हमारा रैजोल्यूशन मूव करने नहीं दिया जा रहा है। (विघ्न)

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, ये रैजोल्यूशन कहां मूव कर रहे हैं? ये तो अनर्गल बातें कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, स्वास्थ्य पर इस प्रस्ताव को मूव करने की बात है। (विघ्न) आप इनसे पूछें कि ये रैजोल्यूशन मूव कर रहे हैं या अनर्गल बातें कर रहे हैं।

डॉ० सुशील इन्दौरा : मैंने स्पीकर सर को भी कह दिया है कि मैं रैजोल्यूशन को मूव कर रहा हूँ। (विघ्न) आप मुझे रैजोल्यूशन मूव करने देंगे तो ही तो मूव करूंगा। अध्यक्ष महोदय, ये हमारे पर अत्याचार कर रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : ये तो दलितों की बात कर रहे हैं जबकि इनका प्रस्ताव स्वास्थ्य के बारे में है। जहां तक अत्याचार की बात है तो ओम प्रकाश चौटाला से ज्यादा अत्याचार दलितों पर किसी ने नहीं किया है। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मुझे मेरा रैजोल्यूशन मूव करने की इजाजत दी जाए।

श्री अध्यक्ष : आप रैजोल्यूशन को मूव करें। (विघ्न)

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक कालिंग अटैंशन मोशन था regarding issuance of coupons by D.Cs. and Revenue Officers for Procurement of mustard from Rajasthan. इस बारे में क्या हुआ है?

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, यह डिसअलाऊ हो गया है। इस बारे में आपके पास इंटिमेशन भेज दी गई है। (विघ्न) आप बैठ जाएं।

गैर सरकारी संकल्प

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप अपना रैजोल्यूशन मूव करें।

डॉ० सुशील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन निजी क्षेत्र

[डॉ० सुशील इन्दौरा]
की तुलना में सरकारी क्षेत्र के अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं की अपर्याप्त उपलब्धता पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करता है। राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण से प्रदूषण के कारण बीमारियां बढ़ रही हैं। इसलिए, यह सदन राज्य में सरकारी तथा निजी क्षेत्र में चिकित्सा प्रणाली में आमूल सुधार लाने के लिए इसे सस्ता व सरल बनाने हेतु प्रभावी पग उठाने के लिए राज्य सरकार से सिफारिश करता है।

अध्यक्ष महोदय, आज जैसे शहीदी दिवस है और माननीय मुख्यमंत्री जी ने सदन में प्रस्ताव रखा है। अध्यक्ष महोदय, हमारा देश कई वर्षों तक गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा रहा है और उस गुलामी से स्वतंत्रता पाने में हमारे बहुत से शहीदों और स्वतंत्रता सैनानियों का हाथ रहा है। हम उन शहीदों को शत्-शत् नमन करते हैं। अध्यक्ष महोदय, देश के आजाद होने के बाद देश के संविधान निर्माताओं ने मुख्य-मुख्य बिन्दु बनाए कि हमारे देश में सामाजिक व्यवस्था समृद्ध हो, आर्थिक दृष्टि से मजबूत हो, राजनीतिक आधार पर मजबूत हो और समाज का हर वर्ग जरूरी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न हो। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या उनके अधिकारों की बात हो वे अधिकार सबको मिलें। इन सबके लिए हमारे संविधान के निर्माताओं ने संविधान में प्रावधान रखा है। आज हम जिस तरह से भ्रष्टाचार और अत्याचार के खिलाफ लड़ रहे हैं, हम चाहते हैं न केवल हरियाणा में बल्कि पूरे हिन्दुस्तान में से भ्रष्टाचार खत्म हो और जो अत्याचार गरीब पर हो रहा है वह खत्म हो। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार को सुझाव है कि वे कोई एक स्कीम बनाकर पीने के पानी की सुविधा, बिजली की सुविधा और सड़कों की सुविधा को हर आम आदमी तक पहुँचाएं। हर आदमी को देश में अपनी बात कहने का, अपने अधिकारों को प्रयोग करने का अधिकार मिले और उसकी आम जरूरतें पूरी हों। उन सबके लिए क्या हम तैयार है? मैं यह बात मानता हूँ कि आजादी के बाद से और हरियाणा प्रदेश बनने के बाद हमने बहुत उन्नति की है। हरियाणा प्रदेश बहुत आगे बढ़ा है। अगर आजादी के बाद की भूमिका को देखें और अगर आज की भूमिका को देखें तो सरकार तो बदलती रही लेकिन सरकार चाहे किसी भी पार्टी की आयी हो, सबकी सोच यही थी कि हमारा प्रदेश उन्नति करे, आगे बढ़े और हम आधारभूत ढांचे को मजबूत करके लोगों की जरूरतें पूरी करें। अध्यक्ष महोदय, आज उसी का परिणाम है कि हरियाणा प्रदेश पर-कैपिटा-इन्कम में पहले नम्बर पर है। मैं गोवा को इसलिए इस मामले में पहले नम्बर पर नहीं मानता हूँ क्योंकि वह तो एक टूरिस्ट स्टेट है। अगर व्यवहारिकता में देखें तो हरियाणा प्रदेश ही पर-कैपिटा-इन्कम में पहले नम्बर पर है। यहाँ पर सम्पन्नता आयी है। हम यह मानते हैं कि सम्पन्नता बढ़ी है और हमारी जरूरतें पूरी हुई हैं लेकिन जिस तरह से जनसंख्या बढ़ी है उसके अनुपात में हम वह सुविधाएं लोगों को नहीं दे पाए जो हम दे सकते हैं। हम ऐसी व्यवस्था नहीं कर पाए जो हमें करनी चाहिए थी। हमने लोगों को चिकित्सा देने के लिए, स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्ज तो बनायी, इंफ्रास्ट्रक्चर तो बनाया लेकिन कहीं न कहीं कुछ कमी जरूर रहने की वजह से इन सुविधाओं का लाभ आम आदमी तक नहीं पहुंच पाया। इसी तरह से हमने संयंत्र तो लगाये लेकिन वह संयंत्र जिनमें मैडीकल की चीजें थी, उनको सुचारू रूप से चलाने के लिए हम व्यवस्था नहीं कर पाए और यह व्यवस्था न करने की वजह से ही जो चीजें

लोगों को मिलनी चाहिए थीं, जो सुविधाएं आम लोगों को मिलनी चाहिए थीं वह नहीं मिलीं। स्पीकर सर, जैसे नैशनल प्रोग्राम हैं और जैसे बाढ़ आती है तो हम इसके लिए पहले ही अलर्ट हो जाते हैं और होने वाले नुक्सान से बचाव के उपाय कर लेते हैं। इसी तरह से इम्यूनाइजेशन जैसे नैशनल प्रोग्राम हैं। हम इन बीमारियों के बारे में पहले ही सोच लेते हैं कि यदि यह बीमारी आएगी तो हम उसके बचाव के लिए यह-यह करेंगे यानी होने वाले नुक्सान से बचने के लिए जो प्रिवैंटिव मैजरर्ज हैं उनको हम उठा लेते हैं और होने वाले नुक्सान को कम कर देते हैं। स्पीकर सर, होता यह है कि जब कोई आपदा आती है तो ही हम ऐक्टिव होते हैं पहले से हमारा ध्यान इनकी तरफ नहीं जाता। हमारे यहां पर एक कहावत है कि "जब सांप निकल जाए तो लकीर पीटने का कोई फायदा नहीं।" आज लोगों की मानसिकता बदलने की जरूरत है। हमें लोगों को मानसिक तौर पर तैयार करने के बारे में सोचना चाहिए और उनको बताना चाहिए कि उनकी समाज में क्या जिम्मेवारी बनती है। हर क्षेत्र में खासकर स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों की मानसिकता बदलनी बहुत जरूरी है। कई परिणाम तो मानसिकता की वजह से ही सामने आ जाते हैं। अगर हम आज के वातावरण को देखें तो हम पाते हैं कि आज हर आदमी टैंसन में है। वह सड़कों पर चलते हुए भी यह सोचता है कि मैंने यह काम करना है मैंने वह काम करना है, मैंने राजनीतिक तौर पर यह करना है वह करना है यानी टैंशन ही टैंशन आज आदमी के जीवन में हो गयी है। टैंशन के माहौल की वजह से ही कई बीमारियां हो जाती हैं जैसे ब्लड प्रैशर की बीमारी या पागलपन के दौरे उठने की बीमारी। इन्हीं बीमारियों की वजह से इन्सान की आपराधिक प्रवृत्ति भी हो जाती है। टीचर और शिष्य का एक पवित्र रिश्ता होता है लेकिन कई घटनाएं ऐसी हुई हैं जो मानसिकता की वजह से, उलझनपूर्ण वातावरण की वजह से मानसिक बीमारी से ग्रस्त लोगों ने उन रिश्तों को अपवित्र करने का काम किया है। ऐसे माहौल के लिए हम सब की जिम्मेवारी बनती है, विशेषकर सरकार की जिम्मेवारी ज्यादा बनती है इसलिए इसके लिए सरकार को व्यवस्था करनी चाहिए। एक साधन बनाया जाए, एक तरीका अपनाया जाए ताकि ऐसे वातावरण में स्वच्छता लाकर, सुधार लाकर इस तरह की मानसिकता को ठीक किया जा सके। किसान भी अपने खेत में काम करते हुए यह सोचता है कि कहीं ओले न पड़ जाएं, बादल आने से कहीं फसल नष्ट न हो जाए। मानसिक तौर पर बीमार आदमियों को ठीक करने के लिए, उपाय करने के लिए सरकार को व्यवस्था करनी चाहिए। सरकार को ऐसे ओरिऐण्टेशन प्रोग्राम लाने चाहिएं, ऐसे कार्यक्रम बनाए जाने चाहिएं जिनके द्वारा लोगों में जाकर इस बारे में ट्रेनिंग दी जा सके। अगर ऐसा होगा तभी हमारे लिए अच्छा होगा। इसी प्रकार से एक बात और मैं कहना चाहूँगा। हरियाणा प्रदेश में लिंगानुपात की जो कमी है यह भी मानसिकता का कारण है। हमारे ट्रेडीशनल लोग कहते हैं कि वंश चलाने के लिए लड़का होना जरूरी है। लेकिन मैं इस बारे में हरियाणा का उदाहरण देना चाहूँगा। हमारी चीफ सैक्रेटरी श्रीमती मीनाक्षी आनन्द चौधरी जो तीन बहनें हैं और तीनों बहनें आज आई०ए०एस० आफिसर्ज हैं। इसके लिए मैं उनके पिताजी को मुबारिकबाद देना चाहूँगा जिन्होंने तीनों लड़कियों को इतनी अच्छी ऐजूकेशन दी जिसकी वजह से वे आज इतने उच्च पदों पर पहुंचीं। इतनी अच्छी ऐजूकेशन देना यह भी एक एग्जाम्पल बनता है। हमें ऐसे लोगों से प्रेरणा लेनी चाहिए और ऐसे लोगों को आगे भी लाना चाहिए। आज हमारे

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

प्रदेश में लिंगानुपात घट रहा है इसलिए इसको ठीक करने के लिए कुछ इंसैंटिव देकर, कुछ प्रेरणा देकर कुछ प्रिवैंटिव मेजर उठाने चाहिएं ताकि यह स्थिति विस्फोटक न हो। जिस प्रकार पी०एन०डी०टी० एक्ट बनाया है इसमें भी काफी खामियां हैं। जो एडमिनिस्ट्रेटिव लोग हैं वे भी कई बार इसका बेजायज इस्तेमाल करते हैं। जिन डॉक्टर्ज के पास अल्ट्रासाउंड मशीन हैं उनको हमें प्रेरित करना चाहिए और उनको सुविधा देनी चाहिए ताकि उन के मन में जो भय का वातावरण है वह दूर हो कि कहीं कोई उन्हें झूठे केस में न फंसा दे, कहीं कोई झूठा लांछन लगाकर न फंसा दे। इस माहौल को भाईचारे का माहौल बनाकर इस बात पर कंट्रोल करना चाहिए। मैं यहां पर एक जिक्र करना चाहूँगा। हमारी स्वास्थ्य मंत्री जी बैठी हैं। चौधरी भजनलाल जी जब मुख्यमंत्री थे उस समय में ''अपनी बेटी अपना धन'' एक अच्छी स्कीम शुरू की गई थी अब उसका नाम बदल कर 'लाडली' रख दिया गया है। यह भी बहुत अच्छी स्कीम है। हमें ऐसी स्कीमें बनानी चाहिएं ताकि जो मानसिकता से ग्रस्त लोग हैं जिनमें लिंगानुपात आड़े आते हैं वे लोग इन स्कीमों से प्रेरणा लेकर आगे आएं। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि हमें पापुलेशन कंट्रोल पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि जनसंख्या का सीधा असर प्रदेश के विकास पर पड़ता है। पहले हिन्दुस्तान में जनसंख्या कंट्रोल के लिए काफी इन्सैंटिव दिए गए थे और कार्य किए गए थे। जनसंख्या का सीधा रिलेशन पावर्टी से है। आप देखेंगे कि जो समृद्ध लोग हैं वे तो एक या दो बच्चे तक सीमित रह जाते हैं लेकिन जो लोग झुग्गी झौंपड़ियों में रहते हैं उनको यह पता ही नहीं है कि हमें जनसंख्या पर कंट्रोल करना है क्योंकि उन लोगों को इस बारे में कोई सुविधा नहीं मिलती। हमारे सिस्टम को इस तरह से बनाना चाहिए ताकि लोग जागरूक हो सकें। मैं खुद एक डॉक्टर हूँ, हम भी इन्सैंटिव देते थे। फैमिली प्लानिंग करने के लिए लोगों को मोटीवेट करते थे और सरकार की तरफ से 500-550 रुपये इन्सैंटिव के दिए जाते थे यदि कोई एक बच्चे पर या दो बच्चों पर नसबंदी करवाता था। टार्गेट को पूरा करने के लिए झूठे सच्चे केस कर दिये जाते थे। जिस तरह से टार्गेट पूरे करने के लिए औरल पिल्ज बांट दिए जाते थे और कहते थे कि बांट दिए और टार्गेट पूरे हो गये लेकिन इस्तेमाल एक भी नहीं होता था। जो contraceptive थे वे बैग भी भरे पड़े रहते थे। आज भी आप हस्पतालों में जाकर देखें वहां पड़े मिल जायेंगे। कोई अपने आप उठाकर ले गया तो ले गया। उनसे बच्चे गुबारे बनाकर खेलते हैं। उनका कहीं इस्तेमाल नहीं हो रहा। इसी तरह एक गरीब परिवार में पहले पति पैसे लेने के लिए नसबंदी करवा लेता है उसके बाद फिर अपनी पत्नी की नसबंदी करवा देता है ताकि जो पैसे मिलेंगे उससे कुछ दिन गुजारा तो चलेगा। यह सब पैसे के लालच में होता है। यह सब हमारी व्यवस्था में खामियां रही हैं। अगर हम इन्हें सुचारू रूप से चलाते तो जनसंख्या पर भी कंट्रोल होता और गरीबी पर भी कंट्रोल कर सकते थे। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ विशेष ध्यान दिया जाये। इसके अतिरिक्त वातावरण की तरफ भी ध्यान देने की विशेष जरूरत है। देश आजाद होने के बाद हमने इस तरफ बहुत कम ध्यान दिया है लेकिन पिछले 8-10 सालों से इस तरफ हम ध्यान दे रहे हैं। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिन्हें air-born disease कहते हैं जो सांस के माध्यम से, हवा के माध्यम से एक दूसरे को हो जाती हैं। मैं गुड़गांव का जिक्र करना चाहूँगा कि दो-तीन दिन पहले

अखबार में खबर थी कि नाईट्रोजन आक्साईड गुड़गांव के क्षेत्र में तीन गुणा बढ़ गई है। जिससे कैंसर जैसी भयानक बीमारी हो जाती है और दूसरी बीमारियां भी हो जाती हैं। हवा में किसी भी गैस की मात्रा ज्यादा होना या ऐयर पोल्यूशन होना हमारी सेहत के लिए ठीक नहीं है। हम गांवों के वातावरण को स्वच्छ मानते हैं लेकिन ज्यों-ज्यों शहरों में कॉलोनाईजेशन हो रहा है लोगों का ध्यान शहरों की तरफ बढ़ रहा है। हमारी पी०ऐ०सी० कमेटी कुछ दिन पहले गुड़गांव गई थी जिसके चेयरपर्सन सुरजेवाला जी हैं वहां भी यह चिंता जाहिर की थी। अध्यक्ष महोदय, हमने बहुत से फोरैस्ट इसलिए छोड़े हुए हैं कि वहां से हमारे तक स्वस्थ हवा पहुंचे। लेकिन हमारी अव्यवस्था के कारण वहां भी पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है और फार्म हाऊसिज और कॉलोनियां बनने लग रही हैं। सरकार के माप दण्डों के तहत बनायें तो ठीक है लेकिन वहां पर किसी भी माप दण्ड को न मानकर अवैध कब्जे करके, अवैध निर्माण किए जा रहे हैं और प्राकृतिक चीजों के साथ छेड़छाड़ करके हमारे वातावरण को दूषित किया जा रहा है जिसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। अस्थमा, फेफड़ों से संबंधित बीमारियां, स्कीन डीजीज, कैंसर, टी०बी० आदि की बीमारियां सीधे तौर पर वातावरण के प्रदूषण के कारण होती हैं। इसलिए इसके बारे में हमने ध्यान रखा है कि अवैध कॉलोनाईजेशन न हो और हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। हम हर साल पेड़ लगाने का टारगेट रखते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहूँगा कि आजकल हर विभाग को टारगेट मिल जाता है कि इतने पौधे लगाने हैं। पौधे लग भी जाते हैं और पैसा भी खर्च हो जाता है लेकिन उन पौधों के रख-रखाव की कमी की वजह से हम यह देख ही नहीं पाते कि उनमें से कितने पौधे जीवित रहे। इस बात की तरफ हमारा ध्यान ही नहीं जाता कि हमने पौधे लगाने के अपने टारगेट तो पूरे कर लिए लेकिन उनके सर्वाईवल की तरफ हमारा ध्यान नहीं जाता। हमारी व्यवस्था है एक सिस्टम है कि इससे ज्यादा खर्च नहीं हो सकता। हम सिर्फ अपने टारगेट्स की तरफ ही ध्यान देते हैं कि हमारा यह टारगेट है और हमें इस टारगेट को पूरा करना है। इन टारगेट्स को पूरा करने की बजाए हम इस बात पर गौर करें कि हम अपनी व्यवस्था में सुधार करें और जो वातावरण है उसको स्वच्छ रखें। आज अगर हम देखें कि जो सब्जी हम खाते हैं, अनाज खाते हैं जो भी आज हम अपने पेट के भरण पोषण के लिए करते हैं चाहे वह गेहूँ है या दूसरे अनाज, दालें या सब्जियां हैं उनमें कैमिकल्ज हैं। आप किसी भी फसल को ले लीजिए। सरसों की फसल है या कोई सब्जी लगा लीजिए कहीं न कहीं पैस्टिसाईड्ज या कोई न कोई कैमिकल उसमें शामिल होता है। आज के युग में यह होड़ लग गई है कि हम कैमिकल्ज का इस्तेमाल करके उपज बढ़ा सकते हैं लेकिन उसका असर हमारे जीवन पर क्या पड़ रहा है हम यह नहीं देखते। आने वाले वक्त में इसका असर क्या होगा हम यह भी नहीं सोचते। किसान को यह ललक रहती है कि उपज बढ़े। लैंड होल्डिंग घट रही है। लैंड होल्डिंग घटने की वजह से उपज महंगी हो रही है। मान लें किसी के पास 25 किले जमीन है और उसके पांच बेटे हैं। एक-एक बेटे के पास पांच-पांच किले जमीन के पांच टुकड़े हो गए। पांच ट्यूबवैल्ज लगा दिए पांच ट्रैक्टर हो गए उस जमीन पर पहले जो खर्चा था उसमें चार ट्यूबवैल और ट्रैक्टर का खर्चा बढ़ गया लेकिन जमीन तो 25 किले थी और हमारा प्रोडक्शन उस जमीन में उतना ही रहा केवल खर्च बढ़ गया। जितनी धरती थी वह तो उतनी ही रही। नये संसाधनों का इस्तेमाल करके हो सकता

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

है कि प्रोडक्शन 1-2 परसैंट बढ़ जाए। इस बढ़ौतरी के लालच में हमने कैमिकल्ज और पैस्टिसाईड्ज का इस्तेमाल करना शुरू किया और उसका असर सीधे हमारे स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य के बारे में आप जानते ही हैं कि आज क्या हालत है। आज अगर हम देखें तो सबसे ज्यादा मरीज हमारे प्रदेश में हैं। अनीमिया के मरीज हमारे यहां पर सबसे ज्यादा मिलेंगे। खासतौर पर मैं लेडीज के बारे में कहना चाहूँगा क्योंकि हरियाणा का वातावरण बहुत बदला है। हरियाणा का सामाजिक वातावरण पुरुष प्रधान होते हुए भी खेतों में काम करने की प्रवृत्ति पुरुषों ने छोड़ दी है या उसमें अपनी हिस्सेदारी बहुत कम कर दी है। औरतें घर का काम तो करती ही हैं साथ में खेतों में भी काम करती हैं। इतनी मेहनत करने के बावजूद भी उनको पूरी खुराक नहीं मिलती है जिसकी वजह से वे कुपोषण का शिकार होती हैं और उनका स्वास्थ्य गिर रहा है। जो विटामिन्ज और मिनरल्ज शरीर के लिए चाहिएं, वे गरीब महिलाओं को मिल नहीं पाते हैं। यह बात तो ठीक है कि वे रोटी खाकर अपना पेट तो भर लेती हैं लेकिन शारीरिक संरचना के मुताबिक उनको विटामिन्ज और मिनरल्ज नहीं मिल पाते जिसके कारण उनके शारीरिक स्वास्थ्य का लेवल ठीक नहीं रहता। उनके लिए कोई ऐसी व्यवस्था हो नहीं पाती कि उनको पूरे विटामिन्ज और मिनरल्ज मिल सकें जिसके कारण औरतों में खून की ज्यादा कमी हो जाती है जिसके कारण वे अनीमिया जैसे रोग का शिकार हो जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे अस्पतालों में क्या होता है कि अनीमिया के लिए पर्सलिट की टेबलेट्स आती हैं जो कि आयरन की टेबलेट्स के नाम पर इन महिलाओं को दे दी जाती हैं। ये टैबलेट्स गर्भवती महिलाओं को भी देते हैं लेकिन वे मुट्ठीभर कर वे गोलियां ले जाती हैं और हमारा पैरा मैडीकल स्टॉफ उनको समझा नहीं पाता कि उनका इस्तेमाल किस तरह से किया जाए। शायद पैरा मैडीकल स्टाफ के लोगों को खुद इसकी प्रोपर जानकारी नहीं है। उनको खुद को पता नहीं होता कि इनका इस्तेमाल कैसे करवाएं। इस व्यवस्था को आहिस्ता आहिस्ता सुधारने की जरूरत है। हम अपने पैरा मैडीकल स्टाफ को अगर कुछ कहें या उनसे बात करें तो वे अपनी मजबूरियां गिना देते हैं। कई लोग तो यह भी कहते हैं कि हम 200-300 किलोमीटर घर से दूर अस्पताल में काम कर रहे हैं लेकिन हमें यहां पर रहने के लिए मकान भी नहीं मिलता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सुशील कुमार इन्दौरा जी, आप जब तक चाहें बोलें । अगर आप डेढ़ बजे बाद तक बोलोगे तो हम हाउस का समय बढ़ा देंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मेरी कोशिश यह होगी कि मैं हर टॉपिक को टच करूं और उस पर ज्यादा से ज्यादा बोलूं। बाकी जो बातें रह जाएंगी उन पर मेरे बाकी साथी बोल लेंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, नरेश यादव जी को बताएं कि यह कन्कल्यूड करने वाला विषय नहीं है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि जो हमारी खेती की परम्परा है उसके विपरीत आज हम उससे ज्यादा यील्ड लेना चाहते हैं। कई बार यह भी सुनने में आया है किसान अपनी फसल को ज्यादा लेने के चक्र में जैसे छोटी सी घिया की सब्जी है उसमें रात में इंजैक्शन लगा देते हैं और सुबह को घिया बड़ी हो जाती है। इस तरह से सब्जियों में कैमिकल जा रहा है और उससे शरीर खराब हो रहा है। अगर फसल मैचुरल तरीके से बड़ी होगी तो वह ज्यादा अच्छी होगी इस बात को हम सबको समझना चाहिए। हमें रोग ग्रस्त भोजन से क्या मिलेगा सिर्फ

बीमारी ही मिलेगी। आज चाहे कोई बच्चा, जवान या बूढ़ा हो उसमें देर सवेर इस कैमिकल वाली सब्जियों का असर तो जरूर पड़ेगा। हमें इसको कंट्रोल करने की जरूरत है। कहीं ऐसा न हो इसकी वजह से हमें बाद में पैसा पानी की तरह बहाना पड़े। इसके लिए हमें अपने सिस्टम में सुधार और अपने सिस्टम को बदलने की आवश्यकता है। स्पीकर सर, मैं जब मैडीकल कॉलेज में पढ़ने के लिए गया तो वहां पर सबसे पहले जाते ही एक सफेद कोट पहना दिया करते थे। कहीं पर जाओ सभी डॉक्टर साहब-डॉक्टर साहब कह कर बुलाते थे। हमने सोचा कि हम बिना पढ़े लिखे ही डॉक्टर बन गए। लेकिन बाद में हमने काफी मेहनत करके डॉक्टरी पास करी थी। हम जब गांव में होते थे तो हम सोचते थे कि हम बहुत बड़े डॉक्टर बनेंगे और देश के लोगों की सेवा करेंगे। मैंने सबसे पहले सर्जन के रूप में सीविल अस्पताल में नौकरी करी थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने एनैस्थीसिया में स्पैशलाईजेशन की थी। (विघ्न)

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको कहना चाहता हूँ कि थोड़ा सा आप ओम प्रकाश चौटाला जी पर भी अपने स्पैशलाईजेशन का प्रयोग करें। वे तो डर कर भाग गए हैं और देश से बाहर चले गए हैं। उन्होंने यह नहीं सोचा कि इनसे इलाज करवा लें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : इनको तो पशु वाला एनैस्थीसिया का इंजैक्शन लगाना पड़ेगा। एनैस्थीसिया का मतलब यह है कि डॉक्टर को जागना है और मरीज को सुलाना है। अगर डॉक्टर सो गया तो मरीज नहीं जाग सकता। एनैस्थीसिया का सही मायने में यही काम है। (विघ्न) सर, मैं कह रहा था कि मेरी दो जगहों पर पोस्टिंग हुई एक तो जैजेवन्ती जोकि मुलाना के पास है और दूसरी पोस्टिंग सिरसा जिले में राजस्थान बोर्डर के पास कालूवाणा में हुई थी। मेरी मंशा भी वही थी जैसे आज हर डॉक्टर के दिल में होती है कि वह लोगों के बीच में जाकर उनकी सेवा करे। स्पीकर सर, जब मैं पूछते-पूछते 55 किलोमीटर दूर कालूवाणा में गया तो मैंने देखा कि वहां पर नहर का पानी सीधा डिग्गी में डालकर और उसको निकालकर पीते थे। यह 1990 की बात है क्योंकि आज तो हालात सुधरे हैं। उस पानी में कहीं कीटाणु थे कहीं कुछ और था यानी वहां लोग कनटेमिनेटेड वाटर पीते थे। वहां पर डॉक्टर के ठहरने के लिए कोई कमरा नहीं था। बस एक कोठड़ा सा बना हुआ था कि यह डॉक्टर की कोठी है। वहां पर अस्पताल के नाम पर पंचायत की बिल्डिंग ली हुई थी और दवाइयों के नाम पर यह लगता था कि शायद दवाइयां दान में लेकर आएं तो काम चले। यानी वही मीठी गोली देने वाली बात थी। हम बच्चों को मीठी गोली देकर बहला दिया करते थे। जो फर्सोलेट की गोलियां या बी कम्पलेक्स की गोलियां होती हैं वह हम गांव वालों को दे दिया करते थे और उनसे कह देते थे कि एक ही गोली खाना। इस तरह से यह हालात उस समय थे। स्पीकर सर, ऐसी व्यवस्था में एक डॉक्टर कैसे वह सेवा दे सकता था जो उसके मन में है और जो वह देना चाहता है, जहां पर स्पेशलिस्टस या सुपर स्पेशलिस्टस की जरूरत है वहीं पर सरकार को इनको लगाना चाहिए। हमने रोहतक मैडीकल कॉलेज में देखा है कि वहां काफी मशीनें ऐसे ही पड़ी हैं जैसे खरीदी गयी थीं। वे पांच-दस साल से ऐसे ही पड़ी हैं। सुरजेवाला जी की चेयरमैनशिप में पी०ए०सी० वहां पर गयी थी। हमें यह देखकर बड़ी हैरानी हुई कि कई-कई मशीनें तो वहां पर खरीदने के बाद खुल भी नहीं पायी हैं इनके न खुलने का कारण यह था

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

कि हमारे पास डॉक्टर्ज अवेलेबल नहीं थे और डॉक्टर अवेलेबल इसलिए नहीं थे कि हम उनको वे सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं जो हमें उनको देनी चाहिए थीं। अगर डॉक्टर्ज को दिल्ली में या चण्डीगढ़ में अच्छी सुविधाएं मिलती हैं तो वे वहां से छोड़कर दिल्ली या चण्डीगढ़ में आ जाते हैं। स्पीकर सर, जब मैं कालूवाणा में पोस्टेड था तो मेरे मन में भी इच्छा थी कि हम भी मन लगाकर काम करें लेकिन हमारे ऊपर दूसरी बहुत जिम्मेवारियां थीं। टीकाकरण की जिम्मेवारी, फैमिली प्लानिंग की जिम्मेवारी और आई०सी०डी०एस० का जो प्रोग्राम होता है उसको चलाने की जिम्मेवारी भी हम पर ही थी। जैसे आंगनवाड़ी का प्रोग्राम है उसको चैक करने की भी हमारी जिम्मेवारी होती थी। मुझे यह कहने में कोई दिक्कत नहीं है कि आंगनवाड़ी और आई०सी०डी०एस० का जो प्रोग्राम है इसका चोली दामन का साथ है। लेकिन उसके बावजूद हम अपने बच्चों को खासकर गरीब तबके के बच्चों को कुपोषण से नहीं बचा पाते। सरकार की तरफ से कभी खिचड़ी आती थी, कभी कुछ सामान आता था, कभी चने आते थे और बच्चों को वहां लालच में बुलाते थे लेकिन सिर्फ वहां फोर्मेलिटी के सिवाय कुछ नहीं होता था। डॉक्टर साहब सुबह चला गया, खाने-पीने की सुविधा नहीं, कोई मिलने जुलने वाला नहीं, न वहां ठहरने की व्यवस्था। ऐसे माहौल में वह डॉक्टर कितने दिन वहां रहेगा। सरकार ने अस्पतालों की बिल्डिंग्ज तो बना दी लेकिन डॉक्टरों को कोई सुविधा नहीं दी बल्कि उनके ऊपर बर्डन और डाल दिया। पहले सी०एम०ओ० के लेवल पर महीने के महीने मीटिंग होती थी और उस मीटिंग में डॉक्टर्ज को खड़े होकर जवाब देना पड़ता था। एक वक्त ऐसा भी था कि सिविल सर्जन को काफी ऐडमिनिस्ट्रेटिव पावर्ज दे रखी थी लेकिन प्रशासनिक बदलाव के कारण टैक्नोक्रेट और ब्यूरोक्रेट में हमेशा टकराव रहा है। डॉक्टर और इंजीनियर हर तरीके से निर्माता होते हैं। एक इंजीनियर जब एक अच्छी सड़क बनाता है या अच्छी नहर बनाता है लेकिन जब वहां पर मुख्यमंत्री जाकर डिप्टी कमीशनर से कहता है कि आपने अच्छा काम किया है तो इस तरह से इसका सारा श्रेय डी०सी० को चला जाता है कि उसने बहुत बढ़िया काम किया है और बेचारा इंजीनियर मलाल करके रह जाता है। इसी प्रकार से एक सीनियर इंजीनियर या ई०आई०सी० बैठा है और वहीं पर यदि उनकी उम्र से छोटा कोई आई०ए०एस० अधिकारी सैक्रेटरी लेवल का या दूसरे लेवल का बैठा है तो उसके सामने उस ई०आई०सी० को जवाबदेह होना पड़ता है। इसलिए उसके मन में कभी यह मानसिकता नहीं आयेगी कि मैंने अच्छा काम किया है, अच्छा लाभ दे रहा हूँ और अच्छे रिजल्ट दे रहा हूँ। हो सकता है कि उससे छोटा अधिकारी या कोई एच०सी०एस० अधिकारी उसको बुलाकर धमका दे। इसी प्रकार से डी०जी०एच०एस० को रिपोर्ट हैल्थ सैक्रेटरी को देनी पड़ती है चाहे वह उससे काफी जूनियर ही क्यों न हो। इसी प्रकार कई बार ऐसा होता है कि एक एच०सी०एस० अधिकारी जो एस०डी०एम० होता है वह सी०एम०ओ० जो कि 15-20 साल में बनता है उसको धमका देता है। इसलिए हमारी प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। सरकार को ऐसा इन्तजाम करना चाहिए कि एक डॉक्टर को मान-सम्मान मिले। एक समय था जब डॉक्टर को भगवान का रूप दिया जाता था। डॉक्टर जहां भी जाता था उसकी हर प्रकार से सेवा की जाती थी। लोग उसको मान-सम्मान देते थे और उसकी दुःख तकलीफ सुनते थे। लेकिन आज केवल राजनैतिक लोगों

को मान-सम्मान दिया जाता है। लोग आज अपनी पहचान बनाने के लिए मुख्यमंत्री को बुला लेते हैं उसको माला डालते हैं और वहां के डी०सी० से अपना काम निकलवा लेते हैं। लोग यह सोचकर मंत्री को या एम०एल०ए० को खाने पर बुला लेते हैं कि सीधी जान-पहचान हो जायेगी और छोटे-मोटे काम निकल जायेंगे। इस प्रकार आज सरकार में काम किसके होते हैं जो लोग मुख्यमंत्री, मंत्री या उस सरकार के जुड़े हुए पदाधिकारियों के नजदीक होते हैं, उनके काम होते हैं क्योंकि ज्यादातर आई०ए०एस० ऑफिसर या उच्च पदाधिकारी ही स्कीम बनाते हैं। मुझे एक वाकया याद आया है। एक बार जब चौधरी देवीलाल जी मुख्यमंत्री थे तो वे हिसार में आये और उस समय जितने भी इंजीनियर थे उन्होंने उनके सामने एक मांग रखी थी कि हमारे को सिलेक्शन ग्रेड दे दिया जाए। यह उनको सुविधा देने की बात थी। चौधरी देवी लाल जी ने कहा ठीक है मैं पता कर लेता हूँ। अध्यक्ष महोदय, ब्यूरोक्रेसी का अपना तरीका है। वे स्वयं ले जाते हैं और दूसरे को देने की बात आती है तो कहीं न कहीं चोट कर जाते हैं और पता भी नहीं लगने देते कि चोट की है। फिर उन्होंने चाल चली की इसकी एक कमेटी बना दें। उस कमेटी में कह दो कि हम इस पर विचार करेंगे, देखेंगे। उसके बाद कमेटी का जो फैसला होगा वह सरकार लागू करेगी। चौधरी देवी लाल जी भोले-भाले इंसान थे। उन्होंने कहा पता करवा लेते हैं। लेकिन इसी समाज में हिन्दुस्तान में ऐसे लोग भी हैं जो डैडीकेटिड हैं, अपने कर्त्तव्य के प्रति, अपने फर्ज के प्रति और समाज के प्रति। जिस तरह से भगवान राम और भगवान कृष्ण अवतार ले लेते हैं, उसी तरह से कहीं न कहीं से ऐसे लोग प्रकट हो जाते हैं दुःखी आदमियों को राहत देने के लिए। इसी तरह वहाँ पर किसी ने कहा कि ये लोग बहुत अच्छा काम करते हैं इसलिए यदि इनका काम किया जायेगा और सुविधा दी जायेगी तो इनको प्रोत्साहन मिलेगा और यह लोग प्रोत्साहित होकर और भी अच्छा काम करेंगे। चौधरी देवी लाल जी ने उसी वक्त कहा कि उनकी मांग पूरी कर दी जाये। ऐसे फैसले बहुत कम होते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह डॉक्टर्ज का मामला है। मैडीकल ऑफिसर्ज का, सीनियर मैडीकल ऑफिसर्ज का और सिविल सर्जन्ज का स्टेट्स क्लास-1 का है और बहुत से प्रशासनिक अधिकारियों का स्टेट्स क्लास-2 का है। लेकिन एक एस०डी०एम० एक सिविल सर्जन को बुलाकर कहीं से भी रिपोर्ट मंगवा सकता है। और यदि कोई अच्छी स्कीम हो तो उसका श्रेय वह स्वयं ही ले लेता है। पिछले दिनों हमारे यहाँ पीलिया का प्रकोप हुआ। सारी-सारी रात जागकर सिविल सर्जन और डॉक्टर काम करते रहे उस बीमारी को दूर करने के लिए और वहां का डी०सी० आराम से घर में सो रहा था और वहीं पर रिपोर्ट ले रहा था कि क्या कार्य हो रहे हैं। आखिर में डी०सी० ने सरकार को रिपोर्ट दी कि हमने बीमारी पर काबू पा लिया है और उसका सारा श्रेय स्वयं ले गया। मैं पूछना चाहता हूँ कि उसका श्रेय किसको देना चाहिए था? उनको देना चाहिए था जिन्होंने सारी-सारी रात जागकर सेवा की। जब तनख्वाह बढ़ाने की बात आती है तो आई०ए०एस० कहते हैं कि हम सारे काम करते हैं हमारी तनख्वाह बढ़ाई जाये। जब डॉक्टर्ज की तनख्वाह बढ़ाने की बात आती है तो कहते हैं कि इन्होंने तो पहले ही लूट मचा रखी है और यह बाहर भी प्रैक्टिस करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूँगा कि प्राइवेट प्रैक्टिस काबलियत से चलती है। यदि एक डॉक्टर एक मेज, एक कुर्सी और पैन कागज लेकर प्रैक्टिस के लिए बैठता है और 20 या 30 रुपये चैक करने की फीस रखता है और उसमें अच्छी काबलियत

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

है, तभी वह दिन में अच्छी कमाई कर सकता है। यदि उसके पास दिन में 100 मरीज आते हैं तो 20 रुपये फीस के हिसाब से 2000 रुपये उसकी दिन की कमाई बनती है और खर्च कुछ नहीं होता। सिर्फ मेज उसकी खरीदी हुई होती है और कागज-पैन का पांच-दस पैसे का खर्चा होता है। एक महीने की उसकी कमाई 60 हजार रुपये के करीब होती है और वह पैसे जोड़कर आगे बड़ा हॉस्पिटल बनाता है, अच्छे इन्स्ट्रूमैंट खरीदता है ताकि वह जनता को अच्छी सेवायें दे सके। उस समय वह लोगों की आँखों में चुभने लग जाता है कि यह तो बहुत पैसे कमा रहा है। इसी तरह वह अधिकारियों की आंखों में भी चुभने लग जाता है और वे कहते हैं कि कल का आया हुआ डॉक्टर है इसने लूट कर खा लिया। हालांकि उसने समाज की सेवा की है और सेवा करके पैसा कमाया है। लेकिन कहीं-कहीं पर ऐसी प्रथाएं भी हैं जहाँ पर झूठ का सहारा लेकर वे पैसा कमाते हैं। समाज हर वर्ग के लिए एक-सा होता है पर कई लोग झूठ का सहारा लेकर पनप जाते हैं। ऐसी प्रथाओं के प्रति भी हमें जागरूक रहने की जरूरत है। जैसे कमीशन की बात है इसमें कई बार डॉक्टर को भी बहका लिया जाता है। हमें चाहिए कि जिस तरह से पी०एन०डी०टी० ऐक्ट बना है अगर कोई अच्छा डॉक्टर है और उसके पास सुविधाएं हैं तो जिस तरह से हम सबसिडी देते हैं उस डॉक्टर को भी कम्पनसेट कर सकते हैं और उस प्राइवेट डॉक्टर की सुविधाओं का लाभ भी आम आदमी के लिए उठाया जा सकता है। जो फीस हम सरकारी अस्पताल में लेते हैं उसी फीस के लिए उस डॉक्टर को ऐथोराईज कर सकते हैं। जैसे एक एक्स-रे मशीन है। सरकार की मजबूरी है कि वह महंगी एक्स-रे मशीन नहीं लगा सकती है। सरकार उस प्राइवेट डॉक्टर को ऐथोराईज कर सकती है। आप उसके डाकुमैंट्स उसी हिसाब से तैयार कर सकते हैं। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं यहां पर यह भी कहना चाहता हूँ कि आज डॉक्टरों में भी एक भावना उत्पन्न हो गई है कि वे आज समाज सेवा की तरफ कम काम करते हैं। मैंने निजी अस्पतालों का भी इसीलिए जिक्र किया है ताकि उनकी भावनाओं का ध्यान रखते हुए और उन्हें आश्वासन देकर उन्हें समाज सेवा में लगाया जा सकता है। जैसे एच०सी०एम०एस० की अपनी संस्था है और आई०एम०ए० की अपनी संस्था है, सरकार उनसे बैठकर बात कर सकती है और उनसे अच्छे प्रस्ताव ले सकती है, उनसे अच्छे सुझाव भी ले सकती है। इससे ऐसा हो सकता है कि वे लोग भी समाज की मुख्य धारा में आकर जनसेवा कर सकते हैं। मेरे कहने का मतलब है कि उनकी सेवाओं का भी लाभ उठाना चाहिए। इसमें एक विशेष बात यह करनी चाहिए कि डॉक्टर किसी भी प्रशासनिक अधिकारी से कम नहीं हैं। उनको किसी भी प्रकार से प्रताड़ा नहीं जाए और उनको उत्पीड़ित न किया जा सके इसके लिए हमें प्रयास करने होंगे। यदि उन्हें समाज सेवा के लिए आगे लाया जाए तो पूरे समाज का भला हो सकता है। (विघ्न) सर, मैंने पहले भी जिक्र किया था कि हमारे चीफ सैक्रेटरी के पिता जी ने बहुत अच्छा फैसला लिया था, हम दिल से उनका आदर करते हैं। (विघ्न) उन्होंने समाज को एक रास्ता तो दिखाया ही है उनकी तीन बेटियां हुईं और वह तीनों बेटियां आई०ए०एस० ऑफिसर्ज बनीं। आज के युग में यह कोई छोटी बात नहीं थी। अध्यक्ष महोदय, मैं विशेष तौर पर उनको मुबारिकबाद के समय इस सदन में कहूँगा कि जिस प्रकार से आप प्रोत्साहन के लिए भारत रत्न या पद्म श्री जैसे अॅवार्ड देते हैं तो ऐसे परिवारों के लिए और

ऐसे माता-पिताओं के लिए तथा ऐसे बच्चों के लिए भी कुछ ऐसे अँवाडर्ज रखने चाहिएं। आज अगर देखा जाए तो लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं यहां पर कल्पना चावला का नाम न लूं तो यह अच्छा नहीं लगेगा और मेरी अपने फर्ज से कोताही होगी। इसने अंतरिक्ष में जाकर अद्वितीय कार्य किया है। आज आप कोई भी क्षेत्र ले लीजिए, महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं। पहले हमारे वैटरनिरी डिपार्टमैंट में लड़कियों को थोड़ा कमजोर माना जाता था लेकिन आज वैटरनिरी डिपार्टमैंट में और मैडीकल डिपार्टमैंट में लड़कियां बहुत अग्रणी हैं और वह अब वेटरनिरी डिपार्टमैंट में भी जा कर खूब सेवा कर रही हैं। ऐसे-ऐसे प्रोत्साहन हर वर्ग के लोगों को और विशेष तौर से गरीब लोगों को, बैकवर्ड और एस०सीज० के लोगों को विशेष तौर से देने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर यह कहा गया है कि हमने अम्बेडकर छात्रवृत्ति की स्कीम शुरू की है। जिस तरह से अनुसूचित जाति और जन जाति के लोगों को फैसिलिटी दी है उसी तरह से हैल्थ प्वाइंट ऑफ व्यू से भी सरकार अच्छी-अच्छी ऐसी स्कीमें लाए। (विघ्न) मेरी समझ में नहीं आता है कि ये हैल्थ के लिए 80 करोड़ रुपये की व्यवस्था कहां से कर देंगे और उसके लिए कौन से मद में कटौती करेंगे? (विघ्न) कहने और करने में बड़ा फर्क है। चूंकि हैल्थ का 33 करोड़ रुपये का बजट है तो ये 80 करोड़ रुपये लाएंगे कहां से? (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा जी ने कहा है कि हमारा हैल्थ का 33 करोड़ रुपये का बजट है। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि हैल्थ का 33 करोड़ रुपये का बजट नहीं है बल्कि 565.78 करोड़ रुपए का हैल्थ का बजट है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं जनरल बजट की बात कर रहा हूँ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : ये अपने राज में 3-3 करोड़ रुपये एस०सीज० के वैल्फेयर के लिए बजट में दिया करते थे। जहां तक 80 करोड़ रुपए की मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की है तो वह हम जरूर देंगे और हम वचनबद्ध हैं कि एक-एक पैसा गरीब की मदद के लिए दिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष : इन्होंने आन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस एश्योरैंस दी है कि एक-एक पैसा गरीब की मदद के लिए देंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : ठीक है सर, अगर इन्होंने आन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस एश्योरैंस दी है तो यह बहुत अच्छी बात है।

Mr. Speaker : Indora Ji, confine to your resolution please.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इसके साथ एक महत्त्वपूर्ण अनाउंसमैंट है, डॉक्टर साहब ने सर्जन्ज के अलाउंसिज के बारे में जिक्र किया था तो इस बारे में मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि हमारी सरकार ने 800 रुपये पर मंथ से बढ़ाकर वर्ष 2005 में सर्जन अलाउंस 7500 रुपये कर दिया है।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने अक्सर हाउस में नोट किया है और मैंने पार्लियामैंट में भी देखा है कि जब भी सदन के नेता खड़े हों और कोई अच्छी घोषणा करें तो

[डॉ० सुशील इन्दौरा]

सत्ता पक्ष के पूरे साथी मेजें थपथपा कर उस घोषणा का स्वागत करते हैं लेकिन मुझे इस बात का बहुत अफसोस है कि मैंने सत्ता पक्ष की तरफ से कभी भी मेजे थपथपाने की आवाज नहीं सुनी। जब मुख्यमंत्री जी ने बिजली के बिलों के 1600 करोड़ रुपये की माफी की घोषणा की थी तब भी मेरे ख्याल से सत्ता पक्ष की तरफ से मेजें थपथपाने की वह गूंज नहीं थी जिसकी इनसे उम्मीद की जानी चाहिए थी।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, यह कमी आप पूरी कर देना।

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, हमने तो यह कहा है कि किसी भी अच्छे काम के लिए हम सरकार को भरपूर समर्थन देंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, क्या ये आपके इंडीपैंडेंट व्यूज हैं?

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, व्यक्तिगत व्यूज भी हो सकते हैं क्योंकि मेरा अपना वजूद भी तो है।

Mr. Speaker : Indora Ji, confine to your resolution please.

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं हैल्थ से रिलेटिड बातों की चर्चा करूँगा ताकि हमारे प्रदेश में सामाजिक, चिकित्सा और स्वास्थ्य सुरक्षा पैदा हो। हम सब खुद यह महसूस करेंगे और इसके लिए लोग हमें कहेंगे कि सरकार ने बहुत ही अच्छी व्यवस्था की है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूँगा कि आज जिन अस्पतालों की दयनीय स्थिति है और जहां पर सुविधाओं की कमी है वहां पर सर्वेक्षण करवा कर उन कमियों को दूर करें। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा बनने के बाद हरियाणा में ही एक पण्डित भगवत दयाल मैडीकल कॉलेज हमारे द्वारा खोला गया था जिसको आज पी.जी.आई. रोहतक के नाम से जाना जाता है। दूसरा मैडीकल कॉलेज हिसार में खोला गया था। वहां पर अग्रवाल समाज के लोगों ने चौधरी देवीलाल जी से विनती की थी कि वे एक मैडीकल कॉलेज खोलना चाहते हैं। चौधरी देवीलाल जी ने उनको सस्ते रेट में जमीन दी, और वहां पर मैडीकल कालेज की सुविधाएं दीं। अध्यक्ष महोदय, चाहिए तो यह था कि उस कॉलेज का स्टैण्डर्ड बढ़ाया जाता मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, एक बार वहां पर स्टूडैंटस को दाखिला दे दिया था लेकिन कुछ कमियों की वजह से उनको वहां से वापिस बुला लिया गया और तो और वहां पर पी.जी. आई. रोहतक से प्रोफैसर्ज को ट्रांसफर करके भेजा था लेकिन दूसरी सरकारों ने उन प्रोफैसर्ज को भी वापिस बुला लिया जिससे वहां पर डाक्टरों की कमी हो गई परिणामस्वरूप वहां पर व्यवस्था का प्रश्न खड़ा हो गया। आज अग्रोहा मैडीकल कॉलेज का जो स्वरूप होना चाहिए था वह नहीं हो पाया है। वहां पर गरीब लोगों का इलाज होना था और उनको सुविधा दी जानी थी लेकिन वह सब कुछ नहीं हो पाया है। अध्यक्ष महोदय, अगर हम अग्रोहा से दूरी मापें तो 300-300 किलोमीटर दूर तक एक तरफ अमृतसर में और दूसरी तरफ बीकानेर में मैडीकल कॉलेज हैं। इसी तरह से अग्रोहा से तीन-तीन सौ किलोमीटर के फासले तक मैडीकल कॉलेज का कोई इंतजाम नहीं है। इसलिए मेरा कहना यह है कि ऐसे एरियाज के लोगों को भी अच्छी सुविधाएं दी जानी

12.00 बजे

चाहिएं। सुपर स्पैशलिस्टस की सुविधा देकर और बाहर के डाक्टर्ज को बुलाकर इन एरियाज में भी सुविधाएं दी जानी चाहिएं। एक बात मैं और कहूँगा। हालांकि आई.ए.एस. लोबी कहेगी कि मैं उन पर कटाक्ष कर रहा हूँ लेकिन मैंने देखा है कि आई.ए.एस. अधिकारी तो हर दो साल में ट्रेनिंग के लिये विदेशों में चले जाते हैं लेकिन डाक्टर्ज या पैरा मैडीकल स्टाफ के लिए इस तरह की कोई ट्रेनिंग का प्रावधान नहीं है। अगर उनको भी इस तरह की ट्रेनिंग का चांस दिया जाए तो ये भी कुछ सीखकर आ सकते हैं। आज तो सुपर स्पैशलिस्टस का जमाना है और आज तो थर्ड जैनरेशन की दवाईयां आ गई हैं। इसलिए इस जमाने में हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर होना बहुत जरूरी है। हालांकि मैंने शुरू में ही बोलते हुए यह कहा था कि हरियाणा प्रदेश ने बहुत तरक्की की है। जब हरियाणा प्रदेश अलग होकर बना था उस समय क्या हालात थे यह आप जानते ही हैं। इस समय जो कमियां हैं उनकी व्यवस्था करके दूर करने की कोशिश की जानी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : सर, क्योंकि सुपर स्पैशलिस्टस अस्पतालों की बात चल रही है मैं आपकी अनुमति से इस बारे में इन्दौरा जी को बताना चाहता हूँ कि तीन सुपर स्पेशलिस्टस अस्पताल प्राईवेट सैक्टर में दिये गये हैं। तीन सुपर स्पेशलिस्टस अस्पतालों को प्राइवेट सैक्टर में खोलने के लिए हुडा ने जमीन दी है। मैं इस बारे में इनको बताना चाहूँगा कि हुडा ने सैक्टर 8 फरीदाबाद में 4.8 एकड़ जमीन अंशु होस्पिटल, फरीदाबाद को दी है, सैक्टर 16-ए, फरीदाबाद में 3.40 एकड़ जमीन मैट्रो स्पैशियलटी होस्पिटल, नई दिल्ली को दी है और सैक्टर 51, गुड़गाँव में साढ़े आठ एकड़ जमीन अर्टमाइस मैडीक्योर सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को दी है। इसके साथ-साथ गरीब आदमी को भी सुविधा मिले, इसके लिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि नोर्मल चार्जिज का तीस परसैंट सबसिडाइज्ड रेट बीस परसैंट फंक्शनल बैडज को मिलेगा और 20 परसैंट ओ०पी०डी० फ्री का वीकर सैक्शन ऑफ सोसायटी को मिलेगा। पिछली सरकार ने भी इस तरह की सुविधा दी थी लेकिन उस समय यह संख्या मात्र पाँच प्रतिशत थी।

श्री नरेश मलिक : सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इन्दौरा जी ने मैडीकल कॉलेज रोहतक के बारे में बात की थी लेकिन मैं इनको बताना चाहूँगा कि इन्हीं के नेता ने वहां से ट्रौमा सैंटर ले जाकर करनाल में दे दिया। अगर ये चाहते तो उस समय करनाल में और ट्रौमा सैंटर खोल सकते थे लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : सर, वैसे तो डॉ० इन्दौरा जी का रैजोल्यूशन आपने स्वीकार कर लिया है और कई माननीय सदस्य इस पर बोलेंगे भी लेकिन मेरे माननीय सदस्य ने कुछ ऐसी बातें कही हैं कि जिनका मैं अभी जवाब दे देती हूँ। बहुत अच्छा होता कि जब इनकी सरकार थी तो उस समय इस तरह के ये सुझाव देते। इनको जानकारी होनी चाहिए कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर इन्होंने हमें दिया है हमने तो उसी पर काम करना है। एक साल में तो उसमें पूरा सुधार भी नहीं आ पाया है क्योंकि इनका ध्यान स्वास्थ्य की तरफ था ही नहीं। इन्होंने स्वास्थ्य के लिये जितना पैसा दिया था उसका 66 प्रतिशत पैसा बढ़ाकर हमने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दिया है। इन्होंने कभी भी बिल्डिंग्ज की तरफ ध्यान नहीं दिया कि ये बिल्डिंग्ज मरीजों के लायक हैं या नहीं। ये तो बहुत ज्यादा बोल चुके हैं और न जाने कितनी बार बोल चुके हैं और अपने विषय

[बहिन करतार देवी]

से कोसों दूर जाकर बोल लिए हैं। ये न जाने राजनीति की कितनी उल्टपुल्ट बातें कर रहे हैं। सर, मैं अपने विषय से अलग जाकर बात नहीं करना चाहती। मैं फैक्टस ही सदन के सामने रखना चाहती हूँ। इस बार 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी इस बजट में स्वास्थ्य के मद में रखी गई है और हर जगह यह ध्यान रखा गया है कि गरीब आदमी को यह सारी सुविधाएं मिलें। स्वास्थ्य कार्यक्रम की चर्चा की गई। स्पीकर सर, मुझे बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि हैल्थ विभाग की एक मीटिंग में मुझे बताया गया कि स्वास्थ्य कार्यक्रम में हरियाणा का 17वां नम्बर है। मुझे याद है कि यह विभाग मुझे तीसरी बार देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। स्वास्थ्य कार्यक्रम के मामले में तमिलनाडु, केरल और एक दो राज्यों को छोड़कर हमारा सारे देश में 5वां नम्बर होता था लेकिन आज हमारा राज्य 17वें नम्बर पर आ गया इसका कारण क्या है? इसका कारण है कि जो स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सकती थीं, वह नहीं दी गई। जो राष्ट्रीय कार्यक्रम की बात कही गई है। उसके बारे में मैं आपको बताना चाहती हूँ कि इस समय हमारे पाँच राष्ट्रीय प्रोग्राम हैं और पाँचों कार्यक्रमों में इस वर्ष काफी वृद्धि हुई है, खासतौर से एड्स कन्ट्रोल के कार्यक्रम में। भारत सरकार ने इस कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की है और कहा है कि यह बहुत अच्छा है। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि कहने और करने में बहुत अन्तर होता है कह देना आसान होता है लेकिन करना मुश्किल होता है। एक बात मुझे याद आती है। एक बहुत बड़ा मूर्तिकार था उसने एक बहुत सुन्दर मूर्ति बनाकर उसको जनता के लिए रख दिया और कहा कि इस मूर्ति में अगर कोई कमी हो तो इस पर निशान लगा दें। जिन व्यक्तियों ने कभी ड्राईंग नहीं पढ़ी थी उन्होंने किसी ने नाक पर किसी ने आँख पर निशान लगा दिए और शाम को जब उस मूर्तिकार ने वह मूर्ति देखी तो पाया कि उस पर तो हजारों निशान लगे हैं। जो भी वहां पर आया उसने कहीं नाक पर, कहीं आँख पर निशान लगा दिया। अगले दिन उस मूर्तिकार ने वही मूर्ति उसी स्थान पर फिर रखी और उस पर लिख दिया कि जो भी व्यक्ति इस मूर्ति में कमी देखे वह उसका सुधार कर जाए। शाम को वह क्या देखता है कि उस मूर्ति पर कोई निशान नहीं था। यही बात शत-प्रतिशत विपक्ष के भाईयों पर लागू होती है। इनके समय में जो बजट था ये भाई उसके आंकड़ों को देखें, ये इनके प्रोग्राम देखें कि इन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए जनता के लिए क्या किया? फिर भी माननीय सदस्य की चिन्ता के साथ हमारी चिन्ता है। ये प्राईवेट अस्पताल की बात करते हैं। स्पीकर सर, मैं एक बात सदन को बताना चाहती हूँ कि एक नया प्रोग्राम 'विकल्प' के नाम से हमने शुरू किया है जहां हमारे पास स्पैशलिस्ट नहीं है अगर वहां के लिए जो स्पैशलाईज्ड प्राईवेट डॉक्टर हैं यदि वे बढ़िया सेवा देने के लिए तैयार हैं तो उनकी सेवाएं हम जरूर लेंगे। ये भाई कहते हैं कि प्राईवेट डॉक्टरों से तालमेल रखना चाहिए। मैं इनको बताना चाहूँगी कि मैं इस बारे तीन बार आई.एम.ए. के साथ मीटिंग कर चुकी हूँ। जनरल पब्लिक में भी यह मीटिंग की है। उन्होंने आश्वासन दिया है और कहा है कि आपका जो रूरल हैल्थ कमीशन है, उसको हमारा पूरा सहयोग रहेगा। जिन डॉक्टरों ने यह माना है कि हम आपके साथ कोआपरेट करेंगे, ऐसे बहुत सारे डॉक्टरों की सेवाएं हमने ली हैं ताकि आम आदमी को जहां हमारे पास सुविधाएं नहीं हैं उनको स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। यहां पर सैक्स रेशो की भी चर्चा की गई। मुझे इस बात की खुशी है कि इनके मन में भी

यह बात तो आई कि यह समाज में गलत हो रहा है। इनके समय में इन्स्टीच्यूशनल डिलीवरी कितनी होती थी। इस वर्ष हमने 40 हजार इन्स्टीच्यूशनल डिलीवरी कराई हैं। जहां तक डिलीवरी हट्स का सवाल है। जब यह बजट में लिखा गया था उस समय तक ये 160 थी और जिस दिन यह बजट पेश किया गया उस दिन 230 डिलीवरी हट्स थी और आज के दिन यह 236 हैं और मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती हूँ कि 31 मार्च तक 300 की 300 डिलीवरी हट्स चालू कर दी जाएंगी ताकि हर गरीब से गरीब औरत को डिलीवरी की मुफ्त सुविधा मिल सके। इनके लिए किसी से कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा इसमें यह भी सुविधा दी गई है कि अगर ए.एन.एम. के बस से बाहर वह केस हो जाता है और उस मरीज के पास किराये के भी पैसे नहीं हैं तो उस ए.एन.एम. को हमने दस हजार रुपये दिए हैं ताकि वह उस मरीज को गाड़ी प्राइवेट करके, उस मरीज के साथ होस्पिटल में जाए, नजदीक कोई भी नर्सिंग होम हो उस डॉक्टर की फीस भी हम देंगे और उसकी डिलीवरी सही कराएंगे। मैं यह बात दावे के साथ तो नहीं कहती हूँ कि सैक्स की रेशो में कमी आई है ये कमी तो धीरे-धीरे कम होगी। मैं डॉक्टर इन्दौरा को एक विश्वास दिलाना चाहती हूँ और एक निवेदन भी करना चाहती हूँ कि लोकतंत्र की गाड़ी दोनों पहियों से चलती है। लेकिन अपोजिशन का यह तो धर्म होना चाहिए कि पहले हमने अपने समय में क्या किया है और उसमें इस सरकार ने कोई कमी नहीं लाई है बल्कि उसमें कुछ न कुछ बढ़ौतरी ही की है। आप देखें कि हमने हर कमी को पूरा करने की कोशिश की है। अभी सवाल आया था कि एक आई.टी.आई. को बन्द कर दिया। आप लोगों ने तो रोहतक के ट्रौमा सैंटर को करनाल में ट्रांसफर कर दिया था। अगर हमारे अन्दर भी बदले की भावना होती तो हम भी उसको वापिस रोहतक ले जाते। हमने और भी ज्यादा ट्रौमा सैंटर प्रोवाईड करने हैं। करनाल में जो ट्रौमा सैंटर है उसको इम्प्रूव करना है और रिवाड़ी तथा सिरसा में भी ट्रौमा सैंटर स्थापित करेंगे। सिरसा इन्दौरा साहब, आपका जिला है। हम सभी जगह एक समान सुविधाएं दे रहे हैं, कोई भेदभाव नहीं कर रहे हैं। हमारे प्रयास हैं कि हम हर जिले में एक-एक ट्रौमा सैंटर खोलें। अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार की जब भी कोई मीटिंग होती है उसमें हम पूरी तरह से तैयारी करके जाते हैं। विपक्ष के साथियों को खुशी होगी कि इन्होंने जो प्रदूषण की चिन्ता व्यक्त की है उसकी तरफ हम ध्यान दे रहे हैं। एक हमने नया प्रोजैक्ट शुरू किया है जो लागू इनकी सरकार के समय से है लेकिन इन्होंने इस बात की परवाह नहीं की। अभी जो 2005 में आई.एस.डी.पी. हमें मिला है जो 2009 तक चलेगा। जिसमें यह बीमारियां तुरन्त डिटैक्ट हो सकती हैं। इस तरह का प्रोग्राम हम ला रहे हैं। इसकी स्थापना काफी समय पहले होनी थी लेकिन वह हमने अब स्थापित किया है। जिसमें एक करोड़ रुपये स्टेट की तरफ से दिया गया है और एक करोड़ रुपये भारत सरकार की तरफ से दिया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत हमने सिविल सर्जन को पावर दी है कि यदि किसी ऐसे परिवार के सदस्य का हार्ट या कैंसर का आपरेशन होता है जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है और जो महंगी दवाईयां नहीं खरीद सकता, उसका इलाज इस स्कीम के तहत पैसा खर्च करके किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, यदि विपक्ष के साथी चाहते तो ये भी अपने समय में यह प्रोग्राम लागू कर सकते थे लेकिन इन्होंने नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं यह कहना चाहती हूँ कि हमारे यहां स्वास्थ्य केन्द्रों का इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरे भारत से बहुत अच्छा था लेकिन

[बहिन करतार देवी]

पिछली सरकार ने उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया और आज हर जगह से यही मांग आ रही है कि हमारी पी०एच०सी० की बिल्डिंग गिर गई है या हास्पिटल की बिल्डिंग गिरने वाली है। हमारा एक साल का समय ज्यादातर तो बिल्डिंग्ज रिपेयर करने में ही लगा है और आने वाले समय में हम और पी०एच०सी० और सी०एच०सी० बनाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक अग्रोहा कॉलेज की बात कही गई है। सभी को पता होगा कि वहां की मैनेजमैंट सरकारी नहीं है। वहां सरकार बिल्डिंग बनाने के लिए 50 : 50 के हिसाब से पैसे देती है। वह कॉलेज हमने बंद नहीं किया था। जिस समय मैं पहले स्वास्थ्य मंत्री थी उस समय सरकार 50 प्रतिशत से अधिक पैसा उस कॉलेज के लिए दिया करती थी। मुझे दुःख है कि बीच में वह कॉलेज बंद कर दिया गया था। चौटाला जी ने शुरू जरूर करवाया लेकिन जो पिछला डैफीसिट था वह पूरा नहीं करवाया। वह हमने पूरा करवाया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे पूरे प्रयास हैं कि हम उसको रोहतक मैडीकल कालेज के बराबर का कॉलेज बनाएं। लेकिन उसके लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की जरूरत है या डॉक्टर्ज की एप्वायंटमैंट करने की जरूरत है उसमें समय लगता है। एकदम कहने से काम नहीं होता। अध्यक्ष महोदय, मेरे साथियों ने और भी बहुत से मुद्दे उठाए हैं जिनकी चर्चा करनी बहुत जरूरी है। इन्दौरा जी प्राईवेट और सरकारी डॉक्टरों की तुलना कर रहे थे। मैं इनको बताना चाहूँगी कि प्राईवेट डॉक्टर तो उनका ईलाज करते हैं जो उनके पास जाते हैं और जो उनको पैसा देते हैं। मेरे साथी ने पीलिया और मलेरिया आदि बीमारियों का भी जिक्र किया। जिस समय इस तरह की बीमारियां फैल जाती हैं उस समय सरकारी डॉक्टर ही इन बीमारियों पर काबू पाने के लिए दौड़ते हैं, प्राईवेट डॉक्टर नहीं दौड़ते। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में मलेरिया रोकने के लिए जिस दवाई का छिड़काव किया जाता था उसे भी बंद कर दिया था। अब इसे दोबारा हमने शुरू किया है। इसके अतिरिक्त मलेरिया को खत्म करने के लिए हमने एक और तरीका निकाला है। हम महाराष्ट्र सरकार की तरह कम्बूजिया फिश पानी में छोड़ेंगे जो लारवा को खा जाती है जिससे कि मलेरिया की बीमारी फैलती है। इसके अतिरिक्त हमारे टी.बी. कंट्रोल प्रोग्राम की भी सारे देश में सराहना हुई है कि हम टी.बी. की सारी दवाईयां मुफ्त में दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त हमने स्वयं सेवक भी छोड़े हैं जो अपने सामने टी.बी. के मरीजों को दवाईयां खिलाते हैं। क्योंकि हकीकत में यह होता है कि टी.बी. का मरीज कुछ महीने दवाई खाता है तो उसकी बीमारी कम हो जाती है और उसे लगता है कि वह ठीक हो गया। इसलिए वह पूरा कोर्स नहीं करता और यह बीमारी दोबारा कुछ सालों बाद फिर हो जाती है। अब हम उनका पूरा इलाज कर रहे हैं और हमारे स्वास्थ्य कर्मी अपने सामने ये दवाईयां टी.बी. के मरीजों को खिलाते हैं। यदि कोई स्वयं सेवक भी ये दवाईयां खिलाने की जिम्मेवारी लेना चाहे तो उसको भी ये दवाइयां हम प्रदान करवाते हैं।

कृषि मंत्री (सरदार एच.एस. चट्ठा) : अध्यक्ष महोदय, जो रैज़ोल्यूशन यह लेकर आए हैं उस पर ये सारे पहले बोल लें उसके बाद जवाब आए। That will be appropriate. यह नया प्रैसीडैंट आ गया कि चार लफ्ज ये कह लेते हैं फिर चार बार जवाब आ जाता है। फिर चार अक्षर ये बोलते हैं। फिर जवाब आ जाता है। Let him finish first.

श्री अध्यक्ष : चट्ठा साहब, ये कन्वैंशन रही हैं, मोडीलीटीज रही हैं। Minister or any

Minister of the Government can intervene at any point of time. यह कन्वैंशन रही हैं। (interruptions) यह व्यवस्था का प्रश्न नहीं है कि आप कंटीन्यू करेंगे या नहीं करेंगे। (विघ्न) डॉ० साहब, आप इतना इनसिक्योर क्यों फील कर रहे हैं? (विघ्न) Indora ji, why are you feeling insecure? You are moving your resolution. Keeping in view the sense of House, please continue your speech.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, माननीय इन्दौरा साहब से मेरा अनुरोध है कि वे जरूर बोलें। तकरीबन 60 मिनट वे बोल भी चुके हैं और वे जितना चाहें और भी बोल लें लेकिन कई और साथी हैं उनके हाथ बार-बार खड़े हो रहे हैं और वे बोलना चाहते हैं इसलिए मेरा इनसे अनुरोध है कि ये बोलते हुए थोड़ा-सा उन सदस्यों का भी ध्यान रख लें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर साहब, मैं सदन के माननीय सदस्यों का ध्यान रखते हुए 5-7 मिनट का समय और लूंगा। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो स्वास्थ्य मंत्री महोदया की योग्यता पर मुझे कोई शंका नहीं है। इनके नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर पूरा असर पड़ेगा वे हमारी नेता हैं और विशेष तौर से दलितों की नेता हैं, गरीबों की नेता हैं और इन दलितों तथा गरीबों का विशेष ध्यान रखेंगी इसमें कोई दो राय नहीं है। (विघ्न) ये हमारे लिए आदरणीय हैं। मैं सिर्फ दो-तीन मिनट में अपनी बात खत्म कर लूंगा और अपने साथियों का भी ध्यान रखूंगा। जैसे मैडीकल कॉलेज, अग्रोहा का जिक्र किया गया था उसी तरह से जो स्टेटस हमारे मैडीकल कॉलेज, रोहतक का है सुपर स्पैशैलिटी के अतिरिक्त जो दूसरी सुविधाएं हैं, लाईब्रेरी और लैबोरेटरी की सुविधा, वह बढ़ाई जानी चाहिए। लैबोरेटरी में जो कमियां हैं इनको दूर किया जाना चाहिए। आज ऐसे आधुनिकतम साधन और सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनको हम बीमारियों को डिटैक्ट करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां पर यह कहना भी आवश्यक है कि इसके लिए हमें ट्रेंड डॉक्टरों की जरूरत है लेकिन वहां पर डॉक्टर्ज काम नहीं करना चाहते इसलिए ट्रेंड डॉक्टर्ज को कुछ इन्सैंटिव दे कर इस ओर लगाया जाए ताकि उनकी सेवाओं का लाभ आम आदमी को मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मेरा प्राईवेट रैजोल्यूशन है और सरकार पर कोई आरोप लगाने की मेरी कोई मंशा नहीं है। मैंने जो कुछ भी कहा है उसका मकसद सिर्फ इतना है कि सरकार व्यवस्था को ठीक करे। अगर सरकारी रैजोल्यूशन होता तब भी मैं यही सुझाव देता। प्राईवेट मैंम्बर बिल की व्यवस्था के बारे में आप तो जानते ही हैं। तीसरी बात मैडीकल स्टाफ के बारे में है। मैं यहां पर माननीय श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला जी का जिक्र करूँगा। इनके नेतृत्व में हम मैडीकल कॉलेज, रोहतक में गए थे तो वहां पर सीढ़ियों पर हमने देखा था कि वहां पर बहुत ज्यादा गन्दगी थी। हालांकि इसमें सरकार का कोई कसूर नहीं होता लेकिन मैनेजमैंट के ध्यान में लाना जरूरी है क्योंकि जहां पर गन्दगी होगी वहां पर बीमारियां भी होंगी। जितने भी इन्स्टीच्यूट्स हैं उनमें साफ सफाई का प्रबन्ध होना चाहिए और अगर कहीं पर स्टाफ की कमी है तो उसका पूरा इन्तजाम किया जाना चाहिए। मैंने सुना है कि वहां की सफाई का काम किसी ठेकेदार को दिया हुआ है, ठेकेदार तो अपनी दिहाड़ी बनाएगा और चला जाएगा। उसको अपनी कमाई से मतलब है न कि सफाई से। इसलिए ठेकेदारी के सिस्टम को अगर आप अच्छा मानते हैं तो उसमें ठेकेदार के प्रति सजग रहें कि उसको जो जिम्मेदारी दी गई है वह उसको कैसे निभाए। सरकार की तरफ से एक

[डॉ॰ सुशील इन्दौरा]

बात यह भी आई है कि प्राईवेट डॉक्टरों को हुडा ने जमीनें दी थीं। अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन में अपोलो एक माना हुआ होस्पिटल है और बहुत ही सम्पन्न और अमीर लोग वहां पर इलाज करवाने के लिए जाते हैं। जो एग्रीमैंट किया जाता है उसमें यह लिखा जाता है कि इतने परसैंट सेवा गरीबों को देंगे। इसी तरह से हुडा ने जो जमीन दी है उसमें भी एग्रीमैंट हुआ होगा। मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमें एक व्यवस्था बनानी चाहिए। सरकार ने जो सुविधा देने की बात कही है क्या सरकार उस सुविधा पर चैक रखेगी? (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्वायंट रेज किया है उस बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि पिछली सरकार में 1.1.1999 को सैक्टर 31, गुड़गांव में डॉक्टर बंसल को, मैडी सिटी सैक्टर 43, गुड़गांव में डॉक्टर त्रेहन को और सैक्टर 44, गुड़गाव में फोर्टिज हार्ट के तीन डॉक्टरों को केवल पाँच प्रतिशत फ्री बैड की व्यवस्था पर जमीन दी थी। इसके मुकाबले में हमारी सरकार ने हुडा के माध्यम से उसको इम्प्रूव करके 30 प्रतिशत नार्मल चार्जिज, 20 प्रतिशत फंक्शनल बैडज और 20 प्रतिशत ओ.पी.डी. फ्री की सैटलमैंट की है। हमने हुडा के माध्यम से जमीन उनको इन्हीं शर्तों पर दी है और एक अच्छी व्यवस्था बनाई है।

डॉ॰ सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से एक नैशनल प्रोग्राम है उसमें जैसे बर्थ रेट, डैथ रेट और एम.एम.आर. है। सरकार को इन सभी प्रोग्राम्ज के लिए सुचारू रूप से व्यवस्था करनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से सभी साथियों से कहूँगा कि यह एक अच्छा रैजोल्यूशन है और हम चाहते हैं कि हरियाणा प्रदेश के लोगों को अच्छी चिकित्सा पद्धति, स्वास्थ्य सुरक्षा मिले। इसलिए मेरा सभी साथियों से निवेदन है कि इस रैजोल्यूशन को सर्वसम्मति से आडप्ट कर लिया जाए। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker: Motion moved—

> This House expresses its great concern over the inadequate availability of medical facilities in the Hospitals of Government sector in comparison to the private sector. The diseases are on the increase because of pollution caused by indusrialization at the large scale in the State. This house, therefore, recommends to the State Government to take effective steps for bringing radical improvement in the medical system in Government and private sectors for making it cheap and simple in the State.

श्री नरेश कुमार प्रधान (बादली) : स्पीकर सर, सबसे पहले मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करना चाहूँगा कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, हम अनपढ़ तो थे ही हमें बावले भी समझ लिया था और हमें कई दिनों बाद बोलने का मौका दिया गया। (हंसी) स्पीकर सर, सबसे पहले मैं माननीय वित्त मंत्री जी को और आदरणीय मुख्यमंत्री जी को एक शानदार बजट पेश करने के लिए बधाई देना चाहूँगा। इस बजट में हर वर्ग चाहे उसमें कर्मचारी, अधिकारी, किसान, मजदूर, सैनिक या व्यापारी हो, सभी को लाभ पहुंचाने के बारे में विशेष ध्यान

रखा गया है और एक अच्छे बजट को पास किया गया है। स्पीकर सर, मैं सदन का ध्यान एक बात की ओर आकर्षित करना चाहूँगा कि यहां पर सत्ता पक्ष की तरफ से हरियाणा में भय मुक्त प्रशासन देने की बात कही जाती है और किसी के साथ अन्याय नहीं होगा, की बात आती है तो अपोजीशन वाले भाई यह कहते हैं कि अभी हरियाणा में भय मुक्त प्रशासन नहीं आया है। स्पीकर सर, मैं अपोजीशन की इस बात से सहमत हूँ और इनका समर्थन करता हूँ क्योंकि हरियाणा में जो सबसे बड़ा अपराधी था वह प्रांत से और देश से बाहर भागने में कामयाब हो गया है। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, जब तक हरियाणा सरकार उसको पकड़कर जेल में नहीं डाल देती है तब तक हरियाणा को भयमुक्त प्रशासन मिल गया कहना हरियाणा की जनता के साथ नाइंसाफी होगी। सभापति महोदय, उस जल्लाद ने गुण्डागर्दी की हर सीमा पार कर दी थी। पहले तो उसने किसानों को बिजली के बिल न भरने के लिए प्रेरित किया और जब किसानों ने बिजली के बिल माफ करने के बारे में संघर्ष किया तो उन पर गोलियां चला दी। (विघ्न)

श्री सभापति : नरेश जी, आप प्रस्ताव पर बोलें। (विघ्न) वैसे तो यह भी स्वास्थ्य से रिलेटिड ही बात है। (विघ्न) नरेश जी, आप स्वास्थ्य पर जो रैजोल्यूशन आया है उस पर ही बोलें। (विघ्न)

श्री नरेश कुमार प्रधान : चेयरमैन सर, मैं प्रस्ताव पर ही बोलूंगा। सर, ये लोग तो कुछ भी कहते रहते हैं लेकिन इनको आप नहीं रोकते। इन्होंने किसानों को बिल न भरने के लिये प्रेरित किया। लेकिन बाद में उनसे उगाही की गयी और जब किसानों ने ये बिल्ज देने से मना कर दिया तो निहत्थे आठ किसानों को मौत के घाट उतार दिया गया। (विघ्न) चेयरमैन सर, जब तक ओम प्रकाश चौटाला सलाखों के बाहर हैं तब तक हरियाणा भय मुक्त हो भी कैसे सकता है? (विघ्न)

संसदीय सचिव (कुमारी शारदा राठौड़) : चेयरमैन महोदय, ये हरियाणा प्रदेश के राजनैतिक स्वास्थ्य की बात कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री सभापति : इसलिये तो मैं इनको बोलने दे रहा हूँ। (विघ्न) नरेश जी, आप रैजोल्यूशन पर ही बोलें।

श्री नरेश कुमार प्रधान : चेयरमैन महोदय, लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ा हुआ है मैं उनकी भी बात रखूंगा। किसानों की हत्या करने वाले शाही महलों में ठाठ कर रहे हैं और खुले आसमान के नीचे खुली हवा में सांस ले रहे हैं इसलिये मैं तो यह हरियाणा प्रदेश का दुर्भाग्य ही समझता हूँ क्योंकि जब तक वह हत्यारा जेल के अंदर नहीं जायेगा तब तक हरियाणा में अमन चैन नहीं हो सकेगा। (विघ्न)

श्री सभापति : नरेश जी, आप रैजोल्यूशन पर ही बोलें। (विघ्न)

श्री नरेश कुमार प्रधान : चेयरपर्सन महोदय, राजनैतिक लोगों के ऊपर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ऊपर उन्होंने झूठे मुकदमे बनाये और जिस पार्टी ने उनका समर्थन किया था उनको भी इन्होंने नहीं बख्शा। (विघ्न)

श्री सभापति : डॉ० साहब, आप सुनें तो सही कि वे क्या बोल रहे हैं? (विघ्न) नरेश जी, अगर आप रैजोल्यूशन पर नहीं बोलेंगे तो मैं राधेश्याम शर्मा जी को बोलने के लिये कह दूँगा। (विघ्न) अब राधेश्याम शर्मा जी बोलेंगे। (विघ्न)

श्री नरेश कुमार प्रधान : सर, मैं अब दूसरी बात कहूँगा। मैं अब अपने हल्के की बातें कहूँगा।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : चेयरमैन महोदय, यह बेचारा तो स्वास्थ्य पर ही कहना चाहता है लेकिन उसको दूसरी तरफ कर दिया गया है। वह जो कहना चाहता था मैं उसकी बात को पूरी कर देती हूँ। जब 9 किसानों की हत्या हुई थीं और जब उनके परिवार वाले उनके शव लेने के लिये मैडीकल कॉलेज रोहतक में आये थे तो उनके स्वास्थ्य का इतना ख्याल रखा गया था कि उनकी धर्मपत्नी और मातायें रो रही थी और उनके आँसू पोंछने की बजाये उस निर्दयी शासक ने डॉक्टरों को ये आदेश दे दिये थे कि जो किसान मरे हैं उनकी रिपोर्ट में यह नहीं लिखा जाये कि इनको गोली लगी है। चेयरमैन महोदय, उस समय आप भी वहां मौजूद थे और मैं स्वयं भी वहां मौजूद थी। लेकिन यह तो भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की हिम्मत थी और हमने भी यह कहा कि अगर इस तरह गुण्डागर्दी होगी तो हम यहां से डॉक्टरों को जाने नहीं देंगे। तब उन डॉक्टरों ने सही काम किया था। उसके बाद क्या बात हुई ये उनके बीच की बात थी। उसके बाद उन मृतकों का पोस्टमार्टम हुआ। इन्दौरा साहब, उस समय आप यह बात समझा देते कि क्या इतनी निर्दयता किसी शासक को करनी चाहिये? आप दोनों डॉक्टर हैं अगर आप उस वक्त यह बात करते तो अच्छा होता। यह बात भाई नरेश शर्मा कहना चाहते थे लेकिन उसको ये बोलने नहीं दे रहे हैं। (विघ्न)

श्री सभापति : बहन जी, सच्चाई के साथ बात कह रही है उसे सुनने की जरूरत है।

श्री रामफल चिराणा : चेयरमैन महोदय, एमरजेन्सी में क्या हुआ था उस समय की भी ये चर्चा कर लें? (विघ्न)

श्री सभापति : आप रैजोल्यूशन पर ही बोलें।

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बढ़ती हुई जनसंख्या पर कंट्रोल करने के लिये बात कह रहे थे इनको तो सोचना चाहिये। श्रीमती सोनिया गांधी ने यह कहा है कि परिवार छोटा होना चाहिये और श्रीमती इन्दिरा गान्धी जी ने भी परिवार को छोटा करने के लिये कहा था। लेकिन इनकी पार्टी ने 1977 का इलैक्शन उस प्वायंट को लेकर लड़ा और ये इलैक्शन जीत भी गये। इन्होंने हमेशा अच्छी बातों का विरोध किया है।

डॉ० सीताराम : अगर एमरजैन्सी ठीक थी तो दोबारा एमरजैन्सी लगानी चाहिये। (विघ्न)

बहिन करतार देवी : देश के हित के लिये यह कार्य किया था।

श्री सभापति : आप सभी की आदत हो गई है एक खड़ा होता है तो उसके साथ सारे खड़े हो जाते हैं। सभी सदस्य सुनने का प्रयास करें ताकि अच्छी बात का पता लग सके।

श्री नरेश कुमार प्रधान : ठीक है चेयरमैन महोदय, मैं चौटाला साहब के स्वास्थ्य की कामना करता हूँ कि वे जल्दी से ठीक हो जायें तब मैं उनके आने के बाद उनसे ही बात करूँगा। सर, आज हरियाणा प्रान्त के अन्दर एक ईमानदार और जन-कल्याणकारी सरकार कार्य कर रही है। आम आदमी के हितों का ध्यान रखा जाता है। मेरे बादली हल्के में पिछली सरकार के समय में एक सी०एच०सी० को पी०एच०सी० बना दिया गया था जबकि हमारे बड़े भाई उस सरकार में मंत्री भी थे इसलिए मेरा सरकार से नम्र निवेदन है कि उस पी०एच०सी० को दोबारा से सी०एच०सी० बनाया जाये। चेयरमैन महोदय, हमारी नहरों में पानी तो खूब बहता है लेकिन छोटी-मोटी बाधाओं के कारण पानी टेल तक नहीं पहुँच पाता। (विघ्न)

श्री सभापति : डॉक्टर साहब, यह बजट पर नहीं बोले थे इसलिये इनको दो मिनट और बोल लेने दें।

श्री नरेश कुमार प्रधान : चेयरमैन महोदय, अब मैं जनस्वास्थ्य की बात करना चाहता हूँ जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य दोनों की बात कर रहा हूँ। एक तो हमारी नहरों में पानी भिजवाया जाये। चेयरमैन महोदय, एक एजूकेशन कमेटी का पत्थर चौटाला साहब ने रखा था लेकिन बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि उस पर आज कुत्ते मूत रहे हैं जिसके कारण हमें शर्म आती है। उस शर्म के मारे हमने किसानों से और मजदूरों से खुद चन्दा इकट्ठा किया है और गुलिया खाप ने एक कमेटी बनाकर एक कॉलेज की बिल्डिंग बनाई है और उसमें अब क्लासिज भी लगने लग गई हैं। इस बारे में चाहे चैक किया जा सकता है। चौटाला साहब ने तो हमारे साथ छल कर दिया था लेकिन हमने चन्दा इकट्ठा करके कॉलेज बनाया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस कॉलेज को सरकारी कॉलेज बनाया जाये। अगर बोलते समय मेरे से किसी प्रकार की गलती हो गई है तो उसके लिये मैं माफी चाहता हूँ। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये आपका धन्यवाद।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर (नारनौल) : आदरणीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया इसके लिये मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। भाई नरेश शर्मा ने सारे सदन को एक बार फिर चुस्त-दुरुस्त कर दिया इसलिये मैं इनका भी आभार प्रकट करता हूँ। आज शहीदी दिवस है और हमारे सदन के नेता आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सदन में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिये जो प्रस्ताव लेकर आये हैं मैं भी उस प्रस्ताव में अपने आपको शामिल करता हूँ। हमारे देश के सभी महान शहीदों को मैं श्रद्धांजलि देता हूँ। शहीदे-आजम भगत सिंह, राजगुरु, और सुखदेव ने देश की आजादी में बहुत बड़ा योगदान दिया। सभापति महोदय, जो कल्याणकारी राज होता है, जो अच्छा राज होता है, जिसको हम राम राज कहते हैं उसके अंदर नागरिकों का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है क्योंकि जब तक आदमी शरीर से स्वस्थ नहीं होता तब तक वह न अपने लिये कुछ कर सकता है, न समाज के लिये कुछ कर सकता है। इसीलिये हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है कि 'पहला सुख निरोगी काया है।' नागरिकों की निरोगी काया रखने के लिये जो सरकार अच्छे काम करे, वही अच्छी सरकार होती है। ऐसे राज के बारे में हमारे महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है कि --

'दैहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज काहे नहीं व्यापा'

[श्री राधेश्याम शर्मा अमर]

इसका मतलब यह है कि राम राज में किसी भी आदमी को न शारीरिक कष्ट होता था, न मानसिक और न आध्यात्मिक कष्ट होता था। ऐसी व्यवस्था कोई सरकार अपने नागरिकों के लिये करे वह सबसे अच्छी सरकार होती है। इसी बारे में दूसरे कवि ने कहा है--'रोग की चिंता नहीं तन के लिये', यानि तन जब रोग की चिंता से ग्रस्त हो जाता है तो वह बरबाद हो जाता है और किसी काम के लिये नहीं रहता। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूँगा कि सरकार प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान दे। सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदया को बताना चाहूँगा कि स्वास्थ्य को ठीक करने के लिये आदमी की आर्थिक स्थिति भी ठीक होना बहुत जरूरी है। दरिद्रता अपने आप में एक अभिशाप है। बीमार आदमी को होस्पीटल जाने के लिये कार और रिक्शे की जरूरत होती है और कार और रिक्शा बिना पैसे लिए नहीं जाते। इसलिये आर्थिक स्थिति भी ठीक होना बहुत जरूरी है। जो आंकड़े मेरे पास मौजूद हैं उनके आधार पर मैं बताना चाहूँगा कि 1999-2000 में 2728 लोगों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाता था और अब 2005 में 48664 लोगों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है। इसके लिये मैं सरकार को बधाई देता हूँ। इससे जनता को यह फायदा होगा कि 48000 लोगों को भत्ता दिया जा सकेगा और एक परिवार में पाँच सदस्यों के हिसाब से मानें तो लगभग दो लाख लोगों को इसका फायदा होगा। सभापति महोदय, जिस समय हरियाणा प्रदेश बना उस समय 1.99 रुपये प्रति व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च किया जाता था और अब 199 रुपये प्रति व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च किये जाते हैं। सभापति महोदय, कहां दो रुपये और कहां दो सौ रुपये? इससे पता चलता है कि यह सरकार बहुत बढ़िया है और यह इस बात का सबूत भी है कि सरकार लोगों के स्वास्थ्य की तरफ विशेष ध्यान दे रही है तथा जो अच्छी सरकार का कर्त्तव्य होता है उसको पूरा करने की तरफ आगे बढ़ रही है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री महोदया के ध्यान में लाना चाहूँगा कि सैक्स रेशो महेन्द्रगढ़ जिले में सबसे अधिक है। इसका कारण यह है कि वहां पर भ्रूण हत्या सबसे अधिक होती है। इसलिये जो डॉक्टर इस तरह का काम करते हैं उन पर शिकंजा कसा जाये क्योंकि भ्रूण हत्या न केवल कानूनी अपराध है बल्कि यह बहुत बड़ी सामाजिक बुराई भी है। इसकी तरफ मंत्री महोदया ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें। इसके अतिरिक्त मैं मंत्री महोदया की नॉलेज में यह बात भी लाना चाहूँगा कि हमारे निजामपुर क्षेत्र में 15 गाँव आते हैं। वहाँ होस्पिटल बनाने के लिए सरकार ने अपनी योजना के अनुसार जमीन मांगी थी कि ये गाँव कहीं पर भी उपयुक्त जमीन दे दें। उसके बाद वहां होस्पिटल बना दिया जायेगा। इस बारे में मैं मंत्री महोदया को बताना चाहूँगा कि वहां पर जमीन देने का प्रस्ताव पास कर दिया गया है, जिस हिसाब से सरकार की मांग थी। मेरा मंत्री महोदया से निवेदन है कि जल्दी से जल्दी उस पर कार्यवाही शुरू की जाये जिससे इलाके के लोगों को स्वास्थ्य लाभ ज्यादा से ज्यादा मिल सके। स्वास्थ्य के बारे में अब जो हमारी योजनायें हैं उन योजनाओं के तहत महिलाओं के विकास के लिये जो हमारा जज्बा है वह क्या है? गरीब आदमी के पास साधन नहीं होते और साधन न होने से वे इलाज के लिये अस्पतालों में नहीं पहुंच पाते हैं। सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिये जो स्कीमें चालू की हैं वे बहुत अच्छी हैं। बच्चे के जन्म से पहले काफी खर्चा करना पड़ता है लेकिन गरीब आदमी के पास पैसा नहीं होता इसलिये वह

अपना इलाज नहीं करवा सकता है। जबकि अमीर आदमी बिना किसी दिक्कत के अपना इलाज करवा सकता है। सरकार ने गरीब लोगों के लिये एक योजना शुरू की है कि बच्चों के जन्म से पहले भी गर्भवती महिला को 500 रुपये दिये जायेंगे जिससे कि वह अपना जरूरी खर्च करके अपना काम चला सकें। इसी तरह से चार हजार महिलाओं का एक स्वंयसेवी संगठन तैयार किया जा रहा है। जहां डॉक्टर्ज नहीं पहुंच पाते जहां होस्पीटल्ज नहीं हैं और शहरों के अन्दर स्लम्ज के अंदर जहां गरीब लोग रहते हैं, वहां गाँव और देहात के अन्दर जाकर ये प्रशिक्षित महिलायें, ये चार हजार स्वयंसेवी, हमारी बहनें जा कर काम करेंगी और जो महिलायें हैं उनके स्वास्थ्य के बारे में पूरा ध्यान रखेंगी, उनको जानकारी देंगी। सरकार की तरफ से दवाईयों और औषधियों की जो सुविधा दी गई है यह सारी की सारी सुविधा यह चार हजार स्वयंसेवी कार्यकर्त्ताएं जरूरतमंदों तक पहुंचायेंगी। इनका काम सरकार ने शुरू किया है सरकार उनको हर प्रकार का प्रशिक्षण और दूसरी सुविधायें देगी इससे भी स्वास्थ्य के बारे में महिलाओं को काफी लाभ मिलेगा। इसके अलावा सरकार ने एक आर०ओ०बी० कोष का निर्माण किया है। इस आरोग्य कोष के अनुसार सभी गाँवों के अन्दर पोलियो के टीके लगाये जा रहे हैं इस बात को हम सभी जानते हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो कहा है और अपनी चिंता भी जाहिर की है कि हरियाणा में इन्फैंटस मोरटैलिटी रेट क्या है, स्वास्थ्य मंत्री जी के पास इनके आंकड़े हैं वह मैं यहां पर सदन में प्रस्तुत कर देता हूँ। 58 इनफैंटस प्रति हजार डैथ रेट है जबकि 300 मैटर्नल मोरटैलिटी एक लाख डिलिवरीज पर है। ज्यादातर महिलायें जब बच्चा जनती हैं तो गाँव में दाई की मदद से या फिर घर में ही बच्चा जना जाता है। इंस्टीच्यूशन्ज में डिलिवरीज की संख्या सरकारी अस्पताल या इंस्टीच्यूटस में बहुत कम रही है। सभापति महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी ने इस ओर विशेष ध्यान दिया है जो आंकड़ों से प्रदर्शित है। सभापति महोदय, आपकी अनुमति से मैं माननीय सदस्य को और सदन को बताना चाहूँगा कि वर्ष 2003 में इंस्टीच्यूशन्ज में डिलिवरीज केवल 85228, वर्ष 2004 में 90,000 और वर्ष 2005 में आपके द्वारा किये गये क्रांतिकारी कदमों की वजह से इंस्टीच्यूशनल डिलिवरीज़ की संख्या 1,29,135 हो गई है, यानि मात्र एक साल के अन्दर 40 हजार की संख्या बढ़ी है। यह आंकड़े दर्शा रहे हैं कि किस तरह से इंस्टीच्यूशनल मैकेनिज्म की डिलिवरीज संख्या पिछले एक साल में इम्प्रूव हुई है।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : आदरणीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो आंकड़े दिए हैं उनके लिए सरकार को बधाई देता हूँ। (विघ्न) लेकिन मैं यह कह रहा था कि जो सुविधाएं सरकार ने दी हैं वे बड़ी अच्छी सुविधाएं हैं और उनसे लोगों को लाभ होगा। देहात की जनसंख्या को देखते हुए आपसे मैं केवल एक बात और कहना चाहता हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री जी इस व्यवस्था में थोड़ा और सुधार किया जाए और सुविधाओं की संख्या को थोड़ा और बढ़ा दिया जाए तो हमारे प्रान्त के सभी नागरिक सरकार के बहुत ही आभारी होंगे। हमारे मुख्य मंत्री जी स्वयं इसके बारे में बड़े चिन्तित रहते हैं इसके बारे में बड़ी सोच करते हैं। मैं इसके थोड़े से भाग को पढ़ कर बताता हूँ।

[श्री राधेश्याम शर्मा अमर]

"Haryana Chief Minister Ch. Bhupinder Singh Hooda announced on Tuesday that an innovative Scheme 'Janani Suvidha Yojana' would be launched."

और इसके ऊपर एक करोड़ रुपये दे भी दिए हैं। हमारे 20 जिले हैं अगर हम उसको बराबर के हिसाब से बांट दें तो पाँच लाख रुपये एक जिले के हिस्से में आते हैं इसलिये मेरा निवेदन है कि बहिन जी इस बात को सुनें और पाँच लाख रुपये जिला महेन्द्रगढ़ को दें। महेन्द्रगढ़ जिले के अन्दर 1100 गांव और लगभग 215 ढाणियां हैं तो आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि गाँवों को कितना मिल सकता है। यह लोक कल्याणकारी सरकार है और एक ऐतिहासिक बहुमत कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में मिला है। मैं आशा करता हूँ कि पाँच-पाँच लाख रुपए की राशी को अपनी सुविधा के अनुसार बढ़ाएं (विघ्न) आदरणीय सभापति महोदय, यह बहुत ही अच्छा प्रस्ताव सदन में लाया गया है। इस प्रस्ताव के माध्यम से जो लाभ हमारे प्रान्त को होगा इसके लिये सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज (भिवानी) : सभापति महोदय, आज शहीदी दिवस है और मैं अपनी तरफ से और अपने प्रांत के लोगों की तरफ से शहीदों को नमन करता हूँ। डॉक्टर इन्दौरा जी हैल्थ के बारे में रैज्योल्यूशन लेकर आए हैं और इस पर इन्होंने काफी लम्बी चौड़ी बात करी है। अफसोस तो यह है कि वह बोलते हुये थोड़ा सा लाईन से भटक गये थे। जिसकी वजह से सदन का समय बर्बाद हुआ है। Speaker Sir, health is not mainly issue of doctors, social services and hospitals. It is an issue of social justice as well. अगर ठीक हैल्थ नहीं होगी तो सोशल जस्टिस नहीं मिल सकता है and the study of diseases is really the study of man and his environment. आज जब हम हैल्थ की बात करते हैं तो मैं यह कहना चाहूँगा कि जब तक पब्लिक हैल्थ की बात नहीं करेंगे तो हैल्थ की बात करना बेईमानी होगा। सभापति महोदय, मैं सदन में एक बात कहना चाहूँगा। सभापति महोदय, यह बात 1848 की इंग्लैण्ड की लंदन शहर की बात है। वहां पर कोलरा फैल गया था। उस समय किसी को यह नहीं पता था कि कोलरा के फैलने के कॉज क्या हैं। कोई इसके लिए सीवर का कॉज मान रहा था कोई उसको देवी का प्रकोप मान रहा था। सभापति महोदय, वहां पर एक डॉक्टर ने जहां पर यह बीमारी फैली हुई थी उन मकानों का नक्शा बनाया कि लोग वहां पर कैसे-कैसे रहते हैं। उसने बड़े गौर से देखा कि बीमारी कैसे फैली हुई है। उसने गौर करा कि वहां पर जो बर्मा लगा हुआ था उसका हैण्डल डॉक्टर ने जाकर निकाल दिया। सभापति महोदय, 15 दिन के बाद वह बीमारी वहां से खत्म हो गई। इस प्रकार से पब्लिक हैल्थ का जन्म हुआ था। आज कोलरा को फॉदर ऑफ पब्लिक हैल्थ कहा जाता है। इसलिए मेरा कहना है कि अगर हम हैल्थ के साथ पब्लिक हैल्थ की तरफ ध्यान नहीं देंगे तो यह बेईमानी बात होगी। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी यहां पर बैठे हुए नहीं हैं। मैं सदन में एक किस्सा सुनाना चाहूँगा। एक बार एक परिवार था और उसमें 4-5 सदस्य थे। उनके पास एक कमरा था और उसी कमरे में वह परिवार रहा करता था और वहीं पर वे भैंस बांधा करते थे, वहीं पर चारपाई बिछाया करते थे, वहीं पर वे खाना बनाया करते थे

और वहीं पर गोबर थापते थे। सभापति महोदय, उनका सब कुछ वहीं पर था। जब उस परिवार की लड़की कुछ सालों के बाद सयानी हो गई तो उसकी शादी एक सम्पन्न परिवार में हो गई। वह खुशी-खुशी वहां पर रहने लग गई। जब वह लड़की पाँच-दस साल बाद वापिस अपने घर आई तो उसने देखा कि उसका परिवार वैसे ही वहां पर रह रहा था जिस तरह से 5-10 साल पहले ही रहा करता था। उस लड़की ने अपने भाई से कहा कि तुम यहां पर कैसे रहते हो। उस लड़की के भाई ने कहा कि बेबे तेरे तो सूत बैठ गया है। जब तक हरियाणा की जनता का सूत नहीं बैठेगा तब तक हम अच्छे हालात की कामना और कल्पना नहीं कर सकते हैं इसलिये इकोनोमिक अपलिफ्टमैंट बहुत जरूरी है। एट दि ऑऊट सैट मैं एक विषय के बारे में बताना चाहूँगा कि सिर्फ डॉक्टर ही इम्पोर्टैंट नहीं हैं आज नोडल एजैन्सी भी सैंट्रल स्टेज पर खड़ी है लेकिन आज डिसैंट्रेलाईजेशन की बहुत जरूरत है। इस विषय में मैं चार पाँच लाईन पढ़ना चाहूँगा। Laymen have to come to play a prominent role in delivery of healthcare. इसमें इम्पोर्टैंट हैं, कम्यूनिटी हैल्थ वर्कर, आँगनवाड़ी वर्करर्ज, एम.पी.एच.डब्ल्यू. Practitioners of indigenous medicines, social workers even with little training, they are now comprised as a part of healthcare team. The medical man can no longer restrict himself to traditional role as diagnoser of ailements, prescriber of pills and exerciser of limbs. ऐसा नहीं कि सिर्फ गोली दे दी, लिख दिया, ऑपरेशन कर दिया और डॉक्टर का काम खत्म हो गया। नहीं, डॉक्टर का एक नया रोल तो अब शुरू होता है और वह रोल है as an educator, as a case finder, as a preventor, as a counselor and as an agent of social change. इसी परिपेक्ष्य में डॉक्टरों को भी अपने रोल को समझना चाहिये और अच्छे काम करने चाहिये। चेयरमैन सर, मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि सदन में इस समय चार डॉक्टर्ज हैं दो विपक्ष में हैं और दो पक्ष में हैं। कम से कम इसमें तो बैलेन्स बना हुआ है। डॉ० इन्दौरा साहब व्यवस्था की बात कर रहे थे। मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूँ। ये मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और इनके साथ काम करने का भी मुझे अनुभव है। इन्होंने बहुत तरक्की की है लेकिन मुझे वह दिन भी याद है जब ये मरीजों को बेहोश करने के लिये डॉ० गोरियान का एक छोटा-सा ई.एम.ओ. ऑपरेटर मेरे ऑपरेशन थियेटर से लेकर गए थे। इन्होंने बहुत अच्छा काम किया है लेकिन जो व्यवस्था पिछले 6 सालों में गड़बड़ हुई है वह सभी के सामने है। चेयरमैन साहब, मैडीकल कॉलेज में पिछले दिनों क्या व्यवस्था हुई है वह मैं आपको बताना चाहता हूँ। जो स्टूडैन्ट थे वे हैड ऑफ डिपार्टमैंट बन गए और जो हैड ऑफ डिपार्टमैंट हैं वे बेचारे जूनियर बन गए। जब चिकित्सा के क्षेत्र में ऐसा अन्याय होगा फिर तो हम अच्छी व्यवस्था की कल्पना कैसे कर सकते हैं। इन्दौरा साहब, आप अपने दिल पर हाथ रखकर बताएं कि क्या यह ठीक हुआ? कृपया इसको आगे जरूर सुधार लें। चेयरमैन सर, मैं उन पिछली बातों में अधिक नहीं जाना चाहता लेकिन मुख्यमंत्री जी से सारे सदन से और स्वास्थ्य मंत्री जी से यह प्रार्थना करना चाहता हूँ कि इस प्रकार के जो गलत काम हुए हैं उनको सुधार लें और कम से कम आगे के लिए ऐसा न हो क्योंकि जब तक सीनियोरटी और मैरिट चिकित्सा के क्षेत्र में नहीं रहेगी तब तक हम अच्छी चिकित्सा, अच्छे हैल्थ की कल्पना नहीं कर सकते। चेयरमैन साहब, इस विषय पर बोलने के समय सारा समय तो डॉक्टर साहब ले गए हैं। मुझे तो बहुत थोड़ा समय आपने बोलने के लिए दिया

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

है। लेकिन मुझे कम से कम दस मिनट इस विषय पर बोलने के लिए चाहिएं। चेयरमैन सर, बच्चों की जो बीमारी है उसके बारे में मैं दो लफ्ज कहना चाहूँगा। मुझे 1979 की एक वर्कशाप याद आती है जिसमें डॉक्टर पाठक जो पी.जी.आई. में हैड ऑफ पैड्राएट्रिक्स सर्जन थे, उन्होंने एक पेपर प्रोजैक्ट किया था और वे पढ़ रहे थे। उस समय एक स्लाइड यह थी कि बच्चा अपने सर्जन को, अपने डॉक्टर को कहता है कि मुझमें बीमारी को सहने की शक्ति है, अच्छी तरह रिसपोंड करने की शक्ति है और सर्जिकल स्ट्रैस को भी ठीक करने की मुझमें शक्ति है। आप मुझे मौका दो, चूके नहीं और अगर जरूरत हो तो मेरा ऑपरेशन करें क्योंकि मेरे में खूब रैसिसटैन्स है। मुझे अच्छी तरह से याद है और वह बात आज भी बच्चों पर ठीक तरह से लागू होती है कि अगर नैचुरल एन्वायरन्मैंट दो, अच्छा वातावरण दें तो बच्चा बड़ों से भी बैटर रिसपोंड देता है और उसमें बढ़िया रैसिसटैंस पावर भी होती होती। चेयरमैन सर, मैं यह कहना चाहूँगा कि बच्चों को ब्रैस्ट फीडिंग जरूर मिलनी चाहिए। 6 महीने तक एक बूंद पानी की भी बच्चों को देने की जरूरत नहीं है क्योंकि माँ का दूध सर्वोत्तम आहार है, उसमें ऐंटी बॉडीज भी हैं, वह पोषक भी है और वह एक किस्म की दवाई भी है इसलिए ब्रैस्ट फीडिंग पर जितना ज्यादा से ज्यादा स्ट्रैस होगा वह मैं समझता हूँ कि कम ही है। मैं स्वास्थ्य मंत्री जी से यह प्रार्थना करूँगा कि इस विषय में हमारा जो दूसरा पैरा मैडीकल स्टॉफ है उसको भी इसमें जोड़ना चाहिए। कई बार बड़ी कम्पलीकेशंज हो जाती हैं। अगर बच्चे को ऊपर का दूध पिलाया जाता है तो वह गलत है। मैं तो कहता हूँ कि बच्चों को दूध पिलाने वाली बोतल तो तोड़कर ही फैंक देनी चाहिए क्योंकि बोतल का आज के दिन कोई रोल नहीं है। अगर ऊपर का दूध पिलाना भी हो तो कटोरी चम्मच से पिलाना चाहिए। पिछले दिनों में मैंने एक बच्चे को देखा था कि किस तरह से उसकी डैथ हो गई। उसकी डैथ इसलिए हो गई कि उसको जरूरत से ज्यादा दूध पिला दिया गया और वह दूध उसके फेफड़ों में चला गया। चेयरमैन सर, अगर ब्रैस्ट फीड बच्चे को देनी हो तो एक्सक्ल्यूसिव ब्रैस्ट फीड ही उसको देनी चाहिए क्योंकि यह सस्ता भी है, हाईजैनिक भी है और इसको स्टरलाइजेशन करने की भी जरूरत नहीं है। और इससे माँ और बच्चे की बोंडिंग भी बहुत अच्छी होती है। बच्चे को बड़े-बड़े ऑपरेटर या इक्विपेटर मशीन में रखने की तो कभी-कभी ही जरूरत पड़ती है। बच्चे की कंगारु केयर होनी चाहिए वैसी केयर नहीं हो रही है। जैसे कंगारू अपने बच्चे को रखती है वैसे ही माँ को भी अपने आँचल में अपने बच्चे को रखना चाहिए क्योंकि इससे बच्चे को हाईपोथर्मिया भी नहीं होता, टैम्परेचर भी मेनटेन रहता है और माँ और बच्चे में बोंडिंग भी होती है और बीमारियों से भी बच्चा बच सकता है। इसी तरह से आज एड्स का भी विषय बहुत ही ज्वलंत है। सबको मालूम है कि अनसेफ सैक्स से एड्स हो सकता है, जो ड्रग अबूजर होते हैं, वे अगर निडल को शेयर कर लेते हैं तो उससे भी एड्स हो जाता है। वर्टीकल ट्रांसमिशन से भी माँ से बच्चे को एड्स हो जाता है। इसका जो सबसे सर्वोत्तम इलाज है वह बचाव है। आज तो एड्स के लिए दवाई भी आ गई है इसलिए अगर ठीक ढंग से दवाई ली जाए तो 10-15 साल तक एक फ्रूटफुल लाईफ को एक्सटैंड किया जा सकता है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूँगा कि मैडीकल कॉलेज रोहतक में पहले सी.डी.4 मशीन नहीं थी लेकिन अब

वहां पर यह मशीन लाई गई है। पहले यह मशीन हरियाणा में नहीं थी। एड्स के किन-किन मरीजों को दवाई देनी चाहिये, यह इस मशीन से पता लग जाता है। सी.डी.4 काउंट करके इस से एड्स काउंट हो जाती है। अगर काउंट 200 से कम है तभी यह दवाई देने से फायदा है नहीं तो दवाई देने का फायदा नहीं है। मैं समझता हूं कि this will go a long way for treatment of AIDS and I congratulate you for this. इसके बाद मैं मलेरिया के बारे में भी कहना चाहूँगा। मलेरिया की बामारी तो कई सदियों से है। लेकिन मैं एक बात कहना चाहूँगा कि कोई भी बुखार हो उसमें हमें एन्टी मलेरिया दवाई जरूर लेनी चाहिए। उसकी रोकथाम के लिए जैसा कि स्वास्थ्य मंत्री महोदया ने बताया कि हम फिश का जो इस्तेमाल कर रहे हैं वह पूरी तरह से नहीं हो रहा है इसलिये इसका और हमें थोड़ा व्यापक विस्तार करना चाहिए। जैसा कि मुझे बताया गया है कि करनाल और सोनीपत जिलों में जहां पर यह ज्यादा इन्फैक्टेशन है, वहां पर डैल्टामैथलीन जो यूज की गई है वह बहुत अच्छी है। यह बड़ी मुश्किल से स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य मंत्री जी ने प्रोक्योर की है। इसलिए इसके लिए मैं उन्हें बधाई देना चाहता हूँ। जहां पर हम डैल्टामैथलीन यूज नहीं कर रहे हैं वहां पर हम पुराने मैलाफाईन को यूज कर सकते हैं और वहां पर फोगिंग होनी चाहिए। इस प्रकार यह थोड़ा व्यापक होना चाहिए क्योंकि यदि किसी आदमी को बुखार हो जाता है तो उसका फ्रूटफुल टाईम वेस्ट होता है। आँखों की बीमारियों के बारे में मैं खुद सन्तुष्ट हूँ कि हरियाणा में आँखों का इलाज अच्छी तरह से हो रहा है। इसके बारे में मैं थोड़ा गर्व भी महसूस करता हूँ कि जितना आँखों का काम सारे हरियाणा में होता है उतना अकेले भिवानी में ही किशनलाल जालान आई अस्पताल में होता है। इस अस्पताल के आँखों के ऑपरेशन के रिजल्टस बहुत अच्छे हैं। वहां पर डॉक्टर आँखों के कैम्पस लगाते हैं। बहन जी के कलानौर से वहां पर डॉक्टर धनखड़, डॉक्टर बतरा और डॉक्टर हेमन्त सिंह हैं। बहन जी उस अस्पताल में गई भी थीं इसलिए उनको पता है कि इस अस्पताल में आँखों की पूरे इन्टरनैशनल टाइप की सर्जरी होती है। आँखों के मरीजों के आई०यू०एल० लगाते हैं। इस तरह से सबको अच्छी दृष्टि मिलती है। इस प्रकार के जो काम हैं उनको सरकार को प्रोत्साहन देना चाहिए। इस बारे में अभी भी कुछ कमियां हैं उन कमियों को मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ। एक तो औपथैलमिक असिसटैंट की कमी है। मुझे पता लगा है कि रोहतक में इसकी ट्रेनिंग को बंद कर दिया गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इसको दोबारा से शुरू कर देना चाहिए। औप्टोमैट्रिकस जो एक्सरसाईज कराते हैं, इनकी भी संख्या काफी कम है। जैसे हमारे औप्टो-मैट्रिकस का कोर्स है मुझे पता लगा है कि एक औप्थोमेलोजिस्ट की एक लाख मरीजों पर जरूरत होती है लेकिन अभी यह दो लाख पर एक है। इसलिए इनकी संख्या को भी बढ़ाना चाहिए। इसके साथ-साथ कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन भी इसमें होना चाहिए। इसी प्रकार बूढ़ों के कैटरिक ऑपरेशन के लिए भी हमें ध्यान देना चाहिए क्योंकि कई बुजुर्ग अस्पताल में लाने के लिए निर्भर होते हैं। अब जो 'आशा' नाम की योजना सरकार ने शुरू की है और जो लिंक वर्कर की व्यवस्था की है उससे अब ऐसा होगा कि उस वर्कर को यह भी कह देंगे कि बेबे बूढ़े का भी ऑपरेशन करवा देंगे। कुछ ईंस्ट्रूमैंट आँखों की सर्जरी के लिए जरूरी होते हैं जैसे माइक्रोस्कोप, लिट लैम्प, बायोमीटर, क्रटोमीटर। ये सब जगह पर अवेलेबल नहीं हैं इसलिए इन सब ईंस्ट्रूमैंट को अवेलेबल करवाना चाहिए। एक स्कीम के बारे

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

में मुझे स्वास्थ्य सचिव के माध्यम से पता लगा कि सी.एम.ओ. और डी.सी. हैल्थ सोसायटी के माध्यम से पाँच लाख रुपये तक की कोई भी खरीद कर सकते हैं। लेकिन मुझे अफसोस है कि वे अपनी पॉवर का इस्तेमाल नहीं करते। इसके लिए सरकार को स्ट्रीक्टली पम्प करना चाहिए और जो ऑफिसर अपनी पॉवर का इस्तेमाल नहीं करते उनके खिलाफ एक्शन लेना चाहिए।

13.00 बजे

डिलिवरी हट्स बहुत अच्छी हैं। यह बहुत कम खर्चे में cost effective सुविधा है। जो इंस्टीच्यूशनल डिलिवरीज प्रदेश में हो रही हैं वह बड़ी अच्छी बात है। कल रात 11 बजे स्वास्थ्य सचिव जी ने मुझे बताया कि 236 डिलिवरी हट्स बन चुकी हैं और हमारा लक्ष्य 300 डिलिवरी हट्स बनाने का है। मैं यह समझता हूँ कि डिलिवरी हट्स हर गाँव में एक-एक होनी चाहिए। हमारे प्रदेश में 6000 गाँव हैं और 6000 डिलिवरी हट्स होनी चाहिएं। ऐसा होने से जो डिलिवरी की कम्पलीकेशंज होती हैं वे कम होंगी और जो मोरटेलिटी रेट है, इनफैंट मोरटेलिटी रेट है वह भी कम होगा। डॉक्टर्ज की ट्रेनिंग का जिक्र डॉ० इन्दौरा जी ने किया और बहिन जी मैं भी करना चाहूँगा कि हमारे डॉक्टर्ज की ट्रेनिंग समय-समय पर होनी चाहिए। बिना ट्रेनिंग के कुछ नहीं हो सकता। मैं आपको सच बताता हूँ कि मैंने 1982 में एम.एस. पास किया था। अगर मैं उसी हिसाब से सर्जरी करूँगा तो मेरे पास ईलाज करवाने के लिए कोई मरीज नहीं आएगा और मेरी प्रैक्टिस बंद हो जाएगी। Science is an ever changing subject और हर दो साल में किताबें अपडेट हो जाती हैं, प्रोसीजर अपडेट हो जाते हैं। आज जो सर्जरी मैं अपने क्लीनिक में करता हूँ। (विघ्न)

श्री सभापति : डॉक्टर साहब, धन्यवाद। प्लीज अब आप बैठें।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : सभापति महोदय, मुझे पाँच मिनट का समय और दिया जाए। मैंने बहुत अच्छे सुझाव देने हैं।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : सभापति महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए और मेरे भाई डॉ० भारद्वाज की जानकारी के लिए बताना चाहूँगी कि जो इन्होंने अथल्वी असिसटैंट की कमी बताई है इनका इंटरव्यू हो चुका हो और जल्दी ही एप्वाइंटमैंट होने वाली है। साथ ही इन्होंने मैडीकल कॉलेज की बात की है आप सभी को यह जानकर खुशी होगी कि रीजनल ओथलनिक ट्रेनिंग का हम वहां सैंटर बनाने जा रहे हैं। भारत सरकार ने उसकी मंजूरी दे दी है और अगले साल तक हम उसे शुरू कर पाएंगे। जहां तक मेरे साथी ने डॉक्टरों की ट्रेनिंग की बात है। मैं बताना चाहूँगी कि अल्ट्रा साऊंड की ट्रेनिंग के लिए हम डॉक्टरों को भेजते हैं। दूसरी ट्रेनिंग के लिए भी हम अपने पी०एच०सी०, सी०एच०सी० और हास्पिटल्ज के डॉक्टरों को भेजते रहते हैं।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : सभापति महोदय, डॉक्टर कड़वासा टाटा मैमोरियल रिसर्च इंस्टीच्यूट बंबई से ट्रेनिंग लेकर आए, सभी को उसी तरह ट्रेनिंग के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। मुझे पता लगा है कि डॉक्टर पीयूस करनाल में हैं। उनकी ट्रेनिंग गंगा राम में लगी थी लेकिन वह रिजैक्ट हो गई। यह बड़े दुःख की बात है। मेरा सुझाव है डॉक्टरों को ज्यादा से ज्यादा ट्रेनिंग देनी चाहिए क्योंकि डॉक्टर ट्रेनिंग्ज के दौरान, वर्कशाप्स के दौरान नई-नई बातें सीखते हैं और उनका

फायदा प्रदेश के लोगों को होता है। इसके अतिरिक्त अब मैं ब्रेन ड्रेन की बात कहना चाहूँगा कि हरियाणा प्रदेश से भी ब्रेन ड्रेन हुआ है। उसकी तरफ सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। कोई जमाना था जिस वक्त डॉ० सी.प्रकाश, डॉ० एस.पी. गुप्ता, डॉ० सैनी, डॉ० आई.वी. सिंह, डॉ० दीवान जो बहुत अच्छे डॉक्टर थे जो मैडीकल कॉलेज में होते थे। मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूँगा कि इन्होंने मैडीकल कॉलेज की तरफ ध्यान दिया है और नई परम्परा शुरू करते हुए डॉक्टर सांगवान को डायरेक्टर लगाया है जो बहुत अच्छे हैं। अब हमें आशा की किरण नजर आई है और मैंने खुद अपनी आँखों से डिफरैंस देखा है। मुख्यमंत्री जी की माता जी वहां दाखिल थी और मेरी माता जी भी वहां दाखिल थी। वहां अब सफाई और दूसरी सुविधाओं में सुधार हुआ है। मेरे दिल को यह देखकर खुशी हुई कि वहां बहुत बढ़िया एम.आर.आई. और सीटी स्कैन सैंटर हैं। मैं उस सैंटर में अपनी माता का एम.आर.आई करवाने गया, मैं सोचता था कि शायद नरूला हॉस्पिटल से करवाना पड़ेगा। लेकिन नरूला हॉस्पिटल से भी अच्छा आज मैडीकल कॉलेज का एम.आर.आई है। मैं ब्रेन ड्रेन की बात कर रहा था उसकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए और उसे रोकना चाहिए। मुझे अफसोस है कि डॉक्टर कालरा बहुत अच्छे प्लास्टिक सर्जन थे वे चले गए। इसी तरह डॉ० गुमर थे। He is one of the best doctors in India और वे चले गए। हम आज भी डॉक्टर गुमर से संपर्क करते हैं। मेरे किसी मरीज को दिक्कत होती है तो मैं भी उनसे संपर्क करता हूँ। मैं टेलीफोन पर डॉ० गुमर से बात करता हूँ और वे बताते हैं कि 10 लीटर आक्सीजन दे दो प्रति मिनट तीन घंटे तक और मरीज एक घंटे में आऊट आ जाता है। इस तरह के डॉक्टर यदि मैडीकल कॉलेज को छोड़कर जाते हैं तो हमारे लिये चिंता का विषय है। आज डॉक्टर गुमर ने सैक्टर 32 के हॉस्पिटल में बहुत अच्छा आई०सी०यू० बनाया है जो कि पी.जी.आई. और बीच कैंडी हॉस्पिटल से भी बढ़िया है। वह इतना अच्छा आई०सी०यू० है और वह सारा कम्प्यूटराईज्ड है। एक-एक मरीज का उसे पता होता है कि किसका पल्स रेट क्या है और किसका बी.पी. कितना है। इस तरह के डॉक्टर्ज को हमें पूरा साथ देना चाहिए और इस तरह के डॉक्टर्ज को प्रदेश से बाहर जाने से रोकना चाहिए। मुझे अफसोस है कि डॉक्टर सुभाष शर्मा जो सैक्टर-6 पंचकूला में बहुत ईमानदारी से काम कर रहे थे उनका ट्रांसफर कर दिया गया। इस तरह की बातें स्वास्थ्य मंत्री जी की नॉलेज में शायद नहीं आती होंगी लेकिन इनकी तरफ मंत्री महोदया को ध्यान देना चाहिए। ब्रेन ड्रेन रोकने से हम अपने प्रदेश के लोगों की सच्ची सेवा कर पाएंगे। अगर इसमें कॉम्युनिटी की इन्वाल्वमैंट होगी तो इससे ब्रेन ड्रेन को रोकने में मदद मिलेगी। It is matter of great satisfaction, हमारे सरपंच लैवल के लोग अगर इसमें इन्वाल्व होंगे तो किसी प्रोग्राम के फेल होने का कोई मतलब ही नहीं है, यह मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ। मुझे इस बात की भी बेहद खुशी है कि हमारा स्वास्थ्य विभाग न केवल जीवित व्यक्तियों के प्रति बल्कि मृत व्यक्तियों के प्रति भी डिगनिटी और ऑनर तथा कद्र करता है। (विघ्न) स्वामी रामदेव तथा रवि शंकर जी स्वास्थ्य के लिए जो काम कर रहे हैं वह बहुत ही अच्छा है इसलिए इनका भी प्रचार और प्रसार हमें करना चाहिए। डॉ० इन्दौरा साहब ने पी०एच०सी०, डिगाव के बारे में कहा कि वह बहुत अच्छी नहीं है। मैंने पी०एच०सी० में भी नौकरी की है और डींगल में कथूरा, बैरी और चिमनी ढाणा में डोर स्टैप्स जाकर भी हमने ऑपरेशन किये हैं। जैसे कि ये कहते हैं

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

कि वह कोफला सा है ऐसी बात नहीं है और अब काफी सुधार है। आगे बड़े सुधार की गुंजाईश भी है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह बात बिल्कुल सही कही है कि हमें प्रिवैन्शन पर ज्यादा जोर देना चाहिए अपने स्वास्थ्य की ज्यादा केयर करनी चाहिए क्योंकि कहा जाता है कि 'prevention is better than cure' दु:ख में सुमिरन सब करें सुख में करे न कोय, जो सुख में सुमिरन करे तो दु:ख काहे को होय। इसलिए हमें ऐंटीसिपेशन करना चाहिए कि आगे क्या बात उठाई जानी चाहिए। (विघ्न) अन्त में मैं तीन देवियों को भी नमन करना चाहता हूँ और उन्हें बधाई भी देना चाहता हूँ। हमारी स्वास्थ्य मंत्री, हमारी स्वास्थ्य सचिव और हमारी डायरैक्टर हैल्थ सर्विसिज जो कि बहुत डेडिकेटिड हैं और बहुत ही अच्छा काम कर रही हैं, इनको भी कुछ न कुछ प्रोत्साहन माननीय मुख्यमंत्री जी को देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवान (दादरी) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं चीफ मिनिस्टर साहब, फाईनैंस मिनिस्टर साहब, और हैल्थ मिनिस्टर साहिबा को यह जो हमारा बजट है इसके अन्दर हैल्थ सर्विसिज के लिए जितना पैसा दिया गया है उसके लिए मुबारिकबाद देना चाहता हूँ। पर कैपिटा एक्सपैंसिज 199.40 रुपये मेरे ख्याल से सबसे हाईऐस्ट दिया गया है। And Rs. 468.47 crores are provided in the plan and non-plan schemes of the Health Department. Medical facilities have been upgrade at Jhajjar, Rewari, Gurgaon and Panchkula. Medical mobile units set up in each district. Buildings of six hospitals, seven community centers, 41 PHCs, three sub-centers are under construction. हैल्थ के ऊपर हरियाणा के अन्दर जितना काम आज हो रहा है आज तक कभी नहीं हुआ। नैशनल रूरल हैल्थ मिशन के तहत productive and child health programme phase-II के अन्दर हरियाणा के लिए गौरव की बात है। 749 करोड़ रुपये इसके लिए दिए गए हैं और अप्रैल, 2005 से इसे लांच किया गया है जिसके तहत लिंक वॉलंटियर डिलिवरी हट्स, जननी सुरक्षा योजना, फैमिली प्लानिंग और इम्मुनाईजेशन का खास ध्यान रखा गया है। मैं इस पर ऐसा इसलिए नहीं बोलना चाहता क्योंकि समय कम है और मैं सदन का टाईम खराब नहीं करना चाहता। मेरे से पहले बोलने वाले हमारे विधायकों ने इसके ऊपर काफी बात कह दी है। मेल/फीमेल रेशो जो स्टेट के अन्दर 861 for every 1000 male है। मेरे ख्याल से पंजाब के अलावा सारे देश के अन्दर अपना रेशो सबसे कम है उसके ऊपर हमको खास ध्यान देना चाहिए। जैसे कि यह साल 'girl child' डिक्लेयर किया गया है, चीफ मिनिस्टर साहब ने बहुत सी सुविधाएं गर्ल चाईल्ड के लिए बताई हैं। परन्तु वास्तविक बात यह है कि जब तक हम इन सुविधाओं के बारे में गाँव में जाकर बात न करें, लोगों की समस्याओं का समाधान न करें, तब तक यह बात उनको समझ में नहीं आएगी और इस सैक्स रेशो में कोई खास वृद्धि नहीं हो सकती और यह रेशो कम नहीं हो सकती। स्पीकर सर, यह एक बहुत ही इम्पोर्टेंट प्रोग्राम है। क्योंकि हम जो भी सुविधा देना चाहते हैं पहले उसके लिए जो भी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करते हैं और जब तक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार होता है जो हमारी जनसंख्या उसको ओवरटेक कर लेती है। हमारी सोच होती है कि इतने साल तक हमारे इतने आदमी होंगे और उस साल में पापुलेशन एक्सप्लोजन की वजह से लोग कहीं ज्यादा हो जाते हैं और जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाता है वह शार्ट हो जाता है। स्कूलों में हैल्थ

प्रोग्राम शुरू किया है यह बहुत ही बढ़िया प्रोग्राम सरकार ने चलाया है। स्कूल में जितने बच्चे हैं खासकर लड़कियां हैं उनके हैल्थ कार्ड बनेंगे। सभापति महोदय, इस विषय में मैं एक बात कहना चाहूँगा कि हम प्रोग्राम बना लेते हैं और उसके मंजूरी देकर सैक्रेटेरिएट में भेज देते हैं वहां पर भी उस स्कीम के बारे में कागजों पर प्रोग्राम बनाकर भेज दिया जाता है। लेकिन ग्राउंड लैवल पर उसे अमल नहीं किया जाता है, जिस तरह से सदन में उस बारे में बताया जाता है। गांवों के लोगों में, हल्के में और आम लोगों में हैल्थ सर्विस के बारे में किस तरह की सोच है उसके बारे में मैं सदन में बताना चाहूँगा। सभापति महोदय, वैसे डॉक्टर को मिशनरी गॉड कहा जाता है। वैसे तो जब कोई आदमी मौत के दरवाजे पर होता है तो डॉक्टर अपने एटीच्यूट से अपने ईलाज से उस मरीज को बचा लेता है। डॉक्टर का काम ईलाज करना ही नहीं होता है वह साथ-साथ में सोशल सर्विस भी करता है। सभापति महोदय, मैं अपना एक एक्सपीरियंस यहां पर शेयर करना चाहता हूँ। 1977 में मेरी पोस्टिंग मिजोरम में थी और हम घूमते-घूमते एक गाँव में पहुंच गए। हमने वहां पर देखा कि उस गाँव में एक अंग्रेज डॉक्टर था। सभापति महोदय, वह अंग्रेजों के साथ भारत आया था। जब अंग्रेज भारत से चले गए तो उसने उनकी सर्विस छोड़ दी और यहीं पर रह गया। उस गाँव में किसी की शादी करवानी हो तो वह डॉक्टर पादरी का रोल भी अदा कर रहा था। किसी की मौत हो जाती थी तो उनके फ्यूनरल का इन्तजाम भी वही करता था और गाँव में कोई बीमार होता था तो उनका इलाज भी वही करता था। सभापति जी, मैं यह कहना चाहता हूँ कि डॉक्टर्ज की मिशनरी ऐसी होनी चाहिए। आज हम सोचते हैं कि हमारी पोस्टिंग रूरल एरिया में नहीं होनी चाहिए। अगर हो भी जाती है तो हम किसी मिनिस्टर के, किसी मैम्बर की सिफारिश से उस पोस्टिंग को रुकवा लेते हैं या किसी दूसरी जगह पर पोस्टिंग करवा लेते हैं। अगर किसी वजह से वहां पर पोस्टिंग हो भी जाती है तो हम उस रूरल एरिया में नहीं रहते हैं कहीं दूसरी जगह पर जाकर रहते हैं। हमें इस बारे में कोई सोल्यूशन करना चाहिए। इसके अलावा हमारे हॉस्पिटल्ज में सफाई और डॉक्टर्ज की टर्न आउट बहुत जरूरी है। अगर ऐसा होगा तो जो मरीज है वह आधा तो ऐसे ही ठीक हो जाएगा। सभापति महोदय, हमें हॉस्पिटल्ज की बिल्डिंग्ज को भी ठीक करना होगा। इसके साथ ही यहां पर यह बात भी आई है कि जो पैरा मैडीकल स्टॉफ है और जो फोर्थ क्लास का स्टॉफ है उसकी बहुत ही कमी है इसको भी पूरा किया जाए। सभापति महोदय, इन सबके साथ-साथ डॉक्टरों की कमी को भी पूरा किया जाए। इसके साथ ही मैं मंत्री महोदया जी को कहना चाहूँगा कि सी.एम.ओ. की क्वाटरली इन्सपैक्शन किसी भी हल्के में जरूर होनी चाहिए और वहां के विधायक और सी.एम.ओ. की हफ्ते में एक बार मीटिंग होनी चाहिए और वह विधायक को बताए कि हॉस्पिटल में क्या-क्या किया गया और क्या-क्या करने जा रहे हैं। अगर ऐसा होगा तो वहां के विधायक को भी सारी बातों का इल्म होगा। इसके साथ मैं यह भी कहना चाहूँगा कि एम्बूलैंसिज की बहुत कमी है। बड़े-बड़े शहरों के अन्दर मैडीकल सैन्टर होना चाहिए और जो नई मशीनें हैं वह पी.जी.आई. रोहतक में लेकर आएं और जो पुरानी मशीन हैं वह सारी की सारी दूसरे हैल्थ सैंटर्ज में बांट दी जाएं ताकि पी.जी.आई. रोहतक में इतना प्रैशर न हो कि वहां पर खड़े होने की जगह भी न रहे। चेयरमैन सर, मैं ज्यादा न कहते हुए मुख्यमंत्री महोदय को, हैल्थ मिनिस्टर साहिबा को और हैल्थ कमिश्नर को मुबारिकबाद देता हूँ कि वे बहुत

[मेजर नृपेन्द्र सिंह सांगवान]

ही अच्छी हैल्थ सर्विसेज लोगों को देने की कोशिश कर रहे हैं।

Dr. Krishna Pandit (Yamuna Nagar) : Hon'ble Chairperson, Sir, I am very grateful to you for giving me time to speak and I am also very grateful to our Chief Minister and Health Minister for giving us such a good policies of health services. Today we have assembled and there is a resolution from Dr. Sushil Indora that we want to compare the health services available in the Government Hospitals with the Private Hospitals. I also belong to the same profession as of my Doctor brothers. Now, we have left this profession and come to this profession of politics. We feel from the heart that there is a difference between the Private Hospitals and Government Hospitals as well as Government Hospitals doctors and Private Hospitals doctors. Although, Dr. Indora has put a question, so, I would like to comment on the Government policies and what our Government, our worthy Chief Minister and Health Minister have given in this budget for healthcare services. Health is a high priority agenda of the Government. There is a substantial increase of 76% in the Plan Out-lay for the year 2005-06 for the health sector. It reflects the concern and high priority of our Government. Rs. 114 crores have been proposed for the year 2006-2007 registering a further step up in allocation of funds. The Government is committed to provide affordable, equitable, quality health services to all people of Haryana. The preventive, curative, promotive and rehabilitative healthcare in the State is being provided through a network of agencies i.e. 50 hospitals are running in Haryana at very nice level and very good affordable services they are being given. There are 81 CHCs, 409 PHCs, approximately 2500 dispensaries and sub-centres are running there in Haryana. Now, the main thing which I want to tell that already 2500 doctors, 518 Dental Surgeons and approximately 9500 paramedical staff are working there in the Government Hospitals in Haryana and they are doing very good job. The State Government is making all out efforts to provide health services to the people at affordable rates. A provision of Rs. 11.65 crores has been made in the financial year 2005-2006 for the purchase of medicines and material, which is an all time high allocation. I would like to tell Dr. Indora that the medicines are being purchased by generic names through rate contract, which are almost 30 to 35% cheaper than the market rates without compromising on the quality and these medicines are available in all the dispensaries and all the drugs whether it is life saving drugs, whether it is cancer drugs whether it is antibiotics or whether it is dacadrons everything is available in all dispensaries. This is an allocation given by the Government of Haryana and by the UPA Government also. A sum of Rs. 45 lacs was provided for maintenance of equipment out of the plan budget for the financial year 2005-06 and similar allocation has been proposed for the financial year 2006-2007. In addition, to the existing State schemes as well as Central Schemes, the Government has introduced various schemes, which you know very well what they are giving us. The very

important scheme "The Arogya Kosh" which has been given by the Haryana Government i.e. very nice scheme. Although most of us we know the functions of this scheme. To provide financial assistance to BPL/economically poor families, we are asking institutions to send a request for financial assistance. It will be made on a prescribed format so that we can give the money to those persons who cannot afford. Money will be given by civil surgeons after filling this format. We are giving independent feeder and augmentation of water supply to Govt. medical institutions to get very clean water very shortly so that viral diseases do not affect us. Delivery huts is another feature in the cap which is given by the Government because at these places, we have atleast 100% anti-natal registration in these delivery huts, delivery is safe, child is safe and mother is safe. A nurse is given Rs. 1000/-, which she can use for herself, for transportation of the patients or for buying anything needed for the child or taking the patients to the hospital or coming back to the home. This is a very big thing, which the Government has done. Three hundred delivery huts were proposed to be set up in Phase-I during the current year and round about 25 deliveries have been done. At present no new construction has been done to establish delivery. ANMs have been provided the funds of Rs. 10,000/- for which they are not accountable. As I told you, the third Yojna, which is going on is Janani Surksha Yojna to provide financial support for the delivery of pregnant mothers and BPL families in rural areas. We are giving Rs. 500/- per month to those patients and if needed be and confirmed by the Civil Surgeon, another Rs. 200/- is given for their treatment. Janani Suvidha Yojna is also a very good and commendable thing. We are very grateful to the Hon'ble Chief Minister that he has done so much for the ladies. In the delivery cases, this is such a thing, which can lead to the death of the patient or death of a child, if they are not handled properly. In order to improve the utilization of health services by community mobilization, ASHA (Accredited Social Health Activist), a link worker named as ASHA has been selected one per thousand population. She is working on the basis that she will get the money after conducting the delivery, sending the patients back to the places and ASHA will be given performance based incentives accordingly. Under the National Rural Health Mission, the State has provided untied funds of Rs. 10,000/- to each MPHW (female) worker. This is a good achievement, which we should appreciate that this Government has done. At every place there are Health Camps taking on and mobile units are working. We are giving free delivery aids, free vaccination aids and wherever they go, polio vaccination is also given. It is worth mentioning that comparison cannot be drawn between the governmment and the private sector primarily due to the fact that the private sector gives curative services, whereas the Government sector give preventive services also. As you know that when we are working in the private sector in the Hospitals, we are charging money from the patients. For every operation, we are charging as to the capability of the

[Dr. Krishna Pandit]

patients. Whether it is amount of Rs. 5,000/- or Rs. 10,000/- or it is more but we charge and to charge such an amount of Rs. 20,000/- or 10,000/- or Rs. 5,000/-, we have to give them Five Star facilities in the Hospitals. The Government is giving very good services as my colleagues will be satisfied with this thing that public-private partership is also going on and this public-private partership is also helping the patients in a very good way. I agree with you that at certain places, there is a some lacuna but as you know that we are running one house and the father of the house, he cannot manage the house alone. One child is going to one side, mother is going to the other side and second child is uneducated. Some is getting good thing and some is not getting good thing. These are very minor things, which can be done mutually also. **(At this stage, Mr. Speaker occupied the Chair).** As you suggested also that we want to make an association of all the doctor members, including myself, Dr. Indora, Dr. Sita Ram, Dr. Bhardwaj and Dr. K.V. Singh and we are very happy to make this association. That is why you were appreciated by the Chief Minister also and I would like you to appreciate the Hon'ble Chief Minister in the House also. The step which you have taken is commendable because you know we are doing good things and good things must be appreciated. As we write the prescription on the pad, we always write "Ry" and "Ry" means that our patient should be well and we pray to God that everything goes well. Dr. Indora Ji, I think you will agree with me because you are a very nice person and a very nice doctor also, giving anesthesia to all the patients charging money of Rs. 2,000/- to Rs. 2,500/- for anesthesia. Myself during my practice charging Rs. 10,000/- to Rs. 15,000/- for C. Section & hysterectomies and at the Government Hospitals, we are not charging anything. All you have mentioned that good things are not done in the hospitals. The services are not given properly. There is no point of comparison because services in rooms i.e. A.C., A-one facilities can only be given where you charge so much. So, I would like to say that I have visited round-about 20 hospitals on the request, rather on the orders of my Hon'ble Chief Minister and Hon'ble Health Minister. We want to give good services. I think you will appreciate this thing. You have also appreciated it outside this Vidhan Sabha corridors that we are doing good things and our Chief Minister is also doing good. So, it is our moral duty as to give good things to the people so that they can appreciate the things. As you said, that you all are very helpful in doing these things because the Health Department that is running under the able & excellent guidance of Health Minister and our Hon'ble Chief Minister. And if I don't name Mrs. Urvashi Gulati, Financial Commissioner & Principal Secretary, Health, Director Health Services and Dr. K.V. Singh, that how they are just telling and guiding the hospitals & following the instructions for all this, it will be failure on my part. Mrs. Gulati's management in health department is commendable and needs appreciation. Secondly, you have talked

about pollution. You all know about pollution. I know and I agree with you that Bronchial Asthma disease happens to be because of pollution, but you know how many persons they are sitting in the House, and they are living in the open places also. They are not having any pollution and they are not working in the factories. But the other causes of pollution is allergy and skin allergy and is cause of this Bronchial Asthma. We should prevent the persons having allergy who are going to fields or saving themselves from the cold. That is the main thing which causes for Bronchial Asthma and allergy. And the other thing which you have mentioned that is 'Persons are having blood-pressure because of this pollution.' With due apology, I want to say that I think the blood-pressure is not because of this pollution alone. It is because of we are not keeping at rest. (Interruptions) Yes, environment may be one of the causes and Bronchial Asthma is due to pollution but blood-pressure and heart deseases and all that; that is because of other reasons and other etiology.

In the end, I would like to say that Diabetes programmes, PNDT and Tuberculosis programmes are carrying out very nicely. You will agree with me about PNDT that we have closed so many ultrasound centers in the towns. There are checking of the ultrasound centers and the doctors who have done this, they have been given punishment also. But one thing which is very clear is that it was prevailling previously also and at this time also the girls who become pregnant, because torture like rape etc. and all that, they go there, that is the reason these doctors may be doing ultrasound otherwise these are not done in the Government hospitals. For these abortions, the tablets they are taken from the outside i.e. from the chemists and they get it done. This is not the fault of the Government and or hospitals. That is a joint procedure which we all doctors sitting here in the Assembly should adopt and take a pledge that we will help the Government in doing and removing all these things which are the evils of the society. I would like to say that we need your help regarding improvement in hospitals and hospital cases which are not being done, I hope you will agree with me that every major case whether it is Laprotomy, whether it is Cholecystectomy or Hernia or Hystrectomy or anything done in Government hospitals. By a surgeon, you are an Anaesthist, although there is a shortage of doctors but all the basic procedure, major procedures like Radical Mastyerctomy even, they are all being done. Only things what we want to do is that we will request our Chief Minister that we get such instruments and equipment for massive procedures so that they can be done in the hospitals with the equipments at one places. About C.T. Scans and MRIs, I have already requested and we are thankful to our Government and specially our Hon'ble Chief Minister for giving us three trauma centers which are working at three places and one of places is Yamunanagar. I have been given one crore to this Trauma Center. And I think the investigative processes that is ultrasound machines and CT Scans and MRIs they are needed today. That is the main thing. Thank you very much.

--

श्रीमती सुमिता सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से पूछना चाहती हूँ कि करनाल में ट्रौमा सैंटर है लेकिन उस ट्रौमा सैंटर में न तो सी.टी. स्कैन की सुविधा है और न वहां न्यूरो सर्जन है। इसलिए मैं मंत्री महोदया से प्रार्थना करूँगी कि वहां पर ये सुविधाएं जल्दी से जल्दी दी जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूँगी कि करनाल के लिए सी.टी. स्कैन मशीन खरीदने के लिए हाई पावर परचेज कमेटी को आर्डर भेज रखे हैं जैसे ही आर्डर एप्रूव होगा तुरंत वहां यह मशीन लगा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त रिवाड़ी और सिरसा में भी हम ट्रौमा सैंटर बनाने जा रहे है। अम्बाला, कुरुक्षेत्र और पलवल में भी बन जाएंगे। जहां पर ट्रौमा सैंटर हों वहां सी.टी. स्कैन की मशीन होना बहुत जरूरी है। और पंचकूला में हमने यह स्पैशैलिटी बना दी है। वहां पर हार्ट केयर की भी आवश्कता है। हम वहां पर आई.सी.यू. चलाने जा रहे हैं। न्यूरो सर्जन की जो पोस्टें खाली पड़ी हैं वे जल्दी ही भर दी जाएंगी और उन खाली पदों पर एप्वांयटमैंट कर देंगे। सरकार हर प्रकार से लोगों के स्वास्थ्य के बारे में चिन्तित है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुये सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करना चाहती हूँ कि हमारी दो जबरदस्त चिन्ताएं हैं एक है मेल और फीमेल सैक्स रेशो में डिक्लाईन।

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow on Friday, the 24th March, 2006.

13.30 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Friday, the 24th March, 2006.)

41119—HVS—H.G.P., Chd.